@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 15 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 66 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा के सत्ता में आते ही ओडिशा ने अपनाया आयुष्मान

नई दिल्ली, 14 जनवरी। देश में आयुष्मान भारत योजना के लागू होने के करीब छह साल बाद तक ओडिशा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में इसे लेकर विरोध रहा, लेकिन ओडिशा में भाजपा की सरकार आते ही राज्य ने इसे हरी झंडी दे दी है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्र और ओडिशा सरकार के बीच प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) इस योजना के लिए राज्य सरकार के साथ एमओयू साइन करेगा। दरअसल, फरवरी 2018 में केंद्र सरकार ने आम बजट में देश के 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को पांच लाख रुपये तक का सालाना स्वास्थ्य बीमा देने की घोषणा की, जिसके बाद सितंबर 2018 में आयुष्मान भारत योजना को लॉन्च किया गया। कुछ ही महीनों में इसको 33 राज्यों तक पहुंचने में केंद्र कामयाब रहा, लेकिन इसे पूरी तरह से राष्ट्रीय पहचान दिलाने में सफल नहीं हो पाया, क्योंकि दिल्ली, पश्चिम बंगाल और ओडिशा ने इसे ठुकरा दिया। तब से लेकर अब तक कई प्रयासों और बैठकों का सिलसिला होने के बाद भी लाभार्थी राज्य की सूची में नया नाम नहीं जुड़ पाया। अब 34वां राज्य इसमें शामिल होने जा रहा है। एनएचए से मिली जानकारी के मुताबिक, लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने के लिए हाल ही में ओडिशा सरकार ने अपने बजट में इसे शामिल करते हुए कुल 5,450 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की। राज्य में एक करोड़ परिवारों के 3.5 करोड़ सदस्यों को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसका दूसरा मतलब यह भी है कि अब ओडिशा के लोग इस योजना के जरिये देश के किसी भी हिस्से में रहकर पंजीकृत अस्पताल में इलाज ले सकेंगे, क्योंकि इस योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों की संख्या 30 हजार है। इतना ही नहीं, ओडिशा में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भी लागू हो जाएगा, जिसके तहत राज्य के लोगों को भारत डिजिटल स्वास्थ्य खाता (आभा) आईडी मिलेगी। इसका इस्तेमाल देश में कहीं भी अपने मेडिकल रिकॉर्ड की जानकारी प्राप्त करने में कर सकेंगे।

सरकार की नीतियां राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली पर निर्भरः राष्ट्रपति

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 14 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को भारतीय सांख्यिक सेवा (आईएसएस) के प्रशिक्षुओं से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय उपकरण और मात्रात्मक तकनीकें प्रभावी शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, क्योंकि ये नीतिगत निर्णयों के लिए ठोस आंकड़ों का आधार प्रदान करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारें स्वास्थ्य, शिक्षा, जनसंख्या, रोजगार आदि के आंकड़े जुटाने वाली राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली पर निर्भर करती हैं। ये आंकड़े नीति तैयार करने के लिए आधार बनते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन सभ्यताओं में भी शासक कर संग्रहण के लिए साधारण जनगणना आंकड़ों का उपयोग करते थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, शासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व लाने का एक उपकरण सांख्यिकीय विश्लेषण है। सांख्यिकी न केवल प्रभावी शासन की रीढ़ है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक विकास का एक उपकरण भी है। किसी भी नीति को सही तरीके से तैयार करने के लिए आंकड़े एक दम सटीक होने चाहिए। इसलिए यह सांख्यिक सेवा अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे सही आंकड़े एकत्र करें, जो ठोस और उद्देश्यपूर्ण निर्णयों का आधार बन सकें। उन्होंने कहा, सरकार को नीतियों को बनाने, लागू करने और मॉनिटर करने के लिए आंकड़ों की आवश्यकता होती है। नागरिकों को सरकारी योजनाओं और

कार्यक्रमों की निष्पक्ष समझ और मूल्यांकन के लिए आंकड़ा चाहिए होता है। राष्ट्रपति ने आईएसएस अधिकारियों से आग्रह किया कि वे आंकड़े संग्रहण के दौरान आम लोगों, खासकर गरीब और वंचित वर्गों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहें। उन्होंने कहा, आप जो भी आंकड़े इकट्ठा करेंगे उसे लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा। उदाहरण देते हुए, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में इकट्ठे किए गए आंकड़े- साक्षरता दर, स्कूल में नामांकन, स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर और बीमारियों की प्रवृत्तियों की निगरानी के लिए आधार बनेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आईएसएस अधिकारी राष्ट्रीय खाते, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और अन्य महत्वपूर्ण सूचकांकों को तैयार करने के जिम्मेदार होते हैं, जो अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को मापने में मदद करते हैं। इसके अलावा, वे सामाजिक आंकड़ों पर काम करते हैं, जैसे जनसंख्या, मानव विकास, रोजगार और सामाजिक न्याय के आंकड़े। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि आज के समय में नई तकनीकों का इस्तेमाल भी जरूरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रेडिक्टिव एनालिसिस और मशीन लर्निंग के बढ़ते उपयोग को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि आप इन नई तकनीकों का प्रभावी रूप से उपयोग करें। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारतीय सांख्यिक सेवा के अधिकारियों द्वारा किए गए शोध से नीतियों को तैयार किया जा सकता है जो देश की बदलती जरूरतों का जवाब दे सके।

संपत्तियों का ब्योरा नहीं देने वाले पुलिसकर्मियों को नहीं मिलेगा वेतन

लखनऊ, 14 जनवरी। अपनी चल और अचल संपत्तियों का ब्योरा नहीं देने वाले पुलिसकर्मियों का जनवरी माह का वेतन जारी नहीं किया होगा। डीजीपी मुख्यालय ने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बुधवार तक मानव संपदा पोर्टल पर वर्ष 2024 में अर्जित अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा देने का आदेश दिया है। डीजीपी मुख्यालय ने सभी जिलों को इस बाबत निर्देश दिया है कि वह अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से 15 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर उनकी संपत्तियों का ब्योरा दर्ज कराना सुनिश्चित करें। मुख्यालय ने बेहद कम तादाद में पुलिसकर्मियों द्वारा ब्योरा उपलब्ध कराने पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी है कि जिन पुलिसकर्मियों द्वारा तय समय पर अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण पोर्टल पर दर्ज नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध उप्र सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के प्राविधानों के तहत नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

चीन-पाकिस्तान से लगी सीमा पर स्थिति संवेदनशील, पर स्थिर : सेना प्रमुख

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 14 जनवरी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एलएसी और एलओसी से लेकर मणिपुर के हालात के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी की स्थिति संवेदनशील है, लेकिन स्थिर है। पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है। वहीं पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम जारी है। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में सेना प्रमुख ने कहा कि हम सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षमता विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि एलएसी पर स्थिति संवेदनशील लेकिन स्थिर है। अक्तूबर में पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में स्थिति सुलझ गई। इन पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है। मैंने सभी सह-कमांडरों को जमीनी स्तर पर संवेदनशील मुद्दों को संभालने के लिए कहा है। ताकि

इन्हें सैन्य स्तर पर ही हल किया जा सके। एलएसी पर हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। उत्तरी सीमाओं के लिए फोकस क्षमता विकास कार्यक्रम ने युद्ध लड़ने की प्रणाली में तकनीक को सक्षम किया। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल मारे गए 60 फीसदी आतंकी पाकिस्तानी मूल के थे। आज घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी आतंकी बचे हैं, हमें लगता है कि लगभग 80 फीसदी या उससे अधिक पाकिस्तानी मूल के हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। नियंत्रण रेखा पर डीजीएमओ के बीच सहमति के बाद फरवरी 2021 से प्रभावी संघर्ष विराम जारी है। हालांकि आतंकी ढांचा बरकरार है। आईबी सेक्टर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। हाल ही में उत्तरी कश्मीर और डोडा-किश्तवाड़ बेल्ट में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। जबकि हिंसा के मानदंड नियंत्रण में हैं। हमने इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान पांच लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को देखा। साथ ही शांतिपूर्ण चुनाव होना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। आतंकवाद से पर्यटन की थीम धीरे-धीरे आकार ले रही है। सेना प्रमुख ने हिंसा ग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों के प्रयास प्रयासों और सरकार की पहल से स्थिति नियंत्रण में आई है। हालांकि, हिंसा की कुछ घटनाएं जारी हैं। हम इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। विभिन्न गैर सरकारी संगठन और विभिन्न समुदाय के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि एक तरह का सामंजस्य स्थापित किया जा सके। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि म्यांमार में अभी तक हो रही अशांति को रोका जा सके। जहां तक मानवीय सहायता और आपदा राहत का सवाल है

जयराम रमेश ने आईएमडी के संगठनात्मक ढांचे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 14 जनवरी। पूर्व पर्यावरण मंत्री और कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की कंप्यूटेशनल क्षमताओं में पिछले दशकों में वृद्धि हुई है, लेकिन इसके संगठनात्मक ढांचे में बड़े स्तर पर सुधार की जरूरत है। आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस पर रमेश ने कहा कि इस विभाग का एक शानदार इतिहास है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के व्यवहार पर गहरा असर पड़ रहा है, जो देश की किस्मत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, बारिश की मात्रा की लंबी अवधि के औसत में शायद बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आया है, लेकिन इसकी अस्थिरता स्पष्ट रूप से बढ़ी है। चरम घटनाओं की आवृत्ति निश्चित रूप से बढ़ी है। मोटे तौर पर कहा जाए तो बारिश की मात्रा समान है, लेकिन निश्चित रूप से कम समय में। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्थिति विशेष रूप से कृषि योजना, भूजल और शहरी प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आईएमडी की कंप्यूटेशनल क्षमताओं में पिछले कुछ दशकों में वृद्धि हुई है, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाना होगा। इसके संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की जरूरत है। आईएमडी, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत काम करता है, देश को मौसम और जलवायु से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करने में एक अहम भूमिका निभाता है। यह प्राकृतिक आपदाओं, कृषि, विमानन और सार्वजनिक सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना 15 जनवरी, 1875 को हुई थी।

अब भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने की जरूरतः पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 14 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150वें स्थापना दिवस के समारोह में भाग लिया और मिशन मौसम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मौसम वैज्ञानिकों से भूकंप की चेतावनी देने वाला तंत्र विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इससे देश को प्राकृतिक आपदा के समय होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि मौसम विज्ञान किसी भी देश की आपदा प्रबंधन क्षमता का सबसे जरूरी सामर्थ्य होता है। प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम से कम करने के लिए हमें मौसम विज्ञान की कार्यकुशलता को अधिकतम करने की आवश्यकता होती है। विज्ञान में प्रगति और इसकी पूरी क्षमता का उपयोग करने से देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि अब भूकंप के लिए चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को इस दिशा में काम करना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने मिशन मौसम की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य अत्याधुनिक मौसम निगरानी तकनीक और सिस्टम विकसित करके, उच्च-रिजोल्यूशन वायुमंडलीय अवलोकन, अगली पीढ़ी के रडार और उपग्रहों एवं उच्च-प्रदर्शन

कंप्यूटरों को कार्यान्वित करते हुए उच्च स्तरीय क्षमता को हासिल करना है। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन का मकसद भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु के प्रति स्मार्ट राष्ट्र बनाना है। मिशन मौसम का उद्देश्य मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ को बेहतर बनाने, वायु गुणवत्ता डेटा प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा जो लंबे समय में मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप की रणनीति बनाने में सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी प्रगति के साथ हमारी आपदा प्रबंधन क्षमता का निर्माण हुआ है। इसका फायदा पूरी दुनिया को मिल रहा है। आज हमारा फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी मदद दे रहा है। हमारे पड़ोस में कहीं कोई आपदा आती है, तो भारत सबसे पहले मदद के लिए उपस्थित होता है। इससे विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। दुनिया में विश्व बंधु के रूप में भारत की छवि और भी मजबूत हुई है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में मौसम संबंधी अनुकूलता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए आईएमडी विजन-2047 दस्तावेज भी जारी किया। इसमें मौसम पूर्वानुमान, मौसम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन शमन की योजनाएं शामिल है। कार्यक्रम में विश्व मौसम विज्ञान विभाग की महासचिव सेलेस्टे सौलो, पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह, पृथ्वी विज्ञान सचिव एम रविचंद्रन, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा मौजूद रहे।

बसपा मिल्कीपुर सीट उपचुनाव नहीं लड़ेगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 14 जनवरी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी की तरफ से हाल ही में इसका एलान किया था। पहले पार्टी ने इस सीट पर वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी रामगोपाल कोरी को उपचुनाव लड़वाने का फैसला लिया था। रामगोपाल ने इस सीट पर जमकर प्रचार भी किया था। लेकिन बीते साल के अंत में यूपी के नौ सीटों पर जो उपचुनाव हुआ, उसमें निराशाजनक प्रदर्शन ने बसपा के हौसले भी तोड़े हैं। हालांकि, उपचुनाव के नतीजे सामने आने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने उपचुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए भविष्य में कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया था। माना जा रहा है कि बसपा के पीछे हटने के बाद अब इस सीट पर समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला है। मिल्कीपुर विधानसभा सीट अब तक किसी एक पार्टी का गढ़ साबित नहीं हुई है। दरअसल, यहां कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) तक जीत दर्ज कर चुकी है। आइये जानते हैं बसपा के लिए इस सीट का क्या इतिहास रहा है? और जिस चेहरे को वह इस बार उतारना चाहती थी, उसका इससे हले चुनावों में कैसा प्रदर्शन रहा है? साल

1967 में मिल्कीपुर नाम से सीट अस्तित्व में आई। तब मिल्कीपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के रामलाल मिश्रा को जीत मिली। दो साल बाद 1969 में राज्य में फिर से चुनाव हुए। इस चुनाव में मिल्कीपुर सीट भारतीय जन संघ के खाते में गई। जन संघ के उम्मीदवार हरिनाथ तिवारी ने कांग्रेस के कांग्रेस के बृजबासी लाल को 3579 मत से शिकस्त दी। 1974 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर में फिर कांग्रेस की वापसी हुई। पार्टी के उम्मीदवार धरम चंद्र ने भारतीय जनसंघ के शंकर नाथ त्रिपाठी को 14949 वोट से हराया। बहुजन समाज पार्टी ने पहली बार इस सीट पर 1989 में चुनाव लड़ा। तब तक यहां से कम्युनिस्ट पार्टी का बोलबाला हो चुका था। हालांकि, 1989 के विधानसभा चुनाव में लगातार तीन चुनाव जीत चुके सीपीआई के मित्रसेन यादव को हार का सामना करना पड़ा। इस बार कांग्रेस के बृजभूषण मणि त्रिपाठी को जीत मिली। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार ने 6044 वोट से यह चुनाव जीता। इस चुनाव में बसपा उम्मीदवार ताहिर उमर खान को महज 5344 वोट मिले, पर वे 5.3 फीसदी वोट हासिल कर तीसरा स्थान पाने में सफल रहे। अब आता है 1991 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव। इस चुनाव में मिल्कीपुर सीट पर पहली बार भारतीय जनता पार्टी का खाता खुला। भाजपा के प्रत्याशी मथुरा प्रसाद तिवारी ने पार्टी को पहली जीत दिलाई। उन्होंने भाकपा के कमलासन पांडे को महज 415 मत से हराकर यह चुनाव जीता। बसपा का प्रदर्शन भी इस चुनाव में सुधरा और उसने अपने वोट प्रतिशत 11.8त्न पर आ गया। हालांकि, पार्टी के अवधेश यादव चौथे स्थान पर रहे। 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाकपा के मित्रसेन यादव की वापसी हुई। 12 साल बाद फिर भाकपा के मित्रसेन मिल्कीपुर में जीतने में कामयाब हुए। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार मथुरा प्रसाद तिवारी को महज 775 मत से हराया। इस चुनाव में भी बसपा ने अपना वोट प्रतिशत बढ़ाया और उसे 14.5 फीसदी वोट प्राप्त हुए। चौंकाने वाली बात यह है कि कभी इस सीट पर भाकपा के वर्चस्व के बावजूद उसे हराने वाली कांग्रेस इस बार 11.9 फीसदी वोट के साथ चौथे स्थान पर खिसक गई। 1996 में मिल्कीपुर सीट पर फिर मित्रसेन यादव ने जीत का परचम लहराया। लेकिन इस बार वह समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार थे। इस चुनाव में मित्रसेन ने भाजपा उम्मीदवार बृजभूषण मणि त्रिपाठी को 6162 वोट से शिकस्त दी। एक गौर करने वाली बात यह रही कि इस सीट पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार दिनेश प्रताप थे, जिन्हें 26210 वोट मिले। यानी बसपा इस चुनाव में भाजपा के लिए वोटकटवा साबित हुई।

पहले शाही स्नान में 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 14 जनवरी। महाकुंभ में मकर संक्रांति के अवसर पर पहले शाही स्नान के दौरान संतों समेत 3.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखाड़ों, मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों का साधुवाद करने के साथ प्रदेशवासियों को बधाई दी है। सीएम ने सोशल मीडिया पर मंगलवार शाम को अपने संदेश में कहा कि आस्था, समता और एकता के महासमागम महाकुंभ-2025, प्रयागराज में पावन मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पवित्र संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाने वाले सभी पूज्य संतगणों, कल्पवासियों व श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों एवं श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया है। वहीं दूसरी ओर सीएम योगी मंगलवार को गोरखपुर से महाकुंभ के बारे में पल-पल की जानकारी लेते रहे। उनके निर्देश पर डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद समेत तमाम अधिकारी भी मेले की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक के जरिए देर रात से ही भीड़ नियंत्रण की मॉनीटरिंग हो रही है।। रात में थर्मल इमेजिंग के हिसाब से क्राउड कंट्रोल किया गया तो दिन में टीथर्ड ड्रोन व सीसीटीवी से ट्रैफिक को मॉनिटर कर रहे हैं। घाटों की लंबाई अधिक होने के कारण संगम नोज पर इस बार अधिक दबाव नहीं है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार कर रहे हैं। श्रद्धालु अब प्रयागराज के साथ चित्रकूट, विंध्यवासिनी धाम, वाराणसी व अयोध्या की तरफ भी जाएंगे। इन शहरों के रास्तों पर भी श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, हमने इसकी भी व्यवस्था की है। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि मकर संक्रांति पर 3.50 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। मुख्यमंत्री पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। पीएम मोदी की अपेक्षा थी कि इसे डिजिटल महाकुंभ के रूप में स्थापित किया जाए। इसे देखते हुए पूरे मेला क्षेत्र को कैमरे से स्कैन किया गया है। गूगल लोकेशन, यूपीआई समेत सारी सुविधा उपलब्ध कराते हुए इसे डिजिटल स्वरूप देने का प्रयास किया गया है। भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट, खोया-पाया लोकेशन आदि में एआई समेत टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। मकर संक्रांति के पावन अवसर

पर महाकुम्भ 2025 में गंगा स्नान करने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक भावपूर्ण पोस्ट के जरिए आस्था, समता और एकता के इस महासमागम में शामिल पूज्य संतों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। सीएम योगी ने महाकुम्भ को सनातन धर्म की अनुपम शक्ति और आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा, प्रथम अमृत स्नान पर्व पर आज 3.50 करोड़ से अधिक पूज्य संतों और श्रद्धालुओं ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ के प्रथम अमृत स्नान पर्व के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों और संगठनों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, सनातन धर्म के आधार सभी पूज्य अखाड़ों, महाकुम्भ मेला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्वच्छताकर्मियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं धार्मिक संस्थाओं, नाविकों तथा महाकुम्भ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद। इस मौके पर उन्होंने प्रदेशवासियों और श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और आस्था के इस महायज्ञ के सुचारु रूप से चलने की कामना करते हुए उन्होंने लिखा, पुण्य फलें, महाकुम्भ चलें। महाकुम्भ 2025 में मकर संक्रांति पर संगम तट पर उमड़ी भक्तों की भीड़ और उनके उत्साह ने एक बार फिर भारतीय संस्कृति और परंपरा की अद्वितीय छवि प्रस्तुत की।

जिसका बिहार में अस्तित्व नहीं, वह दिल्ली में क्या लड़ेगी: चिराग पासवान

पटना, 14 जनवरी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी का अस्तित्व अपने प्रदेश में ही नहीं है वह दिल्ली में क्या ल ?ेंगें? आज दिल्ली में जो बिहार के लोग हैं, वो राजद के जंगलराज से प्रता ?ित और सताये हुए हैं। आखिर ये किस मुंह से उनसे वोट मांगने जायेंगे। चिराग पासवान ने कहा कि दिल्ली चुनाव में राजद जिसके साथ ख ?ी होगी उसका सर्वनाश हो जायेगा। बीपीएससी अभ्यर्थियों की मांगो को लेकर पूछे गये सवाल का जबाव देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि गठबंधन की मर्यादा में रहकर सहयोगी दल के होने के बावजूद भी हमने छात्रों के मुद्दे को रखने का काम किया है। मैं मानता हूं कि किसी छात्र के साथ कोई भी अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बात को अवश्य सुनिश्चित करेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने दिल्ली चुनाव को लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन का अब नामो निशान नहीं रहा। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव में कांग्रेस और प्रदेश के क्षेत्रीय दलों में इंडिया गठबंधन का अस्तित्व नहीं है। चिराग पासवान ने राहुल गांधी पर भी खूब बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी न तो गठबंधन को संभाल पा रहे हैं और न ही अपनी पार्टी को संभाल पा रहे हैं। उन्होएने कहा कि एक ओर दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने-सामने ल ? रही है, वहीं सपा और टीएमसी आम आदमी पार्टी को समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब अलग-थलग प ? गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 1 व्हीलर रोड स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय में मकर संक्रांति के अवसर पर एनडीए के सभी घटक दल पहुंचे और एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सभी नेताओं को तिलकूट और दही खिलाकर मुंह मीठा कराया।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी

एजेंसी

टोक्यो। दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जापान के मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी भी जारी की है। मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि रविवार देर रात दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिसका केंद्र मियाज़ाकी प्रान्त रहा। भूकंप के झटकों के बाद एजेंसी ने क्यूशू के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप और पास के कोच्चि प्रान्त के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। एजेंसी के अनुसार सुनामी की लहरें एक मीटर तक पहुंच सकती हैं। इसलिए पहले से ही तैयारियां शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। फिलहाल भूकंप के कारण किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। प्रशांत बेसिन में ज्वालामुखियों के आर्क, रिंग ऑफ फायर और फॉल्ट लाइन के किनारे स्थित होने के कारण जापान अक्सर भूकंप की चपेट में रहता है। पिछली बार 2011 में जापान में भूकंप के बाद सुनामी ने कोहराम मचाया था। तब सुनामी में तोहोकू तटरेखा के साथ-साथ कई नगर पालिकाओं और कई प्रान्तों में रहने वाले समुदायों को तबाह कर दिया था। इसमें 15 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

वेनेजुएला के विदेश मंत्री ने राजनयिक मिशनों पर हमलों की निंदा की

काराकस। वेनेजुएला के विदेश मंत्री यवन गिल ने सोमवार को देश के कई राजनयिक मिशनों पर हमलों की निंदा की और इसे देश के राजनीतिक विरोधियों द्वारा 'एक समन्वित कार्रवाई' बताया। श्री गिल ने टेलीग्राम पर कहा, हमारे कई कार्यालयों पर चरमपंथियों द्वारा हमला किया गया है, हमारे राजनयिक कार्यालयों को उसी तरह का नुकसान पहुंचाते हैं, जो वे हमारे प्रिय बोलिवेरियन देश के साथ करना चाहते हैं। श्री गिल ने उन पांच देशों - पुर्तगाल, जर्मनी, कोलंबिया, स्पेन और कोस्टा रिका - के अधिकारियों से जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए जांच करने का आह्वान किया, जहां-जहां इस तरह के हमले हुए हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री मतभेदों के बावजूद एआई पर मस्क के साथ काम करने को है तैयार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि उनकी सरकार अमेरिकी उद्यमी एलन मस्क के बीच मतभेदों के बावजूद एआई क्षेत्र को विकसित करने के लिए उनके साथ काम करने के लिए तैयार है। सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह पूछे जाने पर कि क्या वह मस्क द्वारा लोगों को यूनाइटेड किंगडम में निवेश करने से रोकने के बारे में चिंतित है। श्री स्टार्मर ने कहा, हम इस क्षेत्र में किसी के भी साथ काम करेंगे, चाहे वह एलोन मस्क हों या कोई और। हम एक ऐसी सरकार हैं जो एआई के मामले में नंबर एक बनने और सभी के साथ काम करने पर केंद्रित है।पिछले छह महीनों में श्री स्टार्मर और मस्क के बीच संबंध खराब हो गए हैं। उनके बीच दरार में नवीनतम मोड़ 1990 के दशक से 2010 के मध्य तक ब्रिटेन में गिरोह द्वारा आयोजित सामूहिक बाल यौन शोषण की जांच के दौरान आया। मस्क ने जनवरी की शुरुआत में ब्रिटेन के के प्रधान मंत्री पर गिरोहों द्वारा लड़कियों के सामूहिक बलात्कार से जुड़े घोटाले में 'गहराई से शामिल' होने का आरोप लगाया, यह इंगित करते हुए कि स्टार्मर 2008-2013 तक क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के प्रमुख थे, जब बलात्कार हो रहे थे।

हूती ने तेल अवीव में इजरायली रक्षा मंत्रालय पर किया हमला

दोहा। यमन में हूती संगठन अंसार अल्लाह ने इजरायली शहर तेल अवीव स्थित रक्षा मंत्रालय पर हाइपरसोनिक मिसाइल से हमला किया है। हूती आंदोलन ने मंगलवार को टेलीग्राम पर कहा, हमने कब्जे वाले जाफ़ा

(तेल अवीव) में इजरायली दुश्मन के तथाकथित रक्षा मंत्रालय के खिलाफ़ फिलिस्तीन-2 हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करके सैन्य अभियान चलाया। संगठन के अनुसार, यह 12 घंटों में तीसरा अभियान था।

लेबनान सीमा से हिजबुल्लाह लड़ाके सीरिया में घुसे, झड़प

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में असद परिवार के पांच दशक के शासन के अंत के बावजूद हालात में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आ रहा। राष्ट्रपति बशर अल-असद को देश छोड़कर भागने के लिए मजबूर करने वाले इस्लामी उग्र समूह हयात तहरीर अल-शाम को अब लेबनान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाकों से दो-चार होना पड़ रहा है। हिजबुल्लाह के लड़ाके सीरिया में घुसपैठ करने में कामयाब हो गए हैं।

अरबी न्यूज एजेंसी '963+' की खबर के अनुसार, पश्चिमी सीरिया के होम्स ग्रामीण इलाके में सैन्य संचालन विभाग और लेबनान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाकों से सोमवार शाम हिंसक झड़पें हुई हैं। हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने सीरियाई-लेबनानी सीमा पर होम्स के पश्चिम में कुसैर ग्रामीण इलाके में अल-मस्रिया शहर में घुसपैठ कर सैन्य संचालन विभाग के एक गश्ती दल

को निशाना बनाया।इसकी खबर मिलते ही संचालन विभाग ने शहर और उसके आसपास के इलाके में अतिरिक्त सैन्य बल भेजा। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। मंगलवार सुबह तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी होती रही। इस बीच बाद संचालन विभाग ने हिजबुल्लाह के 10 से अधिक सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि हिजबुल्लाह के लड़ाके बड़ी संख्या में घुस आए हैं। इसके अलावा ईरान समर्थक अल-कुद्स ब्रिगेड के सदस्य भी नाक में दम किए हैं। इसके सदस्य दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके के अल-जुफरा शहर में छुपे हुए हैं। इनमें से चार को गिरफ्तार किया गया है। एक सैन्य सूत्र के अनुसार, ऑपरेशन विभाग ने ईरान के प्रति वफादार 47वीं रेजिमेंट के पांच पूर्व सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। दो दिन पहले अज्ञात बंदूकधारियों ने कोहरे और दृश्यता की कमी का फायदा उठाते हुए पूर्वी में पलमायरा शहर के पास अमेरिकी समर्थित फ्री सीरियन आर्मी बलों की एक सैन्य चौकी पर हमला किया।

ईरानी सेना को एक हजार घरेलू ड्रोन मिले

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने अपनी सेना को 1,000 घरेलू निर्मित ड्रोन सौंपे। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रक्षा मंत्रालय द्वारा डिजाइन और निर्मित मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) देश के विभिन्न क्षेत्रों में लड़ाकू इकाइयों को वितरित किए गए है।रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह ने एक 'हैंडओवर' समारोह में कहा कि ड्रोन ईरान की आसमान पर हावी होने और जरूरत पड़ने पर अपने दुश्मनों पर निर्णायक प्रहार करने की क्षमता को मजबूत करेंगे। आईआरएनए ने कहा कि यूएवी की परिचालन सीमा 2,000 किमी से अधिक है और यह उच्च विनाशकारी शक्ति, कम रडार पहचान क्षमता और बाहरी नियंत्रण के बिना स्वायत्त संचालन सहित उन्नत सुविधाओं से लैस हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रोन विशेष अभियानों के लिए हैं और इनसे टोही, सीमा निगरानी और युद्ध में सेना की क्षमताओं में वृद्धि होने की उम्मीद है।

उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में बोको हरम के आतंकियों का हमला, 40 किसानों की गई जान

एजेंसी

एबूजा। उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में इस्लामिक आतंकवादियों के हमले में 40 किसान मारे गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना उमरा जुलुम ने कहा कि रविवार को बोको हरम समूह और उसके अलग हुए गुट के चरमपंथियों द्वारा किसानों पर हमला किया गया। इस हमले में 40 किसानों की जान चली गई। उन्होंने नागरिकों से निर्धारित सुरक्षित क्षेत्रों में रहने की अपील की है। जुलुम ने सशस्त्र बलों से हमले की जांच की भी मांग की। बोर्नो राज्य के गवर्नर ने आगे कहा, मैं बोर्नो के नागरिकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस मामले की आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए गहन जांच की जाएगी। मैं इस अवसर का उपयोग सशस्त्र बलों से हमारे निर्दोष नागरिकों के खिलाफ हिंसा के इस

जघन्य कृत्य के अपराधियों का पता लगाने और उनसे निर्णायक रूप से निपटने के लिए करने का आह्वान करता हूं। बतादें कि यह हमला उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में बोको हरम द्वारा किए गए हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है। यह समूह इस क्षेत्र में 14 वर्षों से विद्रोह कर रहा है। नाइजीरिया के घरेलू जिहादियों बोको हराम ने पश्चिमी शिक्षा से लड़ने और इस्लामी कानून के अपने कट्टरपंथी संस्करण को लागू करने के लिए 2009 में हथियार उठाए थे। यह संघर्ष, जो अब उग्रवाद के साथ अफ्रीका का सबसे लंबा संघर्ष है, नाइजीरिया के उत्तरी पड़ोसियों तक फैल गया है।

दक्षिण एशिया की राजनीति में सुधार होने तक सार्क सम्मेलन असंभव: आरजू राणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने संसदीय समिति के समक्ष कहा कि दक्षिण एशिया की राजनीति में जब तक सुधार नहीं होता तब तक दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) सम्मेलन होना असंभव है।

नेपाल के संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति की बैठक में उपस्थित डॉ. राणा सार्क सम्मेलन को लेकर नेपाल की भूमिका पर सांसदों के सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने अपने पिछले भारत दौरे में भारतीय विदेश मंत्री के साथ हुई बातचीत का खुलासा किया। डॉ. राणा ने बताया कि सार्क के अध्यक्ष देश के नाते इसके शिखर सम्मेलन के लिए नेपाल हमेशा ही प्रयासरत रहता है। पिछले वर्ष सितंबर हुए में भारत दौरे के दौरान डॉ. जयशंकर से हुई बातचीत के क्रम में सार्क को लेकर भारत के नजारिए को स्पष्ट किया। डॉ. राणा ने

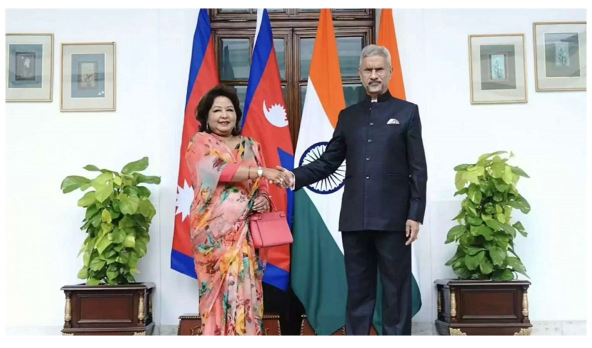

बताया कि दिल्ली में जैसे ही सार्क शिखर सम्मेलन की चर्चा मैंने शुरू की डॉ. जयशंकर ने सीधे सवाल किया कि अगर आपके देश में किसी एक देश के प्रायोजित आतंकवादी के द्वारा आम लोगों और सैनिकों को मारा जाता तो आप बैठक की बात करतीं? उन्होंने कहा कि जयशंकर के इस बात के बाद डॉ. राणा ने कोई जवाब नहीं दिया। समिति की बैठक में डॉ. राणा ने कहा कि सार्क सम्मेलन में सभी सरकार प्रमुखों की सहमति आवश्यक है।

खतरनाक हवाओं के पूर्वानुमान से जंगल की आग पर काबू पाने के प्रयास हुये और जटिल

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में लॉस एंजिल्स क्षेत्र में अग्निशामक कई बड़ी जंगल की आगों से जूझ रहे हैं। इधर अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने बहुत तेज हवाओं÷ के एक और दौर की चेतावनी जारी है।

एनडब्ल्यूएस बुधवार तक शुष्क परिस्थितियों और बहुत तेज़ हवाओं के एक और दौर के कारण 'विशेष रूप से खतरनाक स्थिति' का आह्वान कर रहा है।एनडब्ल्यूएस ने सोमवार को 'एक्स' पर कहा, 'बहुत तेजी से आग फैलने और अत्यधिक आग के व्यवहार के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं, जिसमें लंबी दूरी की स्पॉटिंग भी शामिल है, जिससे जीवन और संपत्ति को खतरा हो सकता है। एनडब्ल्यूएस के अनुसार, मध्यम से स्थानीय रूप से मजबूत सांता एना हवाओं के कारण पालिसैड्स और ईटन आग के क्षेत्रों सहित तटीय दक्षिणी कैलिफोर्निया में गंभीर आग

की मौसम की स्थिति बुधवार तक जारी रहेगी।

खतरे की ये चेतावनियाँ वर्तमान में प्रभावी हैं। ग्रेटर लॉस एंजिल्स में भीषण जंगल की आग ने 40,500 एकड़ से अधिक भूमि को झुलसा दिया है, और 12,300 से अधिक संरचनाओं को नष्ट कर दिया है। विनाशकारी पैलिसेड्स और ईटन आग से मरने वालों की संख्या सुबह तक 25 हो गई।

चीन के साथ बीआरआई समझौता करने को लेकर संसदीय समिति में प्रधानमंत्री से जवाब देने की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार का चीन के विवादास्पद बेल्ट एंड रोड कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को समिति की बैठक में तलब करने की मांग की है।

संसद की अन्तरराष्ट्रीय संबंध समिति की हुई बैठक में विदेश मंत्री डा आरजू राणा के जवाब से असंतुष्ट सांसदों ने प्रधानमंत्री ओली को ही समिति में बुलाकर उनसे जवाब तलब किए जाने की मांग की है। आज की संसदीय समिति में सरकार की तरफ से इस पर जवाब देने के लिए उपस्थित विदेश मंत्री ने एक बार फिर कहा कि बीआरआई में ऋण लेने की बात का कहीं उल्लेख नहीं है। विदेश मंत्री के जवाब से असंतुष्ट समिति के सदस्य विमलेन्द्र निधि ने कहा कि विदेश मंत्री बीआरआई को

लेकर ऋण के नहीं होने की बात कैसे कह सकती हैं जब खुद प्रधानमंत्री ओली ने सार्वजनिक रूप से पहले ही इसके ऋण और अनुदान दोनों होने की बात कह चुके हैं। निधि ने कहा कि मैं सत्ता पक्ष का सांसद हूं और चीन भ्रमण से पहले ही दोनों दलों के बीच ऋण नहीं लेने पर समझौता हुआ था। लेकिन चीन जाने के बाद इस सहमति को तोड़ते हुए बीआरआई पर हस्ताक्षर किया गया। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री ओली को इस समिति की बैठक में बुलाकर उनसे इस विषय पर जवाब लेना चाहिए। इसी तरह इस संसदीय समिति के एक अन्य सदस्य पशुपति शमशेर राणा ने कहा कि सरकार को बीआरआई समझौते को लेकर ओरिजिनल डॉक्यूमेंट को समिति के समक्ष पेश करना चाहिए। क्योंकि जो दस्तावेज सरकार के तरफ से सार्वजनिक किया गया है उसकी विश्वनीयता पर शंका है। सत्ता पक्ष के ही सांसद योगेश गौचन थकाली ने कहा कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब संसद की बैठक नहीं चल रही है। सरकार संसद की बैठक बुलाकर इस पर चर्चा करने करने से भी बच रही है। उनका कहना था कि कम से कम संसदीय समिति में ही प्रधानमंत्री को बुलाकर उनसे इस संबंध में पूछताछ करनी चाहिए।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को कमजोर करने की कोशिश की, मस्क ने किया दावा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर पर अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव को कमजोर करने के लिए देश में एजेंट भेजने का आरोप लगाया। श्री मस्क ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, श्री स्टारमर ने अमेरिकी चुनाव को कमजोर करने के लिए अमेरिका में एजेंट भेजे। उन्होंने यह टिप्पणी उस पोस्ट के संदर्भ में की जिसमें कहा गया था कि श्री स्टारमर को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथग्रहण समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया है। इससे पहले जनवरी की शुरुआत में श्री मस्क ने श्री स्टारमर पर उनके देश में गिरोहों द्वारा लड़कियों के सामूहिक दुष्कर्म से जुड़े मामले में मिलीभगत का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि श्री स्टारमर 2008-2013 तक क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के प्रमुख थे, जब यह घटना हुई थी।

तुर्की में भ्रष्टाचार के आरोप में अधिकारियों को गिरफ्तार करने का आदेश

अंकारा। तुर्की के नगर निगम टेंडर प्रक्रिया में चल रहे भ्रषटाचार की जांच को लेकर इस्तांबुल प्रांत में बेसिकटास नगर पालिका के मेयर रीज़ा अकपोलट और अन्य 46 को गिरफ्तार करने आदेश जारी किया गया है। इस्तांबुल मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर निगम नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों पर रिश्वत लेकर सार्वजनिक निविदाओं में हेराफेरी करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है। एक बयान में कहा गया कि जांच के बाद प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपराध नेटवर्क ने यह सुनिश्चित किया कि उसकी फर्मों को टेंडर अनुबंध मिले जिन्हे पकड़ने के लिये तीन माह का निगरानी अभियान चलाया गया । आरोपी अकपोलट जो 2019 में बेसिकटास मेयर के रूप में चुना गया था वह विपक्षी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी का है ।

कुम्भ मेला जा रही इनोवा कार ट्रेलर से टकराई, एक की मौत, पांच घायल

एजेंसी

फतेहपुर। जिले में गुजरात से प्रयागराज कुम्भ मेले जा रही एक इनोवा कार खागा कोतवाली क्षेत्र के निर्माणाधीन बाईपास पूर्वी ओवरब्रिज के पास हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार कार ट्रेलर से टकरा गई, जिससे कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पांच अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

खागा कोतवाली के नेशनल हाईवे पूर्वी बाईपास के पास इनोवा कार में एक्सीडेंट हो गया है। मौके पर मैं प्रभारी निरीक्षक तारकेश्वर राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुचे और इनोवा नंबर क्क85 ष्छ्ठ 5211 खड़े ट्रेलर नंबर ह्स01 1673 में कोहरा अधिक होने के कारण पीछे से उसमें जाकर भिड़ गई। कार सवार चालक सहित 5 पुरुष व 2 महिला को तत्काल सीएससी खागा भिजवाया गया।

जिसमें चालक श्याम सिंह पुत्र नंदकुमार निवासी वृंदावन मथुरा की मौत व्यक्ति हो गई तथा उसमें घायल हेमलता ओझा पत्नी प्रणव ओझा, प्रणव ओझा पुत्र जयंती लाल ओझा, अंकित ओझा पुत्र प्रवण ओझा, बीकू भाई पुत्र भगवान भाई बृज किशोर पचौरी, व कैला देवी को सीएससी हरदो, खागा से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर द्वारा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर गया। जिन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल फतेहपुर भिजवाया गया है। घायलों से जानकारी की गई तो बताया कि गुजरात से महाकुम्भ मेला प्रयागराज जा रहे थे।

उत्तर गाजा में विस्फोट में 5 इजरायली सैनिकों की मौत, 8 घायल

यरूशलम। उत्तरी गाजा पट्टी में एक इमारत में विस्फोट में पांच सैनिक मारे गए और आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इजराइली सेना ने सोमवार को एक बयान में इस बात की घोषणा की।विस्फोट का कारण, जिसके कारण इमारत ढह गई, तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है और इज़रायली सेना ने

कहा कि घटना की अभी भी जांच चल रही है।

बाइडेन प्रशासन ट्रम्प की टीम को सबसे खराब विरासत छोड़ने के लिए सब कुछ करेगा : पेसकोव

एजेंसी

वाशिंगटन। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का निवर्तमान प्रशासन नये निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टीम के लिए सबसे खराब विरासत छोड़ने के लिए सब कुछ करेगा। श्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा सामान्य तौर पर, हमने पहले प्रतिबंधों पर चर्चा की है, हम भविष्यवाणी करते हैं कि व्हाइट हाउस में अपने प्रवास के आखिरी दिन तक, श्री बाइडेन और उनका प्रशासन रूस के साथ द्विपक्षीय संबंधों के मामले में (ट्रम्प के प्रशासन को) सबसे खराब विरासत छोड़ने के लिए सब कुछ करेगा। वे लगातार इसी लाइन का पालन करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इसके अलावा श्री ट्रम्प के आधिकारिक रूप से सत्ता में आने से पहले यूक्रेन संघर्ष समाधान के बारे में अमेरिका की बयानबाजी में बदलाव के बारे में बात करना अभी जल्दबाजी होगी।

कोयला खदान ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 11

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में कोयला खदान ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। प्रांत के मुख्य खान निरीक्षक ने यह जानकारी दी। इस्पेक्टर अब्दुल गनी बलूच ने मीडिया को बताया कि यह घटना गुरुवार रात को प्रांतीय राजधानी क्वेटा में मीथेन गैस जमा होने के कारण हुई, जिससे खदान ढह गई और

लगभग एक दर्जन खनिक अंदर फंस गए। उन्होंने कहा कि खनन इंजीनियरों और विशेष कर्मचारियों सहित बचाव दल मलबे को हटाने और खदान में रास्ता साफ करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। लगातार प्रयासों के बावजूद, ऑपरेशन को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि गैस विस्फोट के कारण खदान पूरी तरह से ढह गई, पहुंच का रास्ता अवरुद्ध हो गया और बचाव प्रक्रिया धीमी हो गई। खनिक चार हजार फीट की गहराई पर फंसे हुए थे और अब तक बचावकर्मी भारी मशीनरी का उपयोग करके 3,600 फुट नीचे तक मलबा हटाने में कामयाब रहे हैं। फंसे हुए कम से कम एक खनिक का शव निकालने के प्रयास अभी भी जारी हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों की कमी के साथ-साथ अनियमित निरीक्षण के कारण पाकिस्तान में खनन दुर्घटनाएं आम हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जाट समाज के प्रतिनिधियों से अरविंद केजरीवाल ने की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जाट समाज के कई प्रतिनिधियों से अपने निवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर याद दिलाया था कि 2015 में प्रधानमंत्री ने जाट समाज को केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने का आश्वासन दिया था। अभी दिल्ली का जाट समाज दिल्ली सरकार में ओबीसी की कैटेगरी में आता है लेकिन केंद्र की ओबीसी की लिस्ट में नहीं आता है। हमने प्रधानमंत्री से दिल्ली के जाट समाज केंद्र की ओबीसी लिस्ट में भी डालने का अनुरोध किया है।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के किसी भी कॉलेज में राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। क्योंकि राजस्थान का जाट समाज केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल है लेकिन दिल्ली का जाट नहीं शामिल है। इससे बड़ी विसंगति व अन्याय और क्या हो सकता है। दिल्ली में स्थित केंद्र सरकार के सभी संस्थानों एम्स, सफदरजंग, एनडीएमसी और डीडीए में राजस्थान के जाट समाज को आरक्षण मिलता है लेकिन दिल्ली के जाट समाज को नहीं मिलता है। केजरीवाल से मुलाकात के दौरान अंतरराष्ट्रीय दूहन खाप के प्रधान सतपाल सिंह दूहन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल से बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बात हुई। 2004 से हम केंद्र की ओबीसी सूची में जाट समाज को शामिल करने की मांग उठा रहे हैं। इस बीच कई सरकारें आईं और गईं। जाट समाज को ओबीसी में आरक्षण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी आश्वासन दिया था लेकिन आश्वासन पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मुंह से निकला हुआ एक-एक शब्द पत्थर की लकीर होता है। उन्होंने दिल्ली की जनता से वादे किए थे, जिन्हें पूरा किया। जनता ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया। सतपाल सिंह दूहन ने कहा कि हमारी मुख्य मांग यह है कि देश में बाकी राज्यों से दिल्ली आने वाले बच्चे का यहां के स्कूलों और अस्पतालों में दाखिला हो जाता है, जबकि दिल्ली के हमारे समाज के बच्चे इससे वंचित हैं। आज की हमारी मुख्य मांग यही थी कि हमें हमारे अधिकार मिलने चाहिए। इससे पहले हरियाणा, राजस्थान और उप्र में जाट समाज के लिए 2016 में आंदोलन के लिए जिन अधिकारों की मांग की गई थी, इसको लेकर भी हमने अरविंद केजरीवाल से अपील की थी कि वह पूरे भारत में पूरे जाट समाज की लड़ाई लड़ने का काम करें।

सिंगापुर के राष्ट्रपति भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम 14-18 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आयेंगे। श्री शनमुगरत्नम की सिंगापुर के राष्ट्रपति के रूप में यह पहली भारत यात्रा होगी।

एक बयान के अनुसार उनके साथ मंत्रियों, संसद सदस्यों और अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। उनका 16 जनवरी को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा।

अपनी यात्रा के दौरान श्री शनमुगरत्नम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ चर्चा करेंगे, जो उनके सम्मान में एक भोज का आयोजन भी करेंगी। वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वह विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कई अन्य भारतीय गणमान्य लोगों से भेंट करेंगे। वह 17-18 जनवरी को ओडिशा का भी दौरा करेंगे। यह राजकीय यात्रा भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के समारोहों की शुरुआत को भी चिह्नित करेगी। ओडिशा के भुवनेश्वर में राष्ट्रपति थर्मन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से मुलाकात करेंगे और ओड़िशा की आर्थिक रणनीतियों और अवसरों के बारे में जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री मांझी राष्ट्रपति थर्मन को एक आधिकारिक रात्रिभोज की मेजबानी भी करेंगे। राष्ट्रपति थर्मन वर्ल्ड स्किल सेंटर का भी दौरा करेंगे, जिसे सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एजुकेशन सर्विसेज (आईटीईईएस) ने एशियाई विकास बैंक से वित्तपोषण के साथ स्थापित किया था और भारत बायोटेक द्वारा संचालित एक वैक्सीन निर्माण संयंत्र का भी दौरा करेंगे। वह ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले कुछ स्थानों का भी दौरा करेंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 20 उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 20 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही अब तक 29 उम्मीदवार नामांकन कर चुके हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री और कालकाजी विधानसभा से आम आदमी पार्टी (आआपा) की उम्मीदवार आतिशी आज रैली और पार्टी के अन्य कार्यों में व्यस्त रहने के कारण नामांकन दाखिल नहीं कर सकीं। अब वह मंगलवार को नामांकन दाखिल करेंगी। दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 10 जनवरी से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले दिन केवल 9 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। 11 और 12 जनवरी को अवकाश के बाद आज दूसरे दिन 20 नामांकन किए गए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार आज सबसे अधिक विकासपुरी विधानसभा से चार, बुराड़ी, बवाना और सीलमपुर से दो-दो, दिल्ली कैंट, वजीरपुर, कोंडली, लक्ष्मी नगर, घोंडा, गोकुलपुर, मुंडका, सीमापुरी, द्वारका और मादीपुर से एक-एक उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया।

हत्या के मामले में पांच धरे गए

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के कृष्णा नगर इलाके में रात मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सरताज अहमद के रूप में हुई है। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार गए। पुलिस ने हत्या का ममला दर्ज कर छानबीन शुरू की। मामले में स्थानीय पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ को लगाया गया। करीब छह घंटे बाद पुलिस ने दो नाबालिग समेत पांच आरोपितों को पकड़ लिया। इनकी पहचान राजा (18), यूसुफ (23) और उमेश (22) के अलावा दो नाबालिगों के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत प्रिय गौतम ने बताया कि रविवार देर रात करीब 2.10 बजे उस्मान और उसका दोस्त सरताज अहमद अपने दोस्त जिशान से मिलकर पुराने सीलमपुर लौट रहे थे। शांति मोहल्ला में तीन-चार लड़कों के समूह ने उनको रोक लिया और इतनी रात को उनके इलाके में घूमने की वजह पूछी। कहासुनी होने लगी तो शोर सुनकर आए लोगों ने बीच-बचाव कराया तो आरोपित चले गए। इस बात पर सरताज ने अपने दोस्त मुबीन को कॉल कर कुछ और लड़के लेकर आने के लिए कहा। कुछ ही देर बाद मुबीन पांच-छह लोगों के साथ वहां पहुंचा। बाद में इन लोगों ने गाली-गलौज करने वाले लड़कों को ढूंढना शुरू कर दिया। कहासुनी के दौरान सरताज व उसके दोस्तों ने उमेश को बंधक बनाकर पीटना शुरू कर दिया।

दिल्ली में आदर्श आचार संहिता लागू होने के एक सप्ताह के भीतर 21 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुएं जब्त की गईं

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की घोषणा के एक सप्ताह के भीतर 21 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और शराब सहित अन्य वस्तुएं जब्त की गई। दिल्ली में सात जनवरी से आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू है। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 5 फरवरी को मतदान होना है, जिसके नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर एलिस वाज (सीईओ) ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न विभागों ने 21 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और शराब जैसी अन्य वस्तुएं जब्त की हैं।

उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली में सबसे अधिक 6.83 करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं। दूसरे स्थान पर सेंट्रल दिल्ली है, जहां 6.81 करोड़ रुपये मूल्य की जब्त वस्तुएं हैं, जबकि नई दिल्ली क्षेत्र में सबसे कम 3.9 लाख रुपये मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं।

राजधानी में कुल मिलाकर 21.89 करोड़ रुपये की वस्तुएं जब्त की गई हैं। इसमें 9.8 करोड़ रुपये नकद, 6.1 करोड़ रुपये की कीमती धातुएं, 5.05 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 47 लाख रुपये से अधिक मूल्य की फ्रीबी और 45 लाख रुपये से अधिक मूल्य की शराब शामिल है।

कैग रिपोर्ट पर दिल्ली सरकार को हाई कोर्ट की फटकार से हमारी बात पुख्ता हुई: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कैग रिपोर्ट पर दिल्ली हाई कोर्ट की टिप्पणी का स्वागत करते हुए कहा कि कोर्ट की फटकार से हमारे उस आरोप पर मोहर लग गई है, जिसमें हम पिछले कई महीनों से कह रहे हैं कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार जानबूझकर कैग की 14 रिपोर्टस को विधानसभा में पेश नहीं कर रही है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की है कि दिल्ली सरकार द्वारा कैग रिपोर्ट को सदन में रखने में आनाकानी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। 11 जनवरी को दिल्ली विधानसभा सचिव ने कहा था कि रिपोर्ट को सदन में रखने का कोई फायदा नहीं है। भाजपा विधायक दल ने स्पीकर को भी पत्र लिखकर पूछा था कि कैग रिपोर्ट को विधानसभा में क्यों नहीं रखा जा रहा है? लेकिन उसके बावजूद अभी तक ये रिपोर्ट्स सरकार ने सदन पटल पर नहीं रखी गई हैं। गुप्ता ने बताया कि वित्तीय प्रबंधन, स्वास्थ, शिक्षा, प्रदूषण जैसे जो मुद्दे थे, उन सबका हिसाब किताब कैग की इन रिपोर्ट्स में दिया गया है और सरकार इन सभी में अपने भ्रष्टाचार को दबाने की कोशिश कर रही है। पहले भी कोर्ट के डर से सरकार ने ये रिपोर्ट्स उपराज्यपाल को भेजीं और फिर कोर्ट के आदेश के डर से आआपा सरकार ने इन्हें स्पीकर को भेज दिया। इसके बावजूद सरकार ने इसे सदन पटल पर नहीं रखा और जानबूझकर इसमें टालमटोल किया। भाजपा विधायक दल ने फिर से कोर्ट में जाकर इस मामले में सरकार को आदेश देने की मांग की ताकि इन रिपोर्ट्स को सदन पटल पर रखा जा सके। इसी मामले में आज कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सरकार की पर टिप्पणी की। गुप्ता ने कहा कि सवाल यह है कि ये रिपोर्ट्स सदन के पटल पर आनी चाहिए और सदन के पटल पर सरकार इसलिए नहीं लाना चाहती कि कहीं इन रिपोर्ट्स में दबे उनके भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं का कच्चा चिट्ठा जनता के सामने ना आ जाये।

गुप्ता ने आरोप लगाया कि आआपा सरकार ने और सत्ता में बैठे चंद लोगों ने सरकारी संसाधनों का जमकर दुरुपयोग किया है ।

दोस्त पर किया चाकू से हमला

एजेंसी
नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के सीलमपुर इलाके में साहिल नामक एक युवक ने अपने ही दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। इधर, घायल युवक जैसे-तैसे अपने घर पहुंचा। परिवार वालों ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हालत बिगड़ती देख डॉक्टरों ने उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रेफर किया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है।पुलिस के मुताबिक राजू (बदला हुआ नाम) परिवार के साथ सीलमपुर में रहता हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। पुलिस को दी शिकायत में राजू ने बताया कि इलाके में रहने वाले साहिल से उसकी दोस्ती थी। साहिल ट्रांसजेंडर की हरकत करता था। पीड़ित के अनुसार रविवार दोपहर वह साहिल के साथ घर से कुछ दूर पार्क में बात-चीत करने गए थे। पीड़ित का आरोप है कि बात-चीत के दौरान आरोपित ने उसकी पैंट उतार दी। उसके बाद उसके प्राइवेट पार्ट पर चाकू से हमला किया। पीड़ित के परिजनों की मानें तो साहिल राजू से शादी करना चाहता था। राजू के माता-पिता नहीं हैं। राजू की बड़ी बहन ने इस पर एतराज किया तो साहिल ने राजू को पहले नशा कराया और फिर सीलमपुर के राम पार्क में ले जाकर उसके प्राइवेट पार्ट पर चाकू से हमला किया।

छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस और भाजपा के कई कद्दावर नेता आम आदमी पार्टी में शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस और भाजपा के कई कद्दावर नेता आम आदमी पार्टी (आआपा) में शामिल हुए। आआपा के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर सभी को पटका और टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया। कांग्रेस छोड़कर आए सुरेंद्र बल्हारा पिछले निगम चुनाव में पार्षद का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा को छोड़कर आए विनोद बल्हारा और भाजपा एससी एसटी मोर्चा के सदस्य रहे इंद्रजीत की भी अपने क्षेत्र में मजबूत पकड़ है।

इस मौके पर संजय सिंह ने कहा कि इनके आने से छतरपुर में आम आदमी पार्टी को और मजबूती मिलेगी। संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि छतरपुर विधानसभा प्रयासों से कई कद्दावर नेता आम आदमी पार्टी परिवार के साथ जुड़ रहे हैं। इस क्रम में आज कांग्रेस से नगर निगम का चुनाव लड़ चुके मजबूत नेता सुरेंद्र बल्हारा आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। सुरेंद्र बल्हारा पार्षद के चुनाव में मात्र कुछ वोटों से हार गए थे। अपने क्षेत्र में उनकी अच्छी छवि है।

साथ ही आज भाजपा नेता विनोद बल्हारा और भाजपा में एससी-एसटी मोर्चा के पदाधिकारी इंदरजीत सिंह भी आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल हो रहे हैं। मैं सभी लोगों का पार्टी में स्वागत करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि इनके आने से क्षेत्र में ब्रह्म सिंह तंवर और आम आदमी पार्टी को और मजबूती मिलेगी। छतरपुर से आआपा प्रत्याशी ब्रह्म सिंह तंवर ने कहा कि सुरेंद्र बल्हारा की समाज में बहुत अच्छी छवि है, और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ भी है। उन्होंने इस बार कांग्रेस से नगर निगम का चुनाव लड़ा था और मात्र 350 वोटों से पीछे रह गए थे। आज सुरेंद्र बल्हारा ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर आआपा को ज्वाइन किया है।

अफगानिस्तान में सैन्य उपस्थिति पर विचार नहीं: सेना प्रमुख

एजेंसी
नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि भारत निकट समय सीमा में अफगानिस्तान में किसी भी सैन्य उपस्थिति पर विचार नहीं किया जा रहा है। जनरल द्विवेदी ने कहा, भारत और अफगानिस्तान के बीच भावनात्मक जुड़ाव हमेशा ऊंचा रहा है और आगे भी जारी रहेगा, लेकिन जहां तक सैन्य उपस्थिति का सवाल है, हम निकट समय सीमा में अफगानिस्तान में किसी भी सैन्य उपस्थिति पर विचार नहीं कर रहे हैं।

सेना प्रमुख का यह जवाब यहां उनकी वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने चल रहे भारतीय मानवीय सहायता कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया और वीजा और व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर भी सहमति व्यक्त की। भारत ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में पाकिस्तान द्वारा किए गए सीमा पार हवाई हमलों की कड़ी निंदा की, जिसमें 46 नागरिक मारे गए और अपनी विफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोषी ठहराने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की। इसके

पश्चिम विहार में चार मंजिला मकान में आग लगने से महिला की मौत, दो झुलसे

नई दिल्ली। पश्चिम विहार में एक चार मंजिला मकान में रविवार देररात आग लगने से एक महिला की मौत हो गई और दो लोग झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान निर्मला (55) के रूप में हुई है। पांच प्रतिशत झुलसे जितेन्द्र (41) और 15 प्रतिशत झुलसे प्रह्लाद (65) का आचार्य भिक्षु अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राइम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य इकट्ठा किए। शुरुआती जांच में गैस रिसाव की बात सामने आई है। पीड़ितों के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू होगी। पुलिस ने बताया कि देररात सूचना मिली कि पश्चिम विहार स्थित एक मकान में आग लगने से परिवार के तीन लोग झुलस गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस व दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। पुलिस टीम ने आग में झुलसे निर्मला, जितेन्द्र और प्रह्लाद को अस्पताल में भर्ती करवाया। डॉक्टरों ने निर्मला मृत घोषित कर दिया। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि जिस मकान में आग लगी वह चार मंजिला है। यह मकान डीडीए का है और 40 गज में बना हुआ है। आग दूसरी मंजिल पर लगी।

NAME CHANGE
I, MINABAI is Mother of No. 2808756H Rank-SEP Name-GHUGE BALU RAJARAM R/o AT-KOTAMGAON, POST-NASHIK ROAD, TEH - NASHIK, DIST NASHIK, STATE - MAHARASHTRA, PIN-422101, have changed my name from MINABAI to MINABAI RAJARAM GHUGE and date of birth from 02 March 1971 to 01 June 1969 for all future purposes. Vide affidavit dated 06.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJALI is legally spouse of No. 2810154N Rank- L/HAV Name-KALBANDE DNYANESHWAR DWARKADAS, R/ AT-KOKALGAON, POST KOKALGAON, TEH - WASHIM, DIST WASHIM, State MAHARASTRA, PIN-444505, have changed my name from ANJALI to ANJALI DNYANESHWAR KALBANDE for all future purposes. Vide affidavit dated 03.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, Deepak S/O Raj Kumar R/O House No-52/62-A, Street No-18, Anand Parbat, Nai Basti, Karol Bagh Central Delhi-110005 Have Changed my name to Deepak kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MUFREED S/O JUMMA KHAN residence of H NO-14 NEAR JAAMA MASJID MOHDAMKA (237) PALWAL HARYANA-121103 have changed my name to MUFREED AHMED for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as NISHA D/O MOHD IQBAL R/O B-408, Gali No-6, Near Ekta Public School, Nehru Vihar Dayalpur Disst. North East Delhi, Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as GULISTA

NAME CHANGE
I, PALLAVI is legally spouse of No. 2809556Y Rank-L/NK Name-SABLE ATUL SHIVAJI ROAT-CHOROCHI, POST - CHOROCHI, TEH - KAVTHE MAHANKAL, DIST - SANGLI State - MAHARASHTRA, PIN-416403,have changed my name from PALLAVI to SABLE PALLAVI ATUL for all future purposes. Vide affidavit dated 13.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHAJIDA BEGAM is legally spouse of No. 2804791N Rank-NK DRESSER Name- ESRAEL AHMED R/ AT-JALAPUR, POST-NIHULA, TEH-LALGANJ, DIST - AZAMGARH, State - UTTAR PRADESH, PIN-276125, have changed my name from SHAJIDA BEGAM to SHAJIDA BEGUM for all future purposes. Vide affidavit dated 06.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, HAMZA son of MOHD SHAHZAD residing at H NO -408, GALI PAHAR WALI, CHATTA LAL MIYAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to HAMZA SHEHZAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHEHZAD / MOHD SHEHZAD son of MOHD IBRAHIM residing at H NO - 408, GALI PAHAR WALI, CHATTA LAL MIYAN, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD SHAHZAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I Surendra Kumar S/O Kishori Lal,R/O B-142, Katyani Vihar, Rajeev Nagar Extension, Begumpur, North West Delhi, Delhi - 110086,have changed the name of my minor son Kunal aged 16 years and he shall hereafter be known as Tushar.

NAME CHANGE
I hitherto known as HARMIT SENG S/O GURBACHAN SINGH R/o B/73 2nd floor Ganesh Nagar Tilak Nagar West Delhi 110018, have changed my name and shall hereafter be known as HARMEET SINGH.

सार्वजनिक सूचना
मै कंचन सिंह पत्नी श्री अशोक कुमार सिंह, निवासी म, न 733, द्वितीय तल, सेक्टर 5 वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) 201010, शपथ पूर्वक घोषित करती हूं कि मेरे पुराने पासपोर्ट न . M 7580452 में त्रुटि से मेरे पति का नाम गौतम छपा हुआ है । और मेरे पिता का नाम के पी करन के स्थान पर अशोक कुमार सिंह छप गया। मेरा ये बयान पूर्णत सत्य है।

NAME CHANGE
I, No-15153121K Rank-HAV(OFC) Name-ASIT KUMAR YADAV residing at VILL-NAGLA DEEPA, PO-AHIRWA, TEHSIL-BHOGANOW, DIST-MAINPURI, UTTAR PRADESH-205001 have change my wife's name from SURBHI YADAV to SURABHI for all future purposes vide Affidavit dated 14/01/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15230553F Rank-L/NK(OFC) Name-RAHUL SHARMA S/o OM PAL residing at VPO-MOWANA, TEHSIL-SAFIDON, DIST-JIND, HARYANA-126112 have change my mother's name from SUNITA DEVI to SUNITA for all future purposes vide Affidavit dated 14/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JUGENDRA SINGH TAUMAR S/O RAM JEE LAL residence of H NO - 838 MOHAN MAKIN SOCIETY VASHUNDHRA SEC-5 GHAZIABAD UTTAR PRADESH -201005 have changed my name to JUGENDRA SINGH TOMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GHUGE GITA BALU is legally spouse of No. 2808756H Rank-SEP Name- GHUGE BALU RAJARAM R/ AT KOTAMGAON, POST NASHIK ROAD, TEH NASHIK, DIST - NASHIK, STATE - MAHARASHTRA, PIN-422101, have changed my name from GHUGE GITA BALU to GITA BALU GHUGE for all future purposes. Vide affidavit dated 06.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MEENA KUMARI alias MEENA GULATI D/O JEET SINGH W/O VINAY KUMAR GULATI employed as INSPECTOR (Min.) in Delhi Police R/O B-7/27, 2nd Floor, Sec.-15, Rohini, North Delhi - 110089 have changed my name and shall hereafter be known as MEENA GULATI

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANIL S/o VIJAY PAL R/o 141/9/1, Dichaon Enclave Gali No. 1, NaJafgarh, South West Delhi, Delhi - 110043 have changed my name and shall hereafter be known as ANKIT.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SACHIN AGARWAL S/o VINOD KUMAR AGARWAL residing at 138, Rajdhani Enclave Pitam Pura, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name and shall hereafter be known as SACHIIN AGARWWAL.

NAME CHANGE
I, Meraj S/O Khaleel Khan R/O A-76-C 4th Floor, Birla Farm Block A, Chhattarpur EXT, South Delhi-110074 Have Changed my name to Meraj Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JASWANT SINGH S/O SHRI HARDAYAI. SINGH SACHDEV R/O RZ-249, NEAR SUDHIR ATTA CHAKKT, RAJ NAGAR PART 2 PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI, DELHI 110077 declare that my name is Jaswant Singh is my correct Name. In Aadhar card my name is Jaswant Singh Sachdev. That Jaswant Singh and Jaswant Singh Sachdev are one and the same person.

NAME CHANGE
I, SARIKA is legally spouse of No. JC462044N Rank- SUB Name-PATANE NITIN RAMCHANDRA, R/AT WANYACHIWADI, POST - KHANDALA, TEH - KHANDALA, DIST-SATARA, State - MAHARASTRA, PIN-412802, have changed my name from SARIKA to SARIKA NITIN PATANE for all future purposes. Vide affidavit dated 13.01.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-2897890A, Rank-HAV Name-DEEPA RAM KHOTH residing at VILL-NATHRAU, POST-NATHRAU, TEH-SHERGARH, DISTT-JODHPUR, RAJASTHAN-342309, have changed my father's name from JETHA RAM KHOTH to JETHA RAM for all future purposes vide Affidavit dated 11/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Nirali MukeshKumar Patel W/o Patel Dipan Hasmukhbhai R/o B5-702,Vatika City Homes, Sector-83, Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Name To (Given Name) Nirali Dipankumar (Surname) Patel for all Future purpose.

NAME CHANGE
I, Dipankumar Hasmukhbhai Patel S/o Hasmukhbhai Chotabhai Patel R/o B5-702, Vatika City Homes, Sector-83, Gurgaon, Haryana-122004, Have Changed My Name To (Given Name) Dipan Hasmukhbhai (Surname) Patel for all future Purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as VAIBHAV KUMAR S/o SUNIL KUMAR residing at Flat No. J G-3/181 C, Second Floor, Vikas Puri, West Delhi, Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as VAIBHAV SAXENA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I TAMANNA Wadhwa D/o Lovekesh Wadhwa Ex. w/o Abhijeet Kumar Pandey R/O Flat No.D104, Sector-12, Plot No. 23, Dwarka, Delhi-110075, I got divorce from my husband vide Court Decree No. HMA No.616/21 dated 01/03/2021 have changed the name of my minor daughter Ishika Pandey to Gunisha Wadhwa aged 07 years.

NAME CHANGE
I, MAVA DEVI is Meter of Army No 2800729K Rank HAVName: SANTOSH KUMAR SINGH Age 43 Years. Unit 5 MARATHA LI Presently RESIDING VILLAGE POST- HARDIYA, TEH JAGDISH PUR, DIST ARA, STATE BIHAR, PIN-802152, have changed my name from MAYA DEVI to SUGANTI DEVI and have changed my date of birth from 20/07/1963 to 01/01/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 01.01.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my clients Mrs. Sanjida and Mr. Mazid Ahmed S/o Late Mr. Nawab Ali R/o WZ-33 (B-166), Tihar Village, New Delhi have severed their relations and debarred their son Dilshad @ Babu and his wife Rehana alongwith their child from all their movable /immovable property because they are not under control of my clients. My clients' other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at their own risk & responsibility.
SUMIT GABA ADVOCATE
Ch.No.T-7, Tis Hazari Court, Delhi.

NAME CHANGE
I, Laxmi Sudhakar Patsute mother of Patasute Sagar Sudhakar presently residing Vill- Patan,Post-Patan,Tehsil- Patan, Distt. Satara,(Mah)-415206 have changed my name of date of birth from Laxmi & 10 Oct.1969 to Laxmi Sudhakar Patsute & 10 Aug 1969 vide affidavit dated 11/01/2025 Notary Public,New Delhi.

सार्वजनिक सूचना
मैं Mohd Javed s/o Abdul Qadeer r/o 2180 कटरा मेहर परवर, कूचा चालान दरिया गंज नई दिल्ली 110002, घोषणा करता हूं कि मेरे पासपोर्ट में त्रुटि वश मेरा नाम Mohammed Javed हो गया है। जबकि मेरा पूरा और सही नाम Mohd Javed है। अत: भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों और पर्यायों के लिए Mohd Javed के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE
I, Patasute Sagar Sudhakar presently residing at Vill.-Patan, Post- Patan, Tehsil Patan Distt.Satara(Mah.)-415206have changed my daughter name from Rasspruha to Patsute Rasspruha Sagar vide affidavit dated 11-01-2025 Notary Public New Delhi

NAME CHANGE
I, DEEPANSHU RANA S/O DHARMENDER SINGH RANA R/O 452, 1ST FLOOR, SHAKTI KHAND 4, INDRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201014, I have changed my name from DEEPANSHU TO DEEPANSHU RANA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is general information that I, SADHNA D/o HARENDER NATH YADAV, R/o Khasra No. 117/120, Gali No.1, Rama Garden, Mukundpur, Delhi-110042 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as HARENDER and DHAN WATI in my 10th and 12th Class Educational documents. The actual name of my father and my mother are HARENDER NATH YADAV and DHANWATI DEVI , which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Hardesh Kumar** is purchasing Plot of land admeasuring 200 Sq. Yds. (167.22 Sq. Mtrs.), carved out of Khasra No.215, situated in the area of Village Saini, Paragna & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar (U.P.) from **Mrs. Kamlesh Nagar** who is the owner of abovementioned property from Gift Deed dated 29.11.2024 and intend to mortgage the said property with Shriram Housing Finance Limited. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.011-49774545

सार्वजनिक सूचना
मैं, नेहा शर्मा धर्मपत्नी स्व श्री तरुण जैन पता निवासी ब 15 शक्ति अपार्टमेंट, सेक्टर 9,रोहिणी, दिल्ली 85 से बयान करता हूं कि मेरे पति तरुण जैन की मृत्यु दिनांक 20.08.2024 को हो चुकी है। उनकी मृत्यु उपरान्त 3 जायज वारिस है 1. बालेश जैन पिता 2. सुमन जैन माता 3 कियान जैन सुपुत्र इसके अलावा अन्य कोई वारिस नहीं है। किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिन के अंदर-अंदर उपरोक्त पत्ते पर संपर्क करें । म्याद बितने बाद यह माना जाएगा कि किसी कोई आपत्ति नही है।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक मेसर्स फर्स्टफ्लैट प्राइवेट लिमिटेड (25% शेयर) और मेसर्स प्रभु इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (75% शेयर) खाता संख्या 00083, खसरा संख्या 494Mi, 495Mi, 496Mi, 497Mi और 498Mi में से 695.77 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो ग्राम सर्फाबाद, परगना और तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जो दिनांक 23.08.2023 के सेल डीड के आधार पर है, दस्तावेज़ संख्या 6026, वॉल्यूम संख्या 9606, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 359-378, एसआर - सदर, III, गौतमबुद्ध नगर और अन्य बिक्री डीड नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात स्वर्गीय श्री जगराम का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं 107, प्रथम तल, क्षेत्रफल 1450 वर्ग फुट, श्री जय गोयल के नाम से बिकने जा रही है और इसका वित्त पोषण आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा- द्वारका, दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार/स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

नौकरियां बेचने वालों को जनता ने दिखाया आईनाः मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने झूठ की राजनीति करते हुए वोटों के बदले नौकरी देने का प्रचार किया गया, लेकिन प्रदेश की जनता ने नौकरियां बेचने वालों को आईना दिखाते हुए कमल खिलाने का काम किया। आज प्रदेश में गरीब का बच्चा अपनी मेहनत के बूते पर सफल हो रहा है, क्योंकि भाजपा के बिना पर्ची-बिना खर्ची के मूल मंत्र से माहौल बदला है।

मुख्यमंत्री जिला सोनीपत के गन्नौर स्तिथ गुप्तिधाम परिसर में राष्ट्रसंत डॉ. गुप्तिसागर गुरुदेव द्वारा आयोजित अभिनन्दन सम्मान समारोह में पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने जैन समाज के सन्तों का आशीर्वाद लिया और आमजन को लोहड़ी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुप्ति धाम के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुप्ति सागर जी महाराज के आशीर्वाद से और जनता के सहयोग से हरियाणा में नॉनस्टॉप तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों में हरियाणा सरकार ने प्रदेश का लगातार विकास किया है। राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा को आगे बढ़ाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने शपथ ग्रहण से पहले 24,000 युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची नौकरी देने का काम किया। आज गरीब परिवार का बच्चा भी हरियाणा सरकार में बड़े पदों पर नौकरी पर लग रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही हमने लोगों के कल्याण के लिए कई निर्णय लिए। किडनी रोगियों के लिए डायलिसिस की मुफ्त सुविधा शुरू की। इसके अलावा, लंबे समय से पंचायत भूमि पर मकान बनाकर रहने वाले लोगों को कलेक्टर रेट लेकर जमीन का मालिकाना हक देने के लिए विधानसभा में बिल पास किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा विकास की राह पर अग्रसर : डॉ. गुप्तिसागर

राष्ट्रसंत डॉ. गुप्तिसागर जी गुरुदेव ने इस मौके पर कहा कि आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरा हरियाणा विकास की राह पर अग्रसर है। उनकी सकारात्मक सोच व अच्छी नीतियों के चलते हरियाणा प्रदेश और ज्यादा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होगा, ऐसा मेरा आशीर्वाद और विश्वास है।

प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि साधु संतों का आशीर्वाद हमेशा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि संतों का संग हमेशा अच्छे और बुरे में भेद करता है, जिससे हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर गन्नौर से विधायक देवेंद्र कादियान, खरखोदा से विधायक पवन खरखोदा, सोनीपत से विधायक निखिल मदान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हकेंवि कुलपति ने किया पुस्तकका विमोचन

एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विश्वविद्यालय की संस्कृत विभाग की शोधार्थी मनीषा एवं शोध निर्देशक डॉ. सुमन रानी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। 'याज्ञवल्क्यस्मृति एवं भारतीय संविधानः एक अध्ययन (व्यवहार अध्याय के विशेष संदर्भ में)' पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति ने लेखकों के कार्य की प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. सुमन रानी ने बताया कि यह पुस्तक भारतीय ज्ञान परम्परा की प्राचीन न्याय प्रणाली के सिद्धांतों पर प्रकाश डालने में मील के पत्थर की भूमिका का निर्वाह करने में समर्थ रहेगी। पुस्तक विमोचन के अवसर पर संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल ने भी लेखकों के कार्य की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह, प्रो. नंद किशोर, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अर्चना, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. पवित्रा भी उपस्थित थे।

बाबा कृष्णानंद ट्रस्ट की कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित

कनीना। बाबा कृष्णानंद ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक आज श्री कृष्णानंद धाम पर आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता ट्रस्ट के व्यवस्थापक कैलाश गोयल ने कि इस अवसर पर बोलते हुए ट्रस्ट के व्यवस्थापक कैलाश गोयल ने कहा ट्रस्ट के हम सभी सदस्यों को मिलकर कार्य करना चाहिए, क्योंकि जब हम मिलकर कार्य करेंगे। तब जाकर ही ब्रह्मचारी श्री कृष्णानंद आश्रम का उत्थान और ज्यादा होगा। उन्होंने ब्रह्मचारी श्री कृष्णानंद महाराज की समाधि के कार्य का भी निरीक्षण किया और उसमें हो रहे खर्च का भी ब्योरा लिया। वहीं कोषाध्यक्ष विजय कुमार आर्य उपकोष अध्यक्ष डॉक्टर फतेहचंद दायमा ने अब तक के खर्च के बारे में सारी जानकारी ट्रस्ट के साथियों को बताई। ट्रस्ट के व्यवस्थापक कैलाश गोयल ने ट्रस्ट में विभिन्न कार्यों को लेकर अपने विचार रखें। जिसमें स्वामी की मूर्ति बनवाना समाधि के ऊपर गुमज बनवाना आश्रम के लिए जनरेटर खरीदना तथा ट्रस्ट की आरटीआर भरने जैसे कार्यों के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी ने सहमति जताते हुए कहा कि आने वाली पूर्णिमा मां तक यह सभी कार्य पूरे करके अपनी रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी। इस अवसर पर स्वामी शिवानंद महाराज, ट्रस्ट के व्यवस्थापक कैलाश गोयल आचार्य, मखनलाल स्वामी, विजय कुमार आर्य, डा. फतेहचंद दायमा, कर्मवीर सिंह, आनंद सिंघल व जसवंत सिंह के अलावा अन्य लोगों उपस्थित थे।

एडीसी हितेश कुमार ने किया सिलाई केंद्र का दौरा, देखी व्यवस्थाएं

गुरुग्राम। एडीसी हितेश कुमार ने प्रधानमंत्री द्वारा चलाये जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम के तहत एवं महिलाओं को स्वावलंबी तथा युवकों को कम्पयूटर की शिक्षा देने के उद्देश्य से जिला रेडक्रास सोसायटी गुरुग्राम तथा सेवक सोसायटी द्वारा सिलाई केन्द्र के साथ-साथ एक कंप्यूटर सेंटर के संचालन का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एडीसी ने कार्यालय में खराब व कबाड़ हुए सामान को हटाने, स्वच्छता करने के लिए निर्देश दिए। अंत्योदय कार्यक्रम में उन्होंने सेवाएं देने के लिए प्रेरित किया। एडीसी ने रेडक्रॉस सोसायटी परिसर में जगह का बेहतर उपयोग करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए। अपने संबोधन में एडीसी हितेश कुमार ने कहा कि इस सिलाई केन्द्र व कंप्यूटर सेंटर का मुख्य लक्ष्य गरीब वर्ग को सशक्त करना है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर में जरूरतमंद युवाओं को प्रशिक्षण लेकर खुद को निपुण बनाना चाहिए।

जिला रेडक्रॉस सचिव विकास कुमार ने बताया कि कौशल विकास के अन्तर्गत संचालित दोनों केन्द्र जिला रेडक्रास सोसायटी, चंदन नगर सेक्टर-15 पार्ट-2 गुरुग्राम में चलाये जाएंगें, जहां सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण के लिए 200 रुपये प्रतिमाह एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए 500 रुपये रुपये प्रतिमाह शुल्क निर्धारित किया गया है।

जिला परिषद पलवल की चेयरपर्सन आरती रावत व वाइस चेयरमैन बीरेंद्र सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित

पलवल। जिला परिषद चेयरपर्सन आरती रावत और वाइस चेयरमैन बीरेंद्र सिंह के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव में 20 में से 16 पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान कर दोनों को पदमुक्त कर दिया। लघु सचिवालय में जिला उपायुक्त के समक्ष हुए मतदान के दौरान खुद आरती रावत नदारद रही जबकि वाइस चेयरमैन बीरेंद्र सिंह वोटिंग के दौरान मौजूद रहे। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पार्षदों का कहना है कि चेयरपर्सन ने किसी भी वार्ड में कोई विकास कार्य नहीं किया और उनका रवैया हमेशा तानाशाही पूर्ण रहा। प्रदेश में जैसे ही भाजपा की नई सरकार बनी है वैसे ही कई जिलों में जिला परिषद के चेयरमैन व वाइस चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास हो रहे हैं और अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनाये जा रहे हैं वैसा ही हाल अब पलवल जिला परिषद का हो गया है 7 दिसंबर को पलवल जिला परिषद के कुल 20 पार्षदों में से 16 पार्षदों जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर जिला परिषद चेयरपर्सन आरती रावत और वाइस चेयरमैन बीरेंद्र सिंह के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था जिसपर जिला उपायुक्त ने 30 दिसंबर को अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराने की तिथि निश्चित की थी लेकिन उस दिन जिला उपायुक्त हरीश कुमार वशिष्ठ स्वास्थ्य कारणों के चलते अपने कार्यालय से अनुपस्थित रहे जिसके बाद अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले पार्षदों ने नाराजगी व्यस्त की थी।

गौ संवर्धन व पशुओं के रखरखाव पर ध्यान दे रही सरकार : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा है कि सरकार गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन पर पूरा जोर दे रही है। गौशालाओं के विकास के लिए और इनमें पशुओं के रखरखाव के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई है। ग्रामीण गाय के गोबर से बनने वाली वाली खाद पर आधारित खेती करें, ताकि कीटनाशकों के चल रहे अंधाधुंध इस्तेमाल पर रोक लग सके, साथ ही प्राचीन पद्धति के अनुसार हम सभी को ऑर्गेनिक अनाज प्राप्त हो सके।रणबीर गंगवा पंघाल गांव स्थित गौशाला के वार्षिक समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने गौशाला के निर्माण कार्यों के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 11 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। कार्यक्रम के बाद कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने आमजन की जन समस्याएं भी सुनी और उनके निपटारे बाबत संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए। उन्होंने उपस्थितजनों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार गौ-सेवा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में रखी जा रही सभी गायों की जानकारी का रजिस्ट्रेशन करवाना चाहिए। सरकार द्वारा गायों के रजिस्ट्रेशन पर ही बजट उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाता है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली बार भी सरकार ने गौशालाओं के बजट को बढ़ाने का कार्य किया था और अब इसमें और भी बढोतरी की प्रक्रिया जारी है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा गायों की नस्ल सुधार के लिए अनेक प्रोत्साहन की योजनाएं चलाई गई है, इसी के तहत देसी नस्ल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध की दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही मांग के दृष्टिगत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं। इस मौके पर माटी कला बोर्ड के चेयरमैन ईश्वर मालवाल, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, गौशाला प्रधान अश्वीन शर्मा, रणधीर सिंह धीरू, समाजसेवी रामकेश बंसल, शमशेर पंघाल, पूर्व सरपंच रामफल, विनोद गिल, रामकेश लोहान, मांगेराम पंघाल, बसाऊ राम पंघाल, ओमप्रकाश सिहाग, दीपक सहित आसपास क्षेत्र के काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

31 तक स्वच्छ हरियाणा मिशन के तहत सफाई के साथ-साथ लंबित कार्यों को भी निपटाया जाएगा

एजेंसी

नारनौल। स्वच्छ हरियाणा मिशन के तहत सभी अधिकारी अपने कार्यालय में स्वच्छता अभियान चलाएं। अगले सप्ताह से कार्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। इस अभियान को लेकर मुख्यमंत्री का पूरा फोकस है। ऐसे में इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। यह निर्देश उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने आज लघु सचिवालय में विगत दिनों चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री के साथ हुई सभी उपायुक्तों की बैठक के एजेंडे को पूरा करने के लिए बुलाई अधिकारियों की बैठक में दिए।

डीसी ने कहा कि सभी अधिकारी गलियारों सहित अपने कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाएं। आगामी 31 जनवरी तक सफाई से पहले और सफाई के बाद की तस्वीरें एनआईसी पोर्टल पर अपलोड करें। इसके साथ-साथ कार्यालय में नियम अनुसार स्क्रैप का निस्तारण करवाएं। इस दौरान फाइलों का कैटलॉग बनाते हुए अच्छी तरह से अलमारी में रखा जाए। जिस रिकॉर्ड का डिजिटलाइजेशन किया जाना है उसे डिजिटलाइज करें। उन्होंने नगर पालिका तथा नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए की सफाई के संबंध में जो भी टेंडर छोड़ा जाना है, उसके बारे में टेंडर समाप्त होने से कई माह पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दें ताकि बाद में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 31 जनवरी तक कार्यालय में लंबित कार्यों को समाप्त किया जाए। इसमें सीएम विंडो, सीएम घोषणाएं, जनवरी संवाद, सीपी ग्राम्स, परिवार पहचान पत्र, सोशल मीडिया शिकायत ट्रैकर पोर्टल, मुख्यालय व सीएम कार्यालय से संबंधित सभी कार्य निपटाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की सीएम विंडो पर आने वाली शिकायत की एक्शन टेकन रिपोर्ट को बेहतर तरीके से फाइल किया जाए। शिकायत को फाइल करने के बाद सीएम सेल की ओर से शिकायतकर्ता से भी पूछा जाता है। ऐसे में अधिकारी एक्शन टेकन रिपोर्ट पूरी सावधानी पूर्ण तरीके से तैयार करें। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा तथा नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी थी मौजूद थे।

40 लाख रुपये के गुम हुए मोबाइल ढूंढकर मालिकों को दिए

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने साल 2025 के 13 दिन में ही गुम हुए मोबाइल फोन को तलाशने के लिए तत्परता से कार्रवाई करते हुए करीब 40 लाख रुपये के 152 मोबाइल ढूंढकर मालिकों को सौंप दिए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने लोगों से आग्रह किया कि वे जागरुक व सचेत रहें, ताकि मोबाइल जैसा जरूरी उपकरण गुम होने से बचाया जा सके। साइबर सेल पश्चिम के इंचार्ज सहायक उप-निरीक्षक अमित कुमार की टीम ने गुम हुए मोबाइल फोन्स को तलाशने के लिए सीईआईआर पोर्टल की सहायता से कार्य किया। इस दौरान 152 मोबाइल को तलाश गया, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपये है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने बताया कि वर्ष-2024 में एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक मोबाईल फोन गुम होने की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 783 गुम हुए मोबाईल फोन्स को ढूंढकर बरामद किया गया। पुलिस टीम द्वारा ढूंढकर बरामद किए गए 783 मोबाईल फोन्स की अनुमानित कीमत 1.9 करोड़ रुपए है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में मोबाईल फोन लोगों की एक अहम जरूरत बन गई है। स्मार्ट मोबाईल फोन के माध्यम से लोग अपने विभिन्न कार्य आसानी से कर लेते है। लोग फोन को माध्यम बनाकर अपना मनोरंजन भी करते हैं। साथ ही अपने मोबाईल फोन में ही अपने जरूरी दस्तावेज व जानकारी सुनिश्चित भी रखते हैं। इसलिए अपने मोबाईल फोन के साथ लोगों के सेंटीमेंट्स भी जुड़े होते है। जब किसी व्यक्ति का फोन गुम हो जाता है तो उसे न केवल आर्थिक नुकसान होता है बल्कि उसे मानसिक रूप से भी बहुत परेशानी होती है। इन सभी को मध्यनजर रखते हुए पुलिस आयुक्त गुरुग्राम के निर्देशानुसार गुरुग्राम पुलिस लोगों के गुम हुए मोबाईल फोन को सीईआईआर (सेंट्रल-इक्विपमेंट-आइडेंटिटी-रजिस्टर) पोर्टल व पुलिस तकनीकी की सहायता से ढूंढकर बरामद करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल ने कहा कि सीईआईआर (सेंट्रल-इक्विपमेंट-आइडेंटिटी-रजिस्टर) पोर्टल दूरसंचार विभाग का एक नागरिक केंद्रित पोर्टल है। यह पोर्टल मोबाईल फोन उपकरणों को उनके अंतर्राष्ट्रीय मोबाईल उपकरण पहचान नंबरों का इस्तेमाल करके प्रबंधित और ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। अगर किसी का मोबाईल फोन गुम या चोरी हो जाता है तो गुम हुए मोबाईल फोन के आईएमईआई को बन्द कराया जा सकता है।

संक्रांति का पर्व प्रकृति में परिवर्तन का प्रतीक : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने देश और प्रदेशवासियों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सोमवार को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की कामना की है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में त्यौहारों का बहुत महत्व है। त्यौहार हमारे देश की अनेकता में एकता का प्रतीक हैं। संक्रांति का त्यौहार हरियाणा प्रदेश के साथ-साथ तेलुगु लोगों के लिए भी खास है। संक्रांति तिल और गुड़ के साथ मनाई जाती है। तिल प्रेम का प्रतीक है और गुड़ मिठास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति संक्रांति का पर्व प्रकृति में परिवर्तन का प्रतीक है।

राज्यपाल ने मकर संक्रांति के बारे में कहा कि इस पर्व से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है और अंधकार को दूर करता है। यह वह समय है जब प्रकृति में गर्मी और रोशनी बढ़ जाती है, जो विकास का संकेत है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा में सकरांत के रूप में बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व हरियाणा में बेटी के सम्मान और बुजुर्गों के आशीर्वाद का प्रतीक है। इस दिन सभी लोग अपने बड़े बुजुर्गों को सम्मान स्वरूप शॉल व चद्दर भेंट करते है और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते है।

राज्यपाल ने कहा कि त्यौहारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। पर्व-त्यौहार हमारे जीवन को रंगों और उत्साह से भर देते हैं और समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। इससे लोगों के दिलों से द्वेष दूर होता है और भाईचारे का भाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व तमिलनाडु में पोंगल, गुजरात में उत्तरायण, असम सहित उत्तर-पूर्व में बिहू के रूप में मनाया जाता है, इसलिए यह त्यौहार भारत की अनेकता में एकता को प्रमाणित करता है।

सीवर मैनहोल के टूटे ढक्कनों को तुरंत दुरुस्त कराने के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सीवरेज ओवरफ्लो, ब्लॉकेज या मैनहोल के टूटे ढक्कन संबंधी शिकायतों का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाए। ऐसी शिकायतों का समाधान सुपरवाइजर स्तर पर ही सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने निर्देश सोमवार को निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में आई 17 शिकायतों में से सीवरेज संबंधी शिकायतों की सुनवाई के दौरान अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें और सीवर ढक्कनों की स्थिति पर नजर रखें। शहरवासियों को राहत देने और नागरिक सुविधाओं में सुधार के उद्देश्य को ध्यान में रखा जाए। बैठक में बसई एन्क्लेव पार्ट-2, टीकमपुर, सेक्टर-10ए व हरिनगर सहित अन्य क्षेत्रों के नागरिकों ने उनके क्षेत्रों में सीवर ओवरफ्लो, ब्लॉकेज व मैनहोल के टूटे ढक्कन संबंधी शिकायतें निगमायुक्त के समक्ष रखी और बताया कि सीवर के ढक्कन टूटे होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। निगमायुक्त के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों ने कहा कि वे जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। निगमायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार की पहल के तहत लगातार आयोजित हो रहे समाधान शिविर का उद्देश्य नागरिकों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना है। शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निदान किया जा रहा है, जबकि अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, सड़क, सीवरेज से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए समय सीमा निर्धारित करके संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं।

वायु सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 27 जनवरी तक करें ऑनलाइन आवेदन

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय वायु सेना में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अग्निपथ स्कीम के तहत होने वाली इस भर्ती के लिए आवेदन 27 जनवरी 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट https://agnipathvayu.cdac.in/AV/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक की आयु एक जनवरी 2005 से एक जुलाई 2008 के बीच होनी चाहिए। ये भर्ती अविवाहित पात्रों के लिए निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैथिमेटिक्स, फिजिक्स और इंग्लिश विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना चाहिए या 2 वर्षीय वोकेशनल कोर्स या 3 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा पास होना आवश्यक है। साइंस स्ट्रीम के अलावा, अन्य संकाय के कैंडिडेट्स भी अप्लाई कर सकते है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी डिटेल्स में शैक्षणिक योग्यता की जांच करने के लिए पोर्टल पर नोटिफिकेशन देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के लिए सबसे पहले उम्मीदवारों को अपनी मेल आईडी और अन्य विवरणों का उपयोग करके

आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। इसके बाद लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके साइन इन करें। आवेदन पत्र में उल्लेखित सभी विवरण जैसे व्यक्तिगत, शैक्षिक और अन्य भरें। फॉर्म में निर्दिष्ट सभी आवश्यक दस्तावेजों को एक फोटो और हस्ताक्षर के साथ अपलोड करें। परीक्षा के लिए शहर का चयन करें। आवेदन शुल्क का भुगतान करें। भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र को डाउनलोड करें।

समाधान शिविर में सीटीएम ने सुनी 15 शिकायतें

विभागीय अधिकारियों को सभी मामलों में कार्रवाई के निर्देश दिए

एजेंसी

गुरुग्राम । लघु सचिवालय सभागार में सोमवार को आयोजित हुए समाधान शिविर में आई 15 शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लेते हुए सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये मामले अधिक समय तक लंबित नहीं रहने चाहिए।

समाधान शिविर में सोमवार को परिवार पहचान पत्र से संबंधित एक, जमीनी विवाद से संबंधित पांच, एमसीजी, बिजली वितरण निगम व पंचायत विभाग से संबंधित एक-एक तथा छह अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और इन मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रत्येक कार्यदिवस पर सुबह 10 से बारह बजे तक जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर ये समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा एमसीजी व एमसीएम में भी अधिकारी रोजाना जन शिकायतों की सुनवाई करते हैं। समाधान शिविरों में शिकायतों पर असरदार कार्रवाई होने से आम जन पूरी तरह संतुष्ट हैं और बहुत से नागरिक समाधान होने के बाद में अधिकारियों का धन्यवाद करने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक सचिवालय में आकर अपने क्षेत्र की या कोई विभाग से संबधित शिकायत लिखित में दे सकता है। सक्षम अधिकारियों द्वारा बिना किसी देरी के उन पर फौरन एक्शन लिया जा रहा है।

हैप्पी योजना से 1000 किलोमीटर तक की मुफ्त यात्रा सुविधा का उठाएं लाभ – उपायुक्त मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अंत्योदय परिवारों के कल्याण एवं उत्थान के लिए हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) शुरू की है। इस योजना के क्रियान्वित होने से हरियाणा प्रदेश के अंत्योदय परिवारों को हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा करने का लाभ मिलता है। इस योजना के माध्यम से, हरियाणा सरकार अंत्योदय परिवारों को हरियाणा रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस योजना के अंतर्गत, अंत्योदय परिवारों को प्रति वर्ष 1000 किलोमीटर तक की मुफ्त यात्रा का लाभ दिया जाता है।

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना का मुख्य लक्ष्य

प्रदेश सरकार की हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना का मुख्य उद्देश्य है कि राज्य के अंत्योदय परिवारों को बिना किसी शुल्क के रोडवेज बसों में यात्रा करने का मौका देना है, ताकि उनके जीवनस्तर में सुधार हो सके। इस योजना के लागू होने से अब अंत्योदय परिवार के सदस्य आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान जा सकेंगे। यह योजना अंत्योदय परिवारों को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना का लाभ केवल ऐसे परिवारों को मिलेगा, जिन परिवारों में 3 से ज्यादा सदस्य हैं और उनकी परिवारिक सालाना आय एक लाख रुपए से कम है। इस योजना के तहत अंत्योदय परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर साल 1000 किलोमीटर की फ्री यात्रा का लाभ दिया जाएगा।

खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स?तर 5.22 फीसदी पर आई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिसंबर महीने में उपभोक्ता मूल्य संचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर घटकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई है। नवंबर महीने में यह दर 5.48 फीसदी थी, जबकि पिछले साल में खुदरा महंगाई दर 5.69 फीसदी पर थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों में बताया कि खुदरा महंगाई दर में आई यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खाद्य महंगाई 8.39 फीसदी रही है, जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी रही थी। एनएसओ के मुताबिक दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे इसके अलावा खाद्य और पेय पदार्थों की महंगाई दर दिसंबर में घटकर 7.69 फीसदी हो गई है, जो नवंबर में 8.2 फीसदी थी। इसकी वजह सब्जियों की कीमतों गिरावट है, जो इसी अवधि में 29.33 फीसदी से घटकर 26.56 फीसदी रह गई है। दिसंबर महीने में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने खाद्य महंगाई पर चिंताओं को उजागर करते हुए इस अवधि के लिए अपने महंगाई दर अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था।

शेयर बाजार में जबरदस्त कमजोरी, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, विदेशी निवेशकों की चौतरफा बिकवाली, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और रुपये की कीमत में आई जोरदार गिरावट के कारण घरेलू शेयर बाजार आज जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में खरीदारी का जोर बनता हुआ नजर आया, लेकिन इसके बाद पूरे दिन शेयर बाजार पर दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से बीएसई का सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,129 अंक तक लुढ़क गया। वहीं आज के कारोबार में आई गिरावट के कारण घरेलू निवेशकों को 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.36 प्रतिशत और निफ्टी 1.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के बाद बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इसमें रियल्टी सेक्टर में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से ये इंडेक्स 6 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह पीएसई, मीडिया, ऑयल एंड गैस, पावर और मेटल इंडेक्स 3 प्रतिशत टूट गए। इसके अलावा बैंकिंग आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

स्टैंडर्ड ग्लास का शेयर निगर्म मूल्य से करीब 26 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 140 रुपये से करीब 26 प्रतिशत उछाल के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 3,541.97 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक?सचेंज (बीएसई) पर शेयर निर्गम मूल्य से 25.71 फीसदी की बढ़त के साथ 176 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 29.78 फीसदी बढ़कर 181.70 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स?टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 22.85 फीसदी चढ़कर 172 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के 410.05 करोड़ रुपये के आईपीओ को गत बुधवार को बोली के अंतिम दिन तक 182.57 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने इसके लिए मूल?य का दायरा (प्राइस बैंड) 133-140 रुपये प्रति शेयर तय किया था। इस इश?यू के जरिए कंपनी की योजना 410.05 करोड़ रुपये जुटाने की है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का नए साल में लॉन?च होने वाला ये पहला आईपीओ है। कंपनी इस निर्गम से प्राप?त 10 करोड़ रुपये का इस?तेमाल मशीनरी और उपकरणों की खरीद, कुछ बकाया उधारों और भुगतान के लिए 130 करोड़ रुपये और इंजीनियरिंग इंडस्ट्री प्रा.लि. में निवेश के लिए 30 करोड़ रुपये तथा 20 करोड़ रुपये सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए करेगी।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता बढ़कर 209.44 गीगावाट पर

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता दिसंबर 2024 तक बढ़कर 209.44 गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक पहुंच गई है, जो दिसंबर, 2023 में 180.80 गीगावाट थी। यह सलाना आधार पर 15.84 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की जारी रिपोर्ट के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की यह वृद्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 'पंचामृत' लक्ष्यों के तहत अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और इसके व्यापक दृष्टिकोण के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्रालय के मुताबिक दिसंबर 2024 तक भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता 209.44 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो दिसंबर 2023 में 180.80 गीगावाट की तुलना में 15.84 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। वर्ष 2024 के दौरान जोड़ी गई कुल क्षमता 28.64 गीगावाट थी, जो वर्ष 2023 में जोड़े गए 13.05 गीगावाट की तुलना में 119.46 फीसदी की महत्वपूर्ण वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि को दर्शाती है।

अश्विनी वैष्णव ने मार्क जुकरबर्ग पर किया पलटवार, टिप्पणी को बताया निराशाजनक और तथ्यात्मक रूप से गलत

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग की 2024 में होने वाले भारतीय संसदीय चुनावों पर की गई टिप्पणियों को निराशाजनक और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया। जुकरबर्ग ने दावा किया है कि 2024 के चुनावों में भारत सहित अधिकांश मौजूदा सरकारें कोरोना के बाद हार गई हैं। अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत ने 2024 के चुनावों में 640 मिलियन से अधिक मतदाताओं के साथ चुनाव लड़ा। भारत के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए में अपना विश्वास जताया है। जुकरबर्ग का दावा है कि 2024 के चुनावों में भारत सहित अधिकांश मौजूदा सरकारें कोरोना के बाद हार

गई, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है।

800 मिलियन लोगों के लिए मुफ्त भोजन, 2.2 बिलियन मुफ्त टीके, और कोरोना के दौरान दुनिया भर के देशों को सहायता, भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में नेतृत्व करने तक, प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक तीसरी बार की जीत सुशासन और जनता के विश्वास का प्रमाण है।

मेटा के सीईओ जुकरबर्ग द्वारा खुद गलत सूचना देना बेहद निराशाजनक है। तथ्यों की विश्वसनीयता को बनाए रखना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि 10 जनवरी को, जो रोगन ने मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के साथ दो घंटे का पॉडकास्ट प्रकाशित किया, जहां उन्होंने कंटेंट मॉडरेशन, सरकारों में विश्वास, कोरोना, सरकारी प्रभाव और अन्य सहित कई विषयों पर चर्चा की।

चर्चा के दौरान, जुकरबर्ग ने कहा कि कोरोना के कारण भारत में मौजूदा मोदी सरकार 2024 में होने वाले चुनावों में पूर्ण बहुमत नहीं मिला। कोरोना महामारी से निपटने के लिए सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों के कारण वैश्विक स्तर पर लोगों में विश्वास की कमी का विश्लेषण करते हुए, जुकरबर्ग ने बताया कि महामारी संबंधी नीतियों और असंगत शासन व्यवस्था के कारण दुनिया भर में लोगों में असंतोष है। उनके अनुसार, इस असंतोष ने कई देशों में चुनावी नतीजों को प्रभावित किया है।

आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफडी लॉन्च

एजेंसी

ब्रह्मपुर। आईडीबीआई बैंक ने 'आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफडी' लॉन्च करने की घोषणा की है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह फिक्स्ड डिपॉज़िट 80 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश की गई है। इस एफडी में बैंक की स्टैंडर्ड फिक्स्ड डिपॉज़िट दरों के ऊपर अतिरिक्त 65 आधार अंक (बीपीएस) और सीनियर सिटिजन दरों के ऊपर 15 आधार अंक (बीपीएस) मिलेंगे।

इस एफडी द्वारा अधिकतम ब्याज दर 555 दिन की अवधि के लिए 8.05 प्रतिशत प्रति वर्ष है। 375 दिन के लिए 7.90 प्रतिशत प्रति वर्ष, 444 दिन के लिए 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष और 700 दिन के लिए 7.85 प्रतिशत प्रति वर्ष है।

सर्राफा बाजार में तेजी, सोना 80 हजार पार

एजेंसी

नई दिल्ली। मकर संक्रांति के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। आज सोना 80 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। सोने आज 410 से 430 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कैट को महाकुंभ 2025 से 2 लाख करोड़ से ज्यादा के व्यापार की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन 'महाकुंभ 2025' प्रयागराज में शुरू हो गया है, जो फरवरी तक चलेगा। इस दौरान 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार विश्व के सबसे बड़ा मानव समागम में करीब 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि एक अनुमान के तहत इस महाकुंभ में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होने की उम्मीद है। यह आयोजन भारत और विश्व में धार्मिक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। इससे प्रयागराज और आसपास के शहरों में व्यापार को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। इसके साथ ही रेलवे, वायु सेवाओं और सड़क परिवहन को भी बड़ी आय होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि चूंकि दिल्ली देश का सबसे बड़ा व्यापारिक वितरण केंद्र है, इस दृष्टि से दिल्ली से

प्रयागराज और आसपास के शहरों में लगभग 40,000 करोड़ रुपये मूल्य के सामान और सेवाओं की आपूर्ति होगी। खंडेलवाल ने कहा कि महाकुंभ में बड़ी मात्रा में आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां होंगी। एक अनुमान के अनुसार अगर धार्मिक यात्रा के दौरान प्रति व्यक्ति 5,000 रुपया होता है, तो कुल आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। इसमें होटलों, धर्मशालाओं, अस्थायी ठहराव, भोजन, पूजा सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य वस्तुओं तथा सेवाओं पर बड़े पैमाने पर खर्च शामिल है।

जीतन राम मांझी ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा देश में खादी एवं ग्रामोद्योग (केवीआई) क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने केवीआईसी) के देश में खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा की है। इस मौके पर केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार, केवीआईसी के सदस्य, एमएसएमई सचिव, संयुक्त सचिव (एआरआई), एमएसएमई के आर्थिक सलाहकार, केवीआईसी के सीईओ और एमएसएमई मंत्रालय तथा केवीआईसी के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने देश में केवीआई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित दृष्टिकोण के जरिए प्रयासों को व्यापक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुणे में मेगा उद्यमिता सम्मेलन में 545 करोड़ रुपये की पशुधन परियोजनाओं का शुभारंभ

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने पुणे में मेगा उद्यमिता विकास सम्मेलन में 545 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 40 पशुधन परियोजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में बदलाव लाना है। पुणे में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत पशुपालन और डेयरी विभाग की ओर से आयोजित महाराष्ट्र में मेगा उद्यमिता विकास सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने आज किया।

इस कार्यक्रम का विषय उद्यमियों को सशक्त बनाना- पशुधन अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव है। इस सम्मेलन का उद्देश्य पशुधन क्षेत्र की अपार संभावनाओं को उजागर करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए नीति निर्माताओं, महासंघों, सहकारी समितियों, उद्योग संघों, उद्यमियों और वित्तीय संस्थानों को एक साथ लाना है। इसका उद्देश्य हितधारकों के लिए चुनौतियों का

समाधान करने, नवीन समाधानों को साझा करने और क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए है। 29,110.25 करोड़ रुपये के पर्याप्त परिव्यय के साथ पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) और 2,300 करोड़ रुपये के साथ राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं को समावेशी विकास के अवसरों को उजागर करने के लिए प्रदर्शित किया गया। यह पहल ग्रामीण किसानों और छोटे उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि क्षेत्र का विकास राष्ट्रीय प्रगति में योगदान दें।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पशुधन मिशन - उद्यमिता विकास कार्यक्रम (एनएलएम-ईडीपी) डैशबोर्ड का उद्घाटन किया गया, जो जनता को परियोजना की जानकारी का एक संगठित सारांश प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, एएचआईडीएफ और एनएलएम-ईडीपी के तहत समर्थित 545.04 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। अद्यतन राष्ट्रीय पशुधन मिशन परिचालन दिशानिर्देश 2.0 और सफलता की कहानियों का संकलन भी लॉन्च किया गया।

इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाएँ शामिल हैं, जिनमें पशुधन क्षेत्र में विकास को गति देना-उद्यमिता, प्रसंस्करण और अवसर और पशुधन क्षेत्र और ऋण सुविधा में बैंकों और एमएसएमई की भूमिका शामिल हैं।

इन चर्चाओं में सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं, बैंकों, सहकारी समितियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी देखी जा रही है।इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल और जॉर्ज कुरियन के साथ-साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और पशुपालन मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे उपस्थित थीं।

'मेक इन इंडिया' को लेकर कांग्रेस का केंद्र पर बड़ा हमला, कहा- विदेशी ब्रांडों को मिली तरजीह

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मेक इन इंडिया को लेकर मौजूदा केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। पार्टी का कहना है कि मोदी सरकार का 'मेक इन इंडिया' वादा महज़ बयानबाज़ी बनकर रह गया है।

एआईसीसी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने यहां एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। एक वक्तव्य में उन्होंने रिपोर्ट के हवाले से दावा किया कि सरकारी टेंडर अपने खुद के 'मेक इन इंडिया' दिशा-निर्देशों का पालन करने में विफल रहे हैं। पिछले 3 वर्षों में 64,000 करोड़ रुपये मूल्य के 3,500 से ज़्यादा उच्च-मूल्य वाले टेंडरों में से लगभग 40 प्रतिशत को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा 'मेक इन इंडिया' नियमों का अनुपालन न करने के रूप में चिह्नित किया गया था।

पवन खेड़ा ने कहा कि 2017 के मेक इन इंडिया खरीद नियम घरेलू आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता देने के लिए पेश किए गए थे लेकिन वास्तव में बाद के टेंडरों ने आर्थिक और गुणवत्ता कारणों का हवाला देते हुए विदेशी ब्रांडों को तरजीह दी, जिससे भारतीय निर्माता हाशिए पर चले गए। 'मेक इन इंडिया' पहल के शुभारंभ के बाद से मोदी सरकार द्वारा जारी किए गए 3,590 टेंडरों में से उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पाया कि नवंबर 2024 तक 1,502 टेंडर, जिनकी राशि 63,911 करोड़ रुपये थी, मेक इन इंडिया नीति दिशानिर्देशों का पालन करने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि रक्षा, परमाणु ऊर्जा, दूरसंचार और इस्पात जैसे प्रमुख मंत्रालय बार-बार निर्देशों के बावजूद खरीद नियमों को अपडेट करने में विफल रहे। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि इन हालत में यह सब किसके लाभ के लिए है? निश्चित रूप से भारतीय व्यवसायों के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को भी लिफ्ट जैसे गुणवत्तापूर्ण भारत में निर्मित उत्पादों की खरीद करने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि निविदाओं में दूरसंचार, आईटी और बुनियादी ढांचे के उत्पादों के लिए विदेशी ब्रांडों का खुलकर पक्ष लिया गया, जो 2017 के नियमों और सामान्य वित्तीय नियमों (दोनों) का उल्लंघन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार की ओर से 2019 में शीर्ष नौकरशाहों को इन मुद्दों को ठीक करने का निर्देश दिया गया था, फिर भी 2024 तक 18 मंत्रालय उल्लंघनों पर कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने में विफल रहे। 'मेक इन इंडिया' के 10 साल बाद यह पहल नीतिगत विफलता, कुप्रबंधन और भारतीय निर्माताओं की उपेक्षा की एक प्रमुख मिसाल बन गई है। इसने मोदी सरकार के तहत वादों और वास्तविकता के बीच के अंतर को ही उजागर किया है।

भारत अब विश्व के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत अब दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल हो गया है। भारत की 100 से ज्यादा कंपनियां ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम और डोर्नियर एयरक्राफ्ट जैसे उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की है।

सीतारमण ने गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश ने 1.27 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन किया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में 2.7 गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि देश का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में

21,083 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।भारत ने वित्त वर्ष 2013-14 में केवल 686 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात किया था, जो एक दशक में 30 गुना वृद्धि है।

वित्त मंत्री की उपस्थिति में गुजरात के गांधीनर में गांधीनगर के लावड़-देहगाम स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के चौथे दीक्षांत समारोह के दौरान अंतराष?ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शिक्षा-उद्योग के बीच की खाई को पाटना, पेशेवरों को प्रशिक्षित करना और अनुसंधान करना है। इस अवसर पर गुजरात सरकार के वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री कनु देसाई, आरआरयू के कुलपति बिमल एन. पटेल और आईएफएससीए के अध्यक्ष के. राजारमन भी उपस्थित थे।

सी-डॉट और आईआईटी मंडी ने गतिशील स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराने के लिए वाइडबैंड स्पेक्ट्रम सेंसर के सेमीकंडक्टर चिप विकसित करने का समझौता किया

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डॉट) की प्रमुख इकाई सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू (आईआईटी जम्मू) के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी (आईआईटी मंडी) के साथ स्पेक्ट्रम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वाइडबैंड स्पेक्ट्रम-सेंसर एएसआईसी-चिप विकसित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि दूरसंचार विभाग की दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीटीडीएफ) योजना के तहत इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस हस्ताक्षर समारोह में सी-डॉट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राज कुमार उपाध्याय, आईआईटी मंडी के प्रधान अन्वेषक डॉ. राहुल श्रेष्ठ, आईआईटी जम्मू के सह-अन्वेषक डॉ. रोहित बी. चौरसिया और सी-डॉट के निदेशक डॉ. पंकज कुमार दलेला और सुश्री शिखा श्रीवास्तव उपस्थित थे। मंत्रालय के मुताबिक भारतीय स्टार्टअप, शिक्षाजगत और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को वित्तीय सहायता के लिए बनाई गई यह योजना दूरसंचार उपकरणों और इसके समाधानों के डिजाइन, उन्हें विकसित करने और व्यावसायीकरण के लिए अहम है। इसका उद्देश्य ब्रॉडबैंड और मोबाइल सेवाओं को किफायती बनाना है, जिससे पूरे भारत में डिजिटल विभाजन को पाटा जा सके।

डॉलर की तुलना में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा रुपया, 61 पैसा टूट कर रुपया 86.61 के स्तर पर आया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स की मजबूती और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण आज डॉलर की तुलना में रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के मुकाबले 86 रुपये के स्तर को भी पार कर गई। इस जोरदार गिरावट के कारण भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 61 पैसे की कमजोरी के साथ 86.61 रुपये के स्तर पर बंद हुई। पिछले सप्ताह 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का सामना करने के बाद रुपये का ये अभी तक का सबसे निचला स्तर है। मुद्रा बाजार के जानकारों का मानना है कि डॉलर इंडेक्स की मजबूती और कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण रुपये पर लगातार दबाव बढ़ा है। साथ ही कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली की वजह से भी डॉलर की मांग में तेजी आ गई है। इसकी वजह से भारतीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। मुद्रा बाजार की जानकार सर्वेश्वर दयाल सिन्हा का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ा है जिससे रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। साथ ही अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में जीत हासिल करने के बाद से ही डॉलर इंडेक्स लगातार मजबूत हो रहा है। डॉलर इंडेक्स की मजबूती के कारण भारतीय मुद्रा रुपया समेत दुनिया भर के ज्यादातर देशों की मुद्रा

प्रभावित हुई है।सिन्हा का कहना है कि डॉलर इंडेक्स की तेजी के साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली की वजह से भी रुपया पर दबाव बढ़ गया है। विदेशी निवेशक अपना पैसा निकालने के लिए जनवरी के पहले दिन से ही लगातार बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं, जिसके कारण डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में अगर भारतीय रिजर्व बैंक में प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया, तो डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत 87 के स्तर तक गिर सकती है।

हालांकि बताया जा रहा है कि डॉलर इंडेक्स की मजबूती के कारण रुपये पर बने दबाव के बीच रुपये की विनिमय दर को स्थिर रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से हस्तक्षेप की अधिक संभावना नहीं है क्योंकि अक्टूबर के महीने से ही विदेशी निवेशक स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं, जिसके कारण देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। इस दबाव के कारण विदेशी मुद्रा भंडार भी पहले की तुलना में कमजोर हुआ है। ऐसे में अगर रुपये की कीमत को स्थिर रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ाता है, तो इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक फिलहाल तटस्थ की भूमिका में भी रह सकता है, जिससे रुपये की कीमत में आने वाले दिनों में और भी गिरावट आ सकती है।

रात बिस्तर पर जाने से पहले लें ये कॉम्बिनेशन, फिर 6 परेशानियों को कह दें बाय-बाय! महिला-पुरुष दोनों को होगा लाभ

सर्दियों गुड़ और दूध का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद है. यदि आप इन 2 चीजों का कॉम्बिनेशन रात को सोने से पहले लेंगे तो अधिक कारगर हो सकता है. आइए जानते हैं इन दो चीजों के बारे में-

सर्दियों का मौसम अपने साथ कई परेशानियों को लेकर आता है. इसलिए इस मौसम में सेहत की अनदेखी जीवन पर भारी पड़ सकती है. हालांकि, सेहत के प्रति फिकरमंद लोग तमाम चीजों का सेवन करते भी हैं. लेकिन कई बार इसका लाभ नहीं मिल पाता है. यदि आप भी सेहतमंद रहना चाहते हैं तो 2 चीजों का कॉम्बिनेशन अधिक कारगर हो सकता है. ये कॉम्बिनेशन कुछ और नहीं, बल्कि दूध और गुड़ है. इन चीजों को आप दिन में किसी भी समय ले सकते हैं. लेकिन, रात में अधिक कारगर हो सकता है.दरअसल, गुड़ और दूध में एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो कि इम्यूनिटी को सपोर्ट करते हैं. साथ ही, बेहतर नींद आती है और मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है. यह कॉम्बिनेशन पुरुष और महिला दोनों के लिए फायदेमंद है. अब सवाल है कि आखिर गुड़-दूध सेहत के लिए कैसे फायदेमंद? इस कॉम्बिनेशन से कौन सी परेशानियां दूर हो सकती हैं? इस बारे में ह्द्न2ह्य18 को बता रही हैं डाइट फॉर डिलाइट क्लीनिक नोएडा की क्लीनिकल डाइटिशियन खुशबू शर्मा-

गुड़ वाला दूध पीने के चौकाने वाले लाभ

सेहत के लिहाज से सोने से पहले दूध पीने की आदत अच्छी है. ज्यादातर लोग रात में दूध पीते भी हैं. डाइटिशियन के मुताबिक, अगर इस दूध में गुड़ मिला लें, तो ये और भी पौष्टिक हो जाता है. गुड़ वाला दूध सेहत के को कई फायदे दे सकता है. इसके लिए दूध को गर्म करें और इसमें एक से दो चम्मच गुड़ को तोड़ कर मिलाएं. अगर आप चाहें तो गुड़ पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.इम्यूनिटी बढ़ाए- एक्सपर्ट के मुताबिक, गुड़ और दूध दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं. दरअसल, दोनों में भरपूर एंटी ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जोकि इम्यूनिटी को सपोर्ट करते हैं और बीमारियों से बचाव करते हैं. ऐसे में यदि आप सोने से पहले गुड़ वाला दूध पिएंगे तो शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत होगा.पीरियड पेन से राहत- दूध में गुड़ मिलाकर पीने से महिला-पुरुष दोनों को लाभ होता है. रात में यदि महिलाएं गुड़ वाला दूध पीएंगी तो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से राहत मिल सकती है. साथ ही सुकून भरी नींद लाने के साथ क्रैम्प्स से भी छुटकारा मिल सकता है.एनीमिया से बचाए- एक्सपर्ट की मानें तो गुड़ और दूध दोनों ही आयरन और फोलेट से भरपूर होता है. इसके सेवन से रेड ब्लड सेल की संख्या को बढ़ावा मिलता है. इससे हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ेगा. साथ ही एनीमिया जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है.पाचन दुरुस्त रखे- अपच की समस्या से निपटने के लिए दूध में गुड़ डालकर पीने से काफी लाभ होता है. इससे ब्लोटिंग, गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है. गुड़ पाचन क्रिया संचालित करने वाली एंजाइम के उत्पादन में मदद करता है, जिससे पाचन दुरुस्त होता है.दर्द से राहत- गुड़ वाला दूध पीने से जोड़ों के दर्द में भी लाभ होता है. इसका सेवन रात को सोने से पहले करना अधिक फायदेमंद माना जाता है.

जहां स्वामी विवेकानन्द को मिली थी वैश्विक पहचान

भारत में रियासतों के विलीनीकरण से पूर्व राजस्थान में खेतड़ी एक सुविकसित रियासत थी। चारों तरफ फैले खेतड़ी के यश की चर्चा सुनकर ही विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने एक बार खेतड़ी पर भी आक्रमण किया था। मगर उसके उपरान्त भी खेतड़ी की शान में कोई कमी नहीं आयी थी। खेतड़ी के सभी राजा साहित्य एवं कला पारखी व संस्कृति के प्रति आस्थावान रहे थे। वे शिक्षा के विकास व विभिन्न क्षेत्रों को प्रकाशमान करने की दिशा में सदैव सचेष्ट रहते थे। खेतड़ी सदैव से ही महान विभूतियों की कार्यस्थली के रूप में जानी जाती रही है। खेतड़ी नरेश अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। राजा अजीतसिंह ने माऊन्ट आबू में एक नया महल खरीदा था। गर्मी में राजा उसी महल में ठहरे हुये थे। उसी दौरान 4 जून 1891 को उनकी युवा सन्यासी विवेकानन्द जी से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीतसिंह उस युवा संन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि राजा ने उस युवा संन्यासी को अपना गुरू बना लिया तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया। जिसे संन्यासी ठुकरा नहीं सके। स्वामी विवेकानन्द 7 अगस्त 1891 को प्रथम बार खेतड़ी आये। खेतड़ी में स्वामीजी 27 अक्टूबर 1891 तक रहे।

स्वामीजी ने राजा अजीतसिंह को उदार व विशाल बनने के लिए आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही स्वामी विवेकानन्द ने राजपण्डित नारायणदास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का 'अष्टाध्यायी' व पातंजलि का 'महाभाष्याधायी' का अध्ययन किया। स्वामीजी ने व्याकरणाचार्य और पाण्डित्य के लिए विख्यात नारायणदास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हे मेरे गुरु कहकर सम्बोधित किया था।अमेरिका जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह के निमंत्रण पर 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। स्वामी जी इस दौरान 10 मई 1893 तक खेतड़ी में प्रवास किया। यह स्वामी जी की दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन नरेश अजीत सिंह व स्वामीजी फतेहविलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर सन्यासी होने के नाते स्वामीजी उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने स्वामी जी से आग्रह किया कि स्वामीजी आप भी विराजें। मैं यहां भजन सुनाउंगी। इस पर स्वामीजी बैठ गये। नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन

प्रभू मोरे अवगुण चित न धरो ।
समदरसी है नाम तिहारो चाहे तो पार करो ॥

सुनाया तो स्वामीजी की आंखों में पश्चाताप मिश्रित आंसुओं की धारा बह निकली और उन्होंने उस पतिता नारी को ज्ञानदायिनी मां कहकर सम्बोधित करते हुये कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। इस भजन को सुनकर ही स्वामीजी सन्यासोन्मुखी हुए ओर जीवन पर्यन्त सद्भाव से जुड़े रहने का व्रत धारण किया। 10 मई 1893 को स्वामजी मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने को प्रस्थान किया। महाराजा अजीतसिंह के आर्थिक सहयोग से ही स्वामी विवेकानन्द अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदान्त की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया।

इस बात का पता बहुत कम लोगों को है कि स्वामीजी का स्वामी विवेकानन्द नाम भी राजा अजीतसिंह ने रखा था। इससे पूर्व स्वामीजी का अपना नाम विविदिषानन्द था। शिकागो जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह ने स्वामीजी से कहा आपका नाम बड़ा कठिन है। उसका अर्थ नहीं समझा जा सकता है। उसी दिन राजा अजीतसिंह ने उनके सिर पर साफा बांधा व भगवा चोगा पहना कर नया वेश व नया नाम स्वामी विवेकानन्द प्रदान किया था। जिसे स्वामीजी ने जीवन पर्यन्त धारण किया। आज भी लोक उन्हें राजा अजीतसिंह द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानन्द नाम से ही जानते हैं। शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे-बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। उस वक्त स्वामी जी को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो-दो सिक्के भेंट किये व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हाल में स्वामी जी का स्वागत किया।

सर्वधर्म सम्मेलन से लौटने के बाद स्वामी विवेकानंद जब खेतड़ी आए तो राजा अजीत सिंह ने उनके स्वागत में शहर में चालीस मण देशी घी के दीपक जलवाए थे। इससे भोपालगढ़, फतेहसिंह महल, जयनिवास महल के साथ पूरा शहर जगमगा उठा था। 20 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर स्वामी जी का भव्य स्वागत किया। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में स्वामी विवेकानन्द जी ने खेतड़ी में सावजनिक रूप से भाषण दिया जिसे सुनने हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उस भाषण को सुनने वालों में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह के साथ काफी संख्या में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुये। 21 दिसम्बर 1897 को स्वामीजी खेतड़ी से प्रस्थान कर गये।स्वामी विवेकानन्द जी ने एक बार कहा था कि यदि खेतड़ी के राजा अजीतसिंह जी से उनकी भेंट नही हुयी होती तो भारत की उन्नति के लिये उनके द्वारा जो थोड़ा बहुत प्रयास किया गया उसे वे कभी नहीं कर पाते। स्वामी जी राजा अजीतसिंह को समय-समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरण देते रहते थे।

राजा अजीतसिंह और स्वामी विवेकानन्द के अटूट सम्बन्धों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती है। स्वामीजी का मानना था कि यदि राजा अजीतसिंह नहीं मिलते तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। स्वामी जी ने माना था कि राजा अजीतसिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे। स्वामी जी के आग्रह पर राजा अजीत सिंह ने स्वामी की माता भुवनेश्वरी देवी को 1891 से सहयोग के लिये 100 रूपये प्रतिमाह भिजवाना प्रारम्भ करवाया था जो अजीतसिंह जी की मृत्यु तक जारी रहा। स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 में व मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुयी थी। इसी तरह राजा अजीतसिंह जी का जन्म 10 अक्टूबर 1861 में व मृत्यु 18 जनवरी 1901 को हुयी थी। दोनो का निधन 39 वर्ष की उम्र में हो गया था व दोनो के जन्म व मृत्यु का समय में भी ज्यादा अन्तर नहीं था। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता है।

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए यह संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, समाज सुधारक, युवा युगपुरुष स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में हुआ था। इनके जन्मदिन को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी भी देश के युवा उसका भविष्य होते हैं। उन्हीं के हाथों में देश की उन्नति की बागडोर होती है।स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवा भावी संगठन की स्थापना की। जिसकी राजस्थान में प्रथम शाखा खेतड़ी में 1958 को राजा अजीतसिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह द्वारा खेतड़ी प्रवास के दौरान स्वामी जी के ठहरने के स्थान स्वामी विवेकानन्द स्मृति भवन में प्रारम्भ करवायी गयी। मिशन द्वारा खेतड़ी में गरीब तथा पिछड़े बालक-बालिकाओं के लिए श्री शारदा शिशु विहार नाम से एक बालवाड़ी, सार्वजनिक पुस्तकालय, वाचनालय एवं एक मातृ सदन तथा शिशु कल्याण केन्द्र भी चलाया जा रहा है। खेतड़ी चौराहे पर तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने 1996 में स्वामी विवेकानन्दजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया था। जिससे आनेवाली पीढियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी खेतड़ी में रामकृष्ण मिशन का दौरा कर स्वामी विवेकानन्द जी से जुड़ी यादों का अवलोकन कर चुके हैं।

संपादकीय

ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा

संयुक्त राज्य अमेरिका में निरंकुश व दक्षिणपंथी रुझान के अगुवा डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से पहले की जा रही उग्र बयानबाजी से पूरी दुनिया में हलचल है। अब चाहे कनाडा को अमेरिका में मिलाने का उनका दावा हो या ग्रीनलैंड व पनामा नहर पर प्रभुत्व का बयान। लेकिन शेष दुनिया के लिये चिंता की बात यह है कि निष्पक्ष वैचारिक स्वतंत्रता के पक्षधर होने का दावा कर रहे अमेरिका संचालित बहुचर्चित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी ट्रंप के निरंकुश व्यवहार से गहरे तक प्रभावित हो रहे हैं। लंबे समय तक ट्रंप से वैचारिक टकराव मोल लेने वाले अमेरिका से संचालित मेटा ने ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले अपनी नीति में बड़ा बदलाव किया है। मेटा ने अपने उस तथ्य जांच कार्यक्रम से हाथ खींचने का फैसला किया है जो ऑनलाइन गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार को नियंत्रित करने का एक महत्वपूर्ण साधन था। निश्चित रूप से सूचना की विश्वसनीयता के लिये निर्धारित व्यवस्था के खत्म होने से ऑनलाइन झूठ व दुष्प्रचार के खिलाफ वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। निश्चित तौर पर यह नाटकीय बदलाव वर्ष 2016 में सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा शुरू किए स्वतंत्र थर्ड पार्टी तथ्य जांच कार्यक्रम के अंत का प्रतीक है। यह महज संयोग नहीं हो सकता है कि यह निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी से ठीक पहले आया है। ट्रंप मेटा के मुखर आलोचक रहे हैं। ट्रंप आरोप लगाते रहे हैं कि सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी आवाज को सेंसर किया जाता रहा है। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग का कहना है कि उनके इस निर्णय की मुख्य प्रेरणा मुक्त अभिव्यक्ति को प्रश्रय देना है। उनकी इस दलील से कतई सहमत नहीं हुआ जा सकता। दरअसल, अमेरिका में दक्षिणपंथी रुझानों वाला ऐसा वर्ग भी है जो सोशल मीडिया पर सूचना सामग्री में किसी भी हस्तक्षेप का विरोध करता है। जिसके चलते फर्जी खबरों के कारण विवादों की श्रृंखला को जन्म मिल सकता है।

बहरहाल, आशंका जतायी जा रही है कि तथ्यों की जांच की व्यवस्था समाप्त करने से झूठ और अफवाहों का तंत्र कालांतर कानून व्यवस्था के लिये भी बड़ी चुनौती बन सकता है। जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की सूचनाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठेंगे। मेटा के इस कदम के बाद अन्य सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म भी दबाव में ऐसे कदम उठा सकते हैं। वैसे राष्ट्रपति का पद संभालने जा रहे ट्रंप से खराब रिश्ते सुधारने हेतु मार्क जुकरबर्ग का कदम व्यावसायिक दृष्टि से तो समझ में आ सकता है, लेकिन सोशल मीडिया पर सूचनाओं की दृष्टि से यह एक गैरजिम्मेदार कदम है। जो दुनिया में विश्वसनीयता व सूचना अखंडता के लिये अच्छा संकेत नहीं है। विडंबना ही है कि सूचना सामग्री को मॉडरेट करने के लिये पेशेवर तथ्य-जांचकर्ताओं पर भरोसा करने के बजाय मेटा एक्स के रास्ते पर जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण ही है। पहले जांच-पड़ताल करके दी जाने वाली पोस्ट पाठकों व दर्शकों का भरोसा जगाती थी कि सूचना सामग्री विश्वसनीय है। लेकिन अब इस नियमन में ढील के निहितार्थों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। आशंका है कि अब फेसबुक, इंस्टाग्राम व थ्रेड्स पर गलत सूचनाओं को नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाएगा। जिससे ऑनलाइन झूठ को बढ़ावा मिल सकता है। खासकर भारत के संदर्भ में देखें तो नफरत फैलाने वाले भाषण न केवल लोगों तक विश्वसनीय जानकारी की पहुंच को कमजोर कर सकते हैं बल्कि लोगों की राजनीतिक नेताओं का सामना करने की क्षमता को भी कमजोर कर सकते हैं। हम विगत में देखते रहे हैं कि 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' की धारणा लगातार गलत तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करती रही है। इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को खुली छूट देने के नुकसान को ही दर्शाते है।

यदि झूठ की जहरीली बाढ़ को कम नहीं किया गया तो इसका समाज पर घातक असर पड़ सकता है। ऐसे में सामाजिक समरसता व शांति के लिये अधिक तथ्य जांचकर्ताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। निश्चय ही जांच की व्यवस्था न होने का मतलब है शून्य जवाबदेही और झूठ व गलत सूचना फैलाने का खुला निमंत्रण।

शक्तिशाली जर्मन अर्थव्यवस्था में गिरावट के संकेत

यह भी कहा जा सकता है कि यह %पेबैक टाइम% था। जर्मनी ने 1999 से यूरो मुद्रा एकीकरण के लाभ उठाए थे। चूंकि पूर्ववर्ती जर्मन मुद्रा, यूरो शासन में बहुत मजबूत थी, जर्मनी के पास वास्तव में कम मूल्य वाली मुद्रा थी। इससे निर्यात में बेहद मदद मिली और कोई आश्चर्य नहीं कि यह एक बड़े व्यापार अधिशेष के साथ एक पॉवर हाऊस बन गया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार जर्मनी 2024 में 4.7 खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसकी आबादी करीब 8 करोड़ 40 लाख है। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान है जो 4.07 लाख करोड़ डॉलर की है और जिसकी आबादी 12.4 करोड़ है। भारत 3.9 लाख करोड़ डॉलर और 1.4 अरब लोगों के साथ पांचवें स्थान पर है। जापान की जनसंख्या हर साल आधा प्रतिशत घट रही है जबकि जर्मनी की जनसंख्या पिछले कुछ वर्षों से लगभग 0.8 से 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है। यह मुख्य रूप से अप्रवासियों की आमद के कारण है। यूक्रेन, अफ्रीका या सीरिया में चल रहे संघर्ष के कारण वहां से नागरिक पलायन कर रहे हैं पर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं (डॉलर के संदर्भ में) में पांच साल पहले के स्तर की तुलना में केवल जर्मनी स्थिर दिखाई देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था पूर्व-महामारी के स्तर से केवल 10 फीसदी बढ़ी है। यहां तक कि जापान की 3,चीन 25 और भारत की 30 फीसदी बढ़ी है। जर्मनी की वृद्धि शून्य के करीब है और 2024 और 2025 में इसकी अर्थव्यवस्था और सिकुड़ जाएगी। यह दो साल की मंदी है।

यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और दुनिया के लिए एक बड़ी भू-राजनीतिक शक्ति की कहानी है। जर्मनी पर इसका पहले से ही राजनीतिक प्रभाव पड़ा है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई है। यह सरकार पिछले महीने संसद से विश्वास मत प्राप्त करने में विफल रही। इसका मतलब है कि वहां सितंबर में निर्धारित चुनाव के बजाय फरवरी में समय से पहले चुनाव होंगे। एक महीने पहले तीन दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन के ध्वस्त होने के बाद विश्वास मत न मिलना अपरिहार्य था। यह गोलमाल इसलिए था क्योंकि गठबंधन के तीसरे सदस्य, व्यापार समर्थक दक्षिणपंथी एफडीपी ने अन्य दो, एसडीपी और ग्रीन पार्टी से अलग होने का फैसला किया। वैसे भी इनमें मतभेद था लेकिन आखिरी तिनका अल्ट्रा-राइट विंग और एंटी-इमिग्रेंट पार्टी एएफडी की बढ़ती लोकप्रियता थी। एएफडी को सैक्सोनी और थुरिंगिया प्रांतों में चुनावों में भारी बढ़त मिली। एएफडी दक्षिणपंथी, लोक-लुभावन, यूरोस्केप्टिक (ब्रिटेन और यूरोपीय देशों की नजदीकियों विरोधी), जलवायु परिवर्तन विरोधी कार्रवाई है और आव्रजन का विरोध करती है। यह 2013 में गठित एक युवा पार्टी है परन्तु इसका उदय बहुत तेजी से हुआ है। यह लोक-लुभावन राजनीति के उदय की वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है जो एक स्पष्ट ज़ेनोफोबिक मानसिकता (विदेशी लोगों को नापसंद करना) वाली पार्टी है।

जर्मनी आर्थिक गिरावट की इस स्थिति में कैसे आया और क्या उसके पास दूसरों के लिए सबक है? सबसे पहले, चीन का प्रभाव है। वैसे इक्कीसवीं सदी में जर्मनी सबसे बड़ी निर्यात अर्थव्यवस्था थी जो चीन से भी आगे थी। दोनों देशों के बीच एक सहजीवी व्यापार संबंध था जिसके तहत जर्मनी उच्च मूल्य की पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी, ऑटोमोबाइल और रसायनों का निर्यात करता था और चीन बदले में उपभोक्ता वस्तुओं को वापस भेजता था, लेकिन चीन बाद में जर्मनी का प्रतियोगी बन गया और यहां तक कि जर्मन लक्जरी ब्रांड कारों का उत्पादन अब चीन में किया जाता है। दूसरे, यूरोप में 2011 के संप्रभु ऋण संकट का प्रभाव था। यह 2008 के लेहमैन संकट के बाद था। इस दूसरी लहर में एक मेगा बचाव के जरिए पुर्तगाल, आयरलैंड, इटली, स्पेन और विशेष रूप से ग्रीस की सरकारों को मुख्य रूप से जर्मनी की राजकोषीय और बैंकिंग शक्ति के नेतृत्व में बचाया गया था। बैंकिंग व्यवस्था के व्यापक पतन को रोकने के लिए यह बचाव आवश्यक था और यह इसलिए भी अधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि जर्मन बैंक, दक्षिणी यूरोपीय देशों के संप्रभु ऋण से बहुत अधिक प्रभावित थे।

यह भी कहा जा सकता है कि यह %पेबैक टाइम% था। जर्मनी ने 1999 से यूरो मुद्रा एकीकरण के लाभ उठाए थे। चूंकि पूर्ववर्ती जर्मन मुद्रा, यूरो शासन में बहुत मजबूत थी, जर्मनी के पास वास्तव में कम मूल्य वाली मुद्रा थी। इससे निर्यात में बेहद मदद मिली और कोई आश्चर्य नहीं कि यह एक बड़े व्यापार अधिशेष के साथ एक पॉवर हाऊस बन गया। बदले में यह अधिशेष यूरोप में बैंकिंग परिसंपत्तियों में पूंजी का बाहर जाना था जो 2011 के ऋण संकट के दौरान कटु अनुभव देने वाला हो गया था। इसलिए जर्मनी को अन्य यूरोपीय सरकारों को इस हालत से बचाने के लिए अपने स्वयं के राजकोषीय संसाधनों को खर्च करना पड़ा। जर्मनी की दुर्दशा के पीछे तीसरा बड़ा कारण यूक्रेन युद्ध और उसका नतीजा था। नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन के नष्ट होने के बाद सस्ती गैस के लिए रूस के साथ मधुर संबंध समाप्त हो गए हैं। इसके कारण ऊर्जा की लागत बढ़ रही है व जर्मनी में गैस की कमी भी हो रही है। चीन अपनी वस्तुओं की वैश्विक डंपिंग के लिए अग्रणी है जिसके कारण जर्मन निर्यात संभावनाएं कम हो रही हैं।

यह संभव है कि विनिर्माण, निर्यात मात्रा के लिहाज से नहीं तो कम से कम मूल्य के लिहाज से पुनर्जीवित होगा लेकिन जर्मनी को दीर्घकालिक गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जो उत्पादकता वृद्धि को नीचे की ओर गिराते हैं। आईएमएफ की एक शोध रिपोर्ट के अनुसार जर्मनी के लिए वास्तविक मुसीबतें इसकी उम्रदराज हो रही आबादी, इसके बहुत कम सार्वजनिक निवेश, लालफीताशाही और बिगड़ी नौकरशाही के कारण हैं। जर्मनी की कामकाजी उम्र की आबादी अगले पांच वर्षों में लगभग 1 प्रतिशत तक घट जाएगी जब तक कि इसे आप्रवासियों द्वारा बराबर नहीं किया जाता है हांलाकि एएफडी आप्रवासियों का कड़ा विरोध करता है। पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी अनुपात में सार्वजनिक निवेश ओईसीडी और यूरोपीय देशों में सबसे कम है। यह आंशिक रूप से इस कारण से है क्योंकि संघीय सरकार एक सख्त राजकोषीय अनुशासन कानून से बंधी है तथा प्रांतीय तथा नगरपालिका सरकारें पर्याप्त निवेश नहीं कर रही हैं। फिर भी इससे उत्पादकता एवं विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।अभी तक संयुक्त राज्य अमेरिका में जर्मन निर्यात मजबूत है लेकिन उस पर अब अमेरिका की निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प सरकार से उच्च टैरिफ का जोखिम मंडरा रहा है। चीन की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण जर्मन सामानों के बाजार सिकुड़ रहे हैं। यहां तक कि वोक्सवैगन जर्मनी के भीतर तीन कारखानों को बंद कर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सॉफ्टवेयर सेवाओं की बात आती है तो वहां जर्मनी पिछड़ जाता है। प्रसिद्ध जर्मन अर्थशास्त्री और स्तंभकार वोल्फगैंग मुंचू ने %कपूट% नामक एक पुस्तक लिखी है जो कहती है कि विकास मॉडल मौलिक रूप से टूट गया है और यह जर्मन चमत्कार का अंत है। वे कहते हैं कि इसका कारण औद्योगिक व राजनीतिक अभिजात वर्ग द्वारा अपनाई गई व्यापारिक नीतियों में गिरावट, रूस तथा चीन पर अत्यधिक निर्भरता एवं नए क्षेत्रों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करने में विफलता है।यह वर्ष बढ़ी हुई अनिश्चितताओं वाला है। भावी राष्ट्रपति ट्रम्प की आर्थिक और व्यापारिक नीतियां अमेरिकी हितों के प्रति अधिक संरक्षणवादी होने के कारण देशों और व्यापारियों-सभी को चोट पहुंचा रही है? रूस युद्ध की लागत के भारी बोझ से कैसे बाहर आएगा? रूस में ब्याज दरें 21 प्रतिशत पर हैं और मुद्रास्फीति बढ़ रही है। क्या चीन अपनी मंदी को रोक पाएगा? यह भू-राजनीतिक व भू-आर्थिक परिदृश्य है जिसके खिलाफ जर्मन अर्थव्यवस्था को अपना लचीलापन दिखाना चाहिए। क्या गिरावट के बारे में निराशाजनक बातें अतिवादी हैं? केवल समय ही इस बारे में बताएगा।

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देखेंगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते है। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाई ओर होता है तथा ये बाई ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शाति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।
- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबंधित रोगों से मुक्ति मिलती है
  ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्घ्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अतः ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुतः माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय खूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नही है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।

साल्ट का डिफाल्ट

रोज अपने खाने में ऊपर से नमक डालने की आदत अधिकांश लोगों की है। कई लोग सब्जी बनाते समय ही ज्यादा नमक डालते हैं तो कई ऊपर से डालकर खाना पसंद करते हैं। लेकिन, ये सही नहीं है लोगों को सबसे पहले प्रोसेस फूड या अचार-पापड़ से दूर जाना पड़ेगा। क्योंकि, इनमें नमक की मात्रा अधिक होती है। आहार विशेषज्ञों का मानना है कि 25 साल तक तो नमक की ज्यादा मात्रा हजम की जा सकती है। लेकिन, इसके बाद इस पर कंट्रोल जरूरी है। ज्यादा नमक जिंदगीभर की बीमारी दे सकता है। क्षणभर के स्वाद के लिए यह कीमत ठीक नहीं। बच्चे भी भूख लगने पर चिप्स या पिज्जा पसंद करते हैं। कूछ लोग टाइम पास करने के लिए नमकीन मूंगफली के दाने भी खाते हैं। आपको यह जानकर हैरत होगी कि इस तरह के भोजन से शरीर को जरूरत से तीन गुना ज्यादा नमक मिलता है।

बढ़ जाता है सोडियम

25 साल की उम्र तक सामान्य लोगों को 2 से 3 ग्राम नमक खाना चाहिए और हाई ब्लड प्रेशर वालों को 1 ग्राम तक। फिर धीरे-धीरे नमक की मात्रा को कम कर देना चाहिए। नमक ज्यादा खाने से ब्लड और प्लाज्मा में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है। सामान्यत व्यक्ति का ब्लड प्रेशर 120 बाय 80 होता है। ज्यादा नमक खाने से नसें छोटी हो जाती हैं। इससे उनमें ब्लड का प्रेशर बढ़ जाता है। इसके कारण अधिकतर लोग बीपी से परेशान हो जाते हैं। उनके पास छोटी उम्र के ब्लड प्रेशर मरीज भी बड़ी संख्या में आते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि 10 साल की उम्र के लोग भी बीपी के शिकार होते हैं। इसका एकमात्र कारण टीवी के सामने बैठकर चिप्स या कुरकुरे जैसी चीजें खाना है। कोल्ड ड्रिंक्स, पापड़, मीठे सोडे से बनी चीजें, पॉपकॉर्न, रोस्टेड नट्स खाने से भी ऐसी परेशानी होती हैं। इसे खाने से बचना चाहिए। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नीना ओझा के अनुसार हर व्यक्ति को रोजाना सिर्फ 6 ग्राम नमक की जरूरत होती है। 18 से 40 साल तक के व्यक्तियों को इस मात्रा के अनुसार ही नमक खाना चाहिए। उम्र बढ़ने पर इसमें और भी कमी की जरूरत होती है।

इस मामले में बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। उन्हें ज्यादा नमक खाने से रोकना चाहिए। आयुर्वेद विज्ञान के मुताबिक नमक पांच तरह के होते हैं। इसमें सेंधा नमक या रॉक सॉल्ट सबसे कम हानिकारक होता है। नमक बोले तो विज्ञान की भाषा में नमक को सोडियम क्लोराइड कहते हैं। इसमें पाया जाने वाला सोडियम शरीर के लिए फायदेमंद है। यह पोषक तत्वों को ब्लड सेल तक ले जाता है। क्लोराइड बैक्टीरिया खत्म करता है। इसके विपरीत इसकी ज्यादा मात्रा हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं को जन्म देती है।

ऐसे करें कम

- ब्रेड, प्रोसेस फूड, चीज, प्रोसेस मीट, कोल्ड वेजीटेबल, टिप्स, पापड़, अचार, सोया सॉस, पास्ता सॉसेस को नजरअंदाज करें।
- स्लिमिंग सूप और पास्ता को भी अनदेखा करें। निकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए नमक का प्रयोग होता है।
- ताजे फल और सब्जियों को भोजन में शामिल करें।
- नमक की जगह ऑरेंज, लेमन ज्यूस और लहसुन से रिप्लेस करें।
- अजीनोमोटो यानी मोनो सोडियम ग्लूकोजमेट का प्रयोग न करें।
- सॉल्टेड दाने, नट और पिज्जा न खाएं।
- फ्राइड राइज और हक्का नूडल्स जैसी डिशेस में बहुत ज्यादा नमक होता है।
- खाने से पहले अदरक की स्लाइस में सेंधा नमक लगाकर खाने से डाइजेशन सुधरता है।

उम्र बढानी है तो चर्बी कम करें

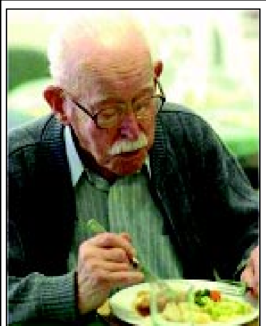

पिछले दिनों नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के अध्ययन की जो रिपोर्ट सामने आई उससे ज्ञात हुआ कि अधिक वजन वाले व्यक्तियों को मृत्यु का खतरा 20 से 40 प्रतिशत तक अधिक हो सकता है। वैसे भी शोध बताते हैं कि मोटापे का अर्थ है, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, दिल की बीमारी और स्ट्रोक। अनेक ऐसी बीमारियां हैं जो केवल मोटापे की देन हैं।

अभी तक अनेक अनुसंधान इस विषय पर हो रहे हैं और नतीजे आने बाकी हैं। लेकिन इसमें संदेह नहीं कि मोटापा जिंदगी के कुछ साल कम कर देता है। बॉडी मास इंडेक्स 18.5 से 24.9 तक सामान्य, 25 से 29.9 तक ज्यादा और 30 या उससे ज्यादा वजन को मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है। यदि आप बहुत मेहनत का काम नहीं करते तो जितना वजन है उसी पर टिके रहें। इसमें आप 30 कैलरी प्रतिकिलो के हिसाब से एक दिन में ले सकते हैं। मेहनत-मशक्कत करने वाले हैं तो प्रतिदिन 35 कैलरी ले सकते हैं। ध्यान रखें कियदि वजन कम करना चाहते हैं तो प्रतिदिन की कुल कैलरी में 500 कैलरी कम कर दें। वजन बढाने के लिए ठीक इसका उल्टा कर दें यानी 500 कैलरी ज्यादा लें।

हेल्थ प्लस

अनार करे कई रोगों को छूमंतर

फलों के संसार में सबसे सुंदर फल है अनार। यह देखने में जैसा सुंदर है, वैसा उत्तम गुणकारी है। अनेक रोगों की दवा है अनार । इसलिए कहावत बन गई है, 'एक अनार सौ बीमार' अनार में छोटे-छोटे दाने होते हैं, मूंगे जैसे लाल रंग के लेकिन कुछ सफेद दाने वाले भी अनार होते हैं। यह तीन स्वादों में होता है। मीठा, खट्टा-मीठा और खट्टा ।

अनार कई रोगों में गुणकारी है। मीठे अनार तृषा, पित्तशामक, कृमि का नाश करने वाला, पेट रोगों के लिए हितकारी तथा घबराहट को दूर करने वाला होता है। अनार स्वरतंत्र, फेफडे, ह्रदय, यकृत, आमाशय तथा आंतों के रोगों पर काफी लाभकारी है । अनार खाने से शरीर में शक्ति और विशेष प्रकार की चेतना उत्पन्न होती है। अनार के सभी अंगों का उपयोग औषघि के रूप में किया जाता है। आइए आज हम आपको बताते हैं बरसों से अपनाई जाने वाली दादी मां के कुछ असरदार नुस्खे -

आंखों की बीमारियों मे :

अनार के दानों को पीसकर उसका रस छान लें । इस रस को आंखों में डालने से आंखों की लाली और गर्मी दूर होती है।

पित्त की गर्मी :

मीठे पके हुए अनार का 400 ग्राम रस निकालें फिर इसमें 600 ग्राम चीनी मिलाकर आग पर पकाकर चाशनी बनाएं फिर इसमें 5 ग्राम केसर व 10 ग्राम इलायची का बारीक चूर्ण मिलाकर शीशे की बोतल में रख लें। 20 ग्राम की मात्रा में इस शर्बत को लेकर उतनी ही मात्रा में पानी मिलाकर पीएं। इससे पित्त वृद्धि के कारण उत्पन्न शारीरिक गर्मी और बेचैनी से राहत मिलती है। यह पित्त को खत्म करने वाला बेहतरीन शर्बत है। सेहत और स्वाद का तो जवाब नहीं ।

पित्त ज्वर :

100 ग्राम अनार का रस चीनी मिलाकर सुबह-शाम पीने से पित्त ज्वर शांत होता है। इससे लू विकार , घबराहट , उल्टी ,तृषा आदि का भी खात्मा होता है। अनार आपको वैसे भी कई रोगों से बचाता है।

अरूचि :

भूख न लगती हो, खाने के प्रति अरूचि हो तो 100 ग्राम अनार में एक चम्मच शहद व थोडा-सा सेंधा नमक मिलाकर पीने से लाभ होता है।

ह्रदय दर्द :

अनार के दानों का रस 10 ग्राम और मिश्री 10 ग्राम मिलाकर दिन में तीन बार पीने से ह्रदय का दर्द दूर होता है।

दांत का दर्द :

अनार के फूल को छाया में सुखाकर बारीक पीस लें। इसे मंजन की तरह दांतों पर मलने से दांत मजबूत होते हैं। दांतों से निकलने वाला खून भी बंद होता है।

बवासीर में :

बवासीर से निजात पाने के लिए अनार के छिलके का चूर्ण 5 ग्राम की मात्रा में लेकर उसमें नागकेशर मिलाकर सेवन करना चाहिए। इसे दिन में तीन बार कम से कम 10 दिनों तक लेते रहने से बवासीर से बचाव होता है।

बचें पानी की कमी से

ज्यादा मितली तथा उल्टी के कारण शरीर में निर्जलीकरण या पानी की कमी हो जाती है। इससे कुपोषण का खतरा हो जाता है। गर्भावस्था के पहले तीन मास में मितली होना तथा वमन (उल्टी) बहुत आम समस्या है।

- यह अधिकतर सुबह के समय होती है।
- गर्भावस्था के पहले 4 से 8 सप्ताह से प्रारंभ होकर 16 से 20 सप्ताह तक रहती है।
- कभी-कभी अत्यधिक मितली तथा उल्टी के कारण शरीर में निर्जलीकरण या पानी की कमी तथा कुपोषण होने का भय रहता है। इसे हाइपरएमैसिस ग्रैविडैरम या अतिवमन के नाम से जाना जाता है, जिसमें तुरंत चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

संभावित कारण

- शरीर में हॉर्मोन के स्राव में परिवर्तन।
- रक्त में शक्कर की कमी।
- मानसिक तनाव, यात्रा तथा कुछ खाद्य पदार्थ समस्या में वृद्धि कर सकते हैं।

आराम पाने के सरल उपाय

- सुबह बिस्तर से उठने से पहले ठोस आहार जैसे बिस्किट अथवा सिका हुआ टोस्ट खाएं।
- जागने के तुरंत बाद बिस्तर से न उठें। धीरे-धीरे थोडा समय लगा कर उठें।
- एक साथ भोजन लेने की अपेक्षा, थोडे समय के अंतर पर थोडी-थोडी मात्रा में कुछ खाते रहें। खाना न छोडें।
- जिन खाद्य पदार्थो की गंध से लक्षणों में वृद्धि हो, उन्हें न खाएं।
- पानी तथा अन्य तरल पदार्थ पर्याप्त लें।
- जब भी अवसर मिले, पर्याप्त आराम और नींद अवश्य लें।
- अदरक तथा खाद्य पदार्थ जिनमें विटामिन बी-12 की मात्रा अधिक हो जैसे अन्न, मेवे तथा फलियां आदि के सेवन से लक्षणों में सुधार आ सकता है।

चिकित्सक की सलाह लें

- उपरोक्त उपायों से लक्षणों में कमी न आए।
- यदि दिन में तीन बार से अधिक उल्टी हो।
- यदि कोई भी खाद्य या तरल पदार्थ लेने से उल्टी हो।

यहां कुछ होम्योपैथिक औषधियां दी जा रही हैं, जिन्हें मितली तथा उल्टी के प्राथमिक उपचार में प्रयोग किया जा सकता है। किसी भी औषधि के प्रयोग से पहले किसी योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक की सलाह लेना उचित रहेगा।

लक्षण और दवाइयां

सिम्फोरिकारपस रेसिमोसा 30

- बार-बार उल्टी होना।
- मितली में यदि चलने-फिरने से वृद्धि हो तथा पीठ के बल लेटने से आराम मिले।
- खाद्य पदार्थो के प्रति अरूचि होना।
- मुंह का स्वाद कडवा होना तथा खट्टा अम्लीय द्रव (एसिड) मुंह में आना।

इपिकाकुआन्हा 30

- लगातर मितली या उल्टी होना।
- साफ जीभ के साथ, मुंह में अधिक लार बनना।
- पानी पीने की इच्छा न होना।

लोबीलिया इन्फ्लाटा 30

- अत्यधिक मितली तथा उल्टी होना।
- उदर (पेट) के ऊपरी क्षेत्र में कमजोरी तथा खालीपन का आभास होना।
- मुंह में अत्यधिक लार बनना तथा अत्यधिक भूख लगना।

नक्स वॉमिका 30

- मितली तथा उल्टी के साथ अत्यधिक उबकाई आना।
- उल्टी की प्रवृत्ति होते हुए भी उल्टी न होना।

सीपिया 30

- खाद्य पदार्थो की गंध तथा उन पर दृष्टि पडने पर भी मितली होना।
- करवट में लेटने से तथा सुबह कुछ खाने से पहले लक्षणों में वृद्धि होना।
- खाने के बाद उल्टी हो जाना।

कैंसर के मरीज ठंड से बचें

बीमार आदमी को यूं भी ठंड में परेशानी ज्यादा होती है। लेकिन आम आदमी शायद यह नहीं जानता होगा कि कैंसर के रोगियों की परेशानी ठंड में 15 से 20 गुना बढ जाती है। विशेषकर जिन मरीजों की कीमोथेरेपी या रेडियो थेरेपी हो रही हो, उन्हें सर्दी बहुत तंग करती है। ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट के डॉक्टर हर्ष का कहना है कि कैंसर के रोगी को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। इन्हें सर्दी-जुकाम से बचना चाहिए। सर्दी में उनकी बीमारी से लडने की क्षमता कमजोर हो जाती है। सर्दी के मौसम में कैंसर के कारण होने वाले रोगों में हाइपोथर्मिया भी है। जब शरीर जरूरत के हिसाब से गर्मी न पैदा कर पाए तो समझ लेना चाहिए कि हाइपोथर्मिया हावी हो गया। सर्दी में शीत लहर से ग्रस्त होने पर त्वचा और नीचे के ऊतक फ्रीज हो जाते हैं। इसमें त्वचा पीली हो सुन्न हो जाती है। इसका ज्यादा असर उंगलियों, नाक और कान पर होता है।

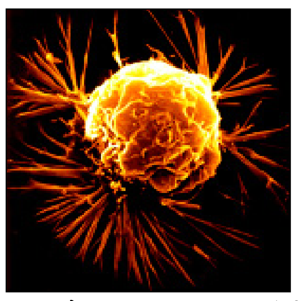

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 1957

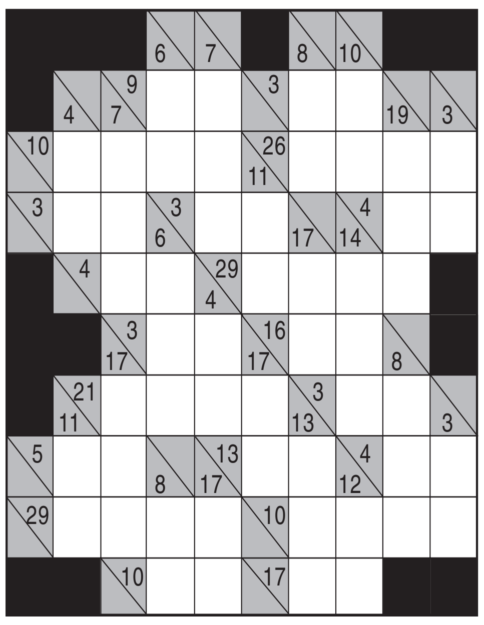

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 / 24: 1 2 3 4 5; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1956 का हल

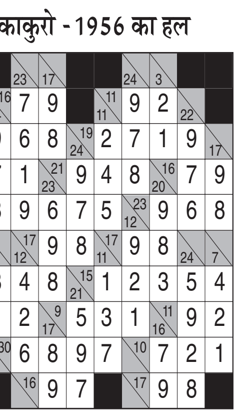

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

फिल्म वर्ग पहेली - 1957

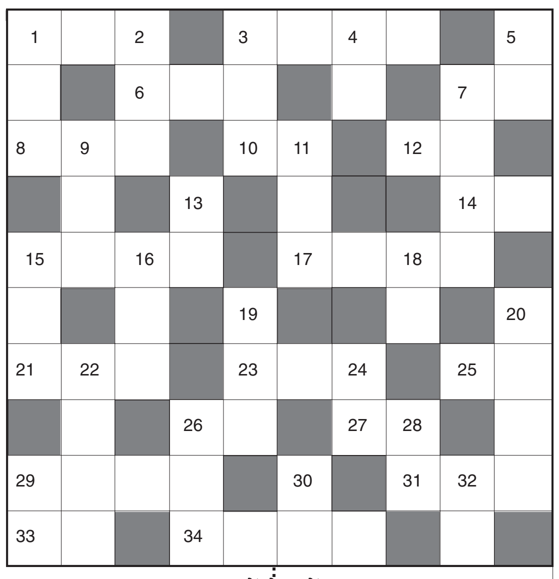

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1956

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -1957

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1956 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 1957

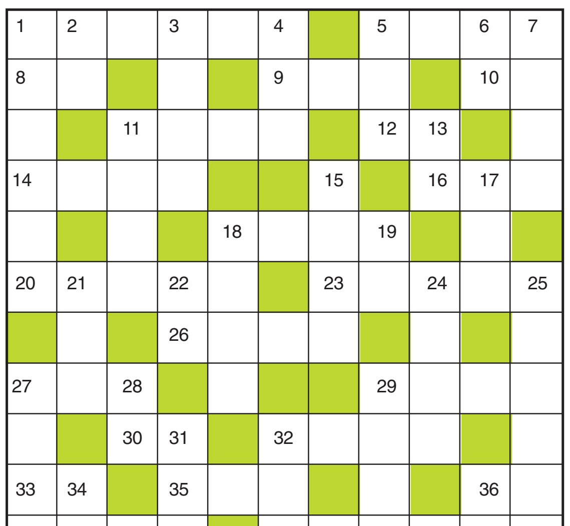

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली - 1956 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	ड़	क	न		ता		री	मा	ला	गू

मोदी-केजरीवाल दोनों दलित पिछड़ा विरोधीः राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए दोनों को दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक विरोधी बताया और कहा कि दोनों वादे करते हैं सपने दिखाते हैं लेकिन उन्हें पूरा नहीं करते।श्री गांधी ने यहां सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मोदी तथा श्री केजरीवाल चुनाव जीतने के लिए सपने दिखाकर जनता को भरमाते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद सब कुछ भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी और श्री केजरीवाल दोनों नहीं चाहते कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को उनका हक मिले। सिर्फ कांग्रेस ही सत्ता में समान भागीदारी और संविधान की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठा रही है। श्री गांधी ने कहा -आप सभी दिल्लीवासी इस फर्क को समझिए। जब मैं जातिगत जनगणना की बात करता हूं, तो नरेंद्र मोदी जी और केजरीवाल जी के मुंह से एक शब्द नहीं निकलता। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि दोनों चाहते हैं, देश में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और माइनॉरिटीज को भागीदारी न मिले। उन्होंने कहा मैंने नरेंद्र मोदी जी से कह दिया है- आप करें या न करें, लेकिन जिस दिन कांग्रेस की सरकार आएगी। हम आरक्षण को 50 प्रतिशत की सीमा से बढ़ा देंगे, जातिगत जनगणना को लोक सभा और राज्य सभा में पास करके दिखाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आचार्य किशोर कुणाल को भारत रत्न देने की अनुशंसा की, राष्ट्रपति को लिखा पत्र

पटना। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने आचार्य किशोर कुणाल को भारत रत्न देने की अनुशंसा की है। जीतन राम मांझी ने इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। पत्र में जीतन राम मांझी ने कहा है कि समाज में आचार्य किशोर कुणाल के व्यापक योगदान के कारण वे भारत रत्न देने की अनुशंसा कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने लिखा है कि आचार्य किशोर कुणाल को वे व्यक्तिगत रूप से जानते थे। 1972 बैच के आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल ने अयोध्या मामले के समाधान के लिए विशेष कार्य पदाधिकारी के तौर सेवाएं दी। आचार्य किशोर कुणाल ने एक आईपीएस अधिकारी के अलावा धार्मिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीतन राम मांझी ने पत्र में लिखा है कि कुणाल के कुशल नेतृत्व में महावीर मन्दिर न्यास ने महावीर कैंसर संस्थान की स्थापना की, जहां गरीब और वंचित लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। कुणाल ने पटना में ज्ञान निकेतन विद्यालय की भी स्थापना की। कैमूर पहाड़ियों पर गुप्तकालीन एकमात्र मौजूदा मन्दिर मुण्डेश्वरी भवानी के जीर्णोद्धार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी पहल और प्रयासों से बिहार के पूर्वी चंपारण में विश्व के सबसे बड़े विराट् रामायण मन्दिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

योगी सरकार की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, एडीजी, डीआईजी और एसएसपी ने संभाली कमान

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद इंतजाम देखने को मिले। पूरे मेला क्षेत्र में डेप्लॉय किए गए 50 हजार से ज्यादा सुरक्षा कर्मी पूरी तरह मुस्तैद रहे तो वहीं एडीजी भानु भास्कर, डीआईजी महाकुम्भ वैभव कृष्ण और एसएसपी महाकुम्भ राजेश द्विवेदी ने ग्राउंड जीरो पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। महाकुम्भ की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। पहले दिन इसकी झलक भी देखने को मिली, जब पूरे मेला क्षेत्र में पुलिसकर्मी मुस्तैदी से ड्यूटी करते नजर आए। वहीं आला अधिकारी भी हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए ग्राउंड पर दिखाई दिए। एडीजी वैभव कृष्ण ने पूरे मेला क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया और जगह-जगह पर श्रद्धालुओं से बातचीत की कि कहीं उन्हें कोई समस्या तो नहीं आ रही। यही नहीं, उन्होंने संगम नोज पर वॉच टॉवर पर चढ़कर ऊंचाई से श्रद्धालुओं के लिए किए गए प्रबंधों और सुरक्षा व्यवस्था का मुआयना किया। वहीं दूसरी तरफ, डीआईजी महाकुम्भ वैभव कृष्ण और एसएसपी महाकुम्भ राजेश द्विवेदी घोड़ों पर सवार होकर काफी देर तक सुरक्षा का मुआयना करते रहे।

जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक :सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'। अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है। धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं। धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। इस परिप्रेक्ष्य में धर्म साधना से जुड़े जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता के समान है। सीएम योगी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान दे रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आयुर्वेद, योग और नाथपंथ का मानवता के प्रति योगदान' विषय पर केंद्रित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है।

देवी अहिल्या ने अपना राज्य रामराज्य की तरह चलाया: डॉ. मोहन भावगत

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हम रामराज्य की कल्पना करते हैं और अहिल्या बाई होलकर का राज्य रामराज्य जैसा ही रहा। सन् 1992 के बाद लोग बोलते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। पिछले वर्ष मंदिर की प्रतिष्ठा हुई। कोई झगड़ा नहीं हुआ। कोई कलह सामने नहीं आई। देवी अहिल्या ने अपना राज्य रामराज्य की तरह चलाया। प्रतिष्ठा द्वादशी 11 जनवरी को मनाई गई। अयोध्या में मंदिर बन गया।

सरसंघचालक डॉ. भागवत सोमवार की रात इंदौर में राजेंद्र नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में देवी अहिल्या पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह में श्री रामजन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को देवी अहिल्या

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार यह पुरस्कार राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के ज्ञात-अज्ञात कारसेवकों और राम मंदिर निर्माण के सहभागियों को समर्पित किया गया है। खुशहाली का रास्ता भी राम मंदिर से होकर जाता हैसरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि लोग पूछते थे कि राम मंदिर क्यों जरूरी? रोजगार, गरीबी, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं की बात क्यों नहीं करते। मैं कहता था कि रोजगार, खुशहाली का रास्ता भी राम मंदिर से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा समाजवाद, रोजगार, गरीबी की बात की, लेकिन क्या हुआ। हमारे साथ चले जापान-इजरायल आज कहां से कहां पहुंच गए। देश का संविधान स्व से बना हैउन्होंने कहा कि देश का संविधान स्व से बना है। स्व का अर्थ है राम, कृष्ण और शिव। इस तरह राम, कृष्ण, शिव ही भारत को जोड़ते हैं। भले ही हमारी पूजा पद्धतियां बदल गई, लेकिन हमारा स्व लागू है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। राम दक्षिण भारत को उत्तर भारत से जोड़ते हैं। कृष्ण पूर्व से पश्चिम को और शिव भारत के कण-कण में व्याप्त हैं। सरसंघचालक ने कहा कि भारत राम को प्रमाण मानता है और यह हमारी प्रकृति में भी है। भारत की 5000 वर्ष पुरानी परंपराओं ने ही सेक्युलरिज्म सिखाया है। राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन स्व की जागृति का आंदोलन था। भारत की रोजी-रोटी का रास्ता राम मंदिर से होकर जाता है।

एनटीए ने 15 जनवरी की यूजीसी नेट परीक्षा स्थगित की

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 15 जनवरी को होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा को स्थगित कर दिया है। एनटीए ने घोषणा की है कि बुधवार (15 जनवरी) को होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा पोंगल और मकर संक्रांति त्योहारों के कारण स्थगित कर दी गई है। नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी। 16 जनवरी को होने वाली परीक्षा अपने नियत समय पर ही होगी। एनटीए के आधिकारिक बयान के अनुसार 16 जनवरी 2025 को निर्धारित परीक्षा पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ही आयोजित की जाएगी।

तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने पोंगल त्योहार के मद्देनजर केंद्र सरकार से 14-16 जनवरी 2025 को होने वाली परीक्षाओं को री-शेड्यूल करने का आग्रह किया था। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक पत्र भी लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था, 'एनटीए ने यूजीसी नेट दिसंबर 2024 परीक्षा 3 से 16 जनवरी 2025 तक निर्धारित की है। हालांकि पोंगल 14 जनवरी को है, इसके बाद 15 जनवरी को तिरुवल्लुवर दिवस (मट्टू पोंगल) होता है और 16 जनवरी को किसान दिवस (उझावर थिरुनल या कनुम पोंगल)है। उन्होंने ये भी कहा था कि तमिलनाडु सरकार ने पोंगल के अवसर पर 14 से 16 जनवरी 2025 तक की छुट्टियां पहले ही घोषित कर दी हैं। उनका कहना था कि अगर नेट परीक्षा पोंगल की छुट्टियों के दौरान आयोजित की जाती है, तो इससे उत्सव के दौरान परीक्षा की तैयारियों में बाधा आएगी।

तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' के तीन परीक्षण किये गए

एजेंसी

नई दिल्ली। पोखरण फील्ड रेंज में स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक फायर एंड फॉरगेट गाइडेड मिसाइल नाग मार्क-2 के तीन परीक्षण किये गए हैं। इस दौरान मिसाइल ने अधिकतम और न्यूनतम रेंज के सभी लक्ष्यों को सटीक रूप से नष्ट कर दिया। यह फील्ड मूल्यांकन परीक्षण भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुए। इसके साथ ही अब पूरी हथियार प्रणाली भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक फायर-एंड-फॉरगेट गाइडेड स्वदेशी मिसाइल नाग मार्क-2 के फील्ड मूल्यांकन परीक्षण हाल ही में किये गए हैं। पोखरण फील्ड रेंज में परीक्षण के समय भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रही। तीनों फील्ड परीक्षणों के दौरान मिसाइल प्रणालियों ने अधिकतम और न्यूनतम रेंज के सभी लक्ष्यों को सटीक रूप से नष्ट कर दिया। इसी

दौरान नाग मिसाइल कैरियर वर्जन-2 का भी फील्ड मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही अब पूरी हथियार प्रणाली भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल करने के लिए तैयार करने पर सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की है। यह आधुनिक मिसाइल बड़े टैंक को किसी भी मौसम में निशाना बना सकती है। कई खूबियों के अलावा इसमें इंफ्रारेड भी है, जो लॉन्च से पहले टारगेट को लॉक करता है। इसके बाद नाग अचानक ऊपर उठती है और फिर तेजी से टारगेट के एंगल पर मुड़कर उसकी ओर चल देती है। लक्ष्य भेदने की इसकी क्षमता काफी सटीक है। ये वजन में काफी हल्की होती है, लेकिन इसके बावजूद दुश्मन के टैंक समेत अन्य सैन्य वाहनों को सेकेंडों में समाप्त कर सकती है।

राष्ट्रपति ने ओडिशा में गौ समावेश और एनडीडीबी के गिफ्टमिल्क कार्यक्रम का किया शुभारंभ

एजेंसी

मयूरभंज। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा के मयूरभंज जिले में गौ समावेश कार्यक्रम, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के गिफ्टमिल्क कार्यक्रम और एनडीडीबी द्वारा ओडिशा राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (ओमफेड) की गतिविधियों को विपणन सहयोग से आगे बढ़ाने की पहलों का राष्ट्रपति भवन से वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीण परिवारों की आय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में पशुधन की कई नस्लें हैं। उन सभी नस्लों ने देश की समृद्ध कृषि विरासत में योगदान दिया है। पशुधन को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नस्ल विकास और पशुधन के आनुवंशिक उन्नयन के लिए कई उपाय और नीतिगत प्रयास किए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां असाधारण हैं। पिछले 10 वर्षों में हमारे दुधारू पशुओं की

उत्पादकता में भी असाधारण वृद्धि हुई है। ये सभी उपलब्धियां पशुपालन में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। पशु स्वास्थ्य के मामले में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के उद्देश्यों और प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि पशुओं की संख्या और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान देने से खाद्य उत्पादों और दूध सहित पशुओं से प्राप्त अन्य उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार आएगा। देश के सभी क्षेत्रों में इस तरह के प्रयास करके स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालु क्षिप्रा जल से ही करेंगे पुण्य स्नान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कारवां निरंतर चलता रहेगा। वर्ष 2028 के सिंहस्थ में श्रद्धालु क्षिप्रा जल से स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। प्रदेश का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व की पहली दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए साढ़े 12 हजार बीघा क्षेत्र में हरिद्वार की तरह विकास कार्य किये जाएंगे। सिंहस्थ-2028 साधु-संतों के लिये भी अविस्मरणीय होने वाला है, क्योंकि इस बार सरकार ने साधु-संतों और अखाड़ों को पक्के निर्माण के लिये भू-खण्ड देने का अभूतपूर्व निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ उज्जैन में 614.53 लाख रुपये की सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का भूमि-

पूजन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने उज्जैन को मिल रही सौगातों के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएँ दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर बहनों को सुहाग की श्रृंगार सामग्री एवं साड़ियां और बच्चों को पतंगें भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में वर्ष-1967 के सिंहस्थ के बाद श्रद्धालुओं को मोक्षदायनी माँ क्षिप्रा के पवित्र जल में स्नान करने का पुण्य लाभ मिलेगा। क्षिप्रा नदी में पानी की कमी के चलते 1980 के सिंहस्थ में गंभीर का पानी लाया गया। इसी प्रकार 1992 और 2004 के सिंहस्थ में भी गंभीर का पानी क्षिप्रा में प्रवाहित किया गया। वर्ष-2016 के सिंहस्थ में मां नर्मदा का पानी क्षिप्रा में लाया गया। कुछ साधु-संतों का ऐसा कहना था कि जब हमें नर्मदा में ही स्नान करना था, तो हम ओंकारेश्वर में ही स्नान कर सकते थे। मैंने उनकी भावना को समझा और संकल्प लिया कि वर्ष-2028 के सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी के जल में ही सबको स्नान कराया जाएगा। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी और कान्ह क्लोज डक्ट परियोजनाओं से यह संकल्प पूरा होने जा रहा है। यह उज्जैन के इतिहास में अविस्मरणीय दिन होगा।

भारत ने बांग्लादेश को किया स्पष्ट, कहा- सीमा पर बाड़ लगाना प्रोटोकॉल और समझौते के तहत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त मोहम्मद नूरल इस्लाम को विदेश मंत्रालय ने आज दोपहर 2 बजे साउथ ब्लॉक में तलब किया। उन्हें यह बताया गया कि बाड़ लगाने सहित सीमा पर सुरक्षा उपायों के संबंध में भारत ने दोनों सरकारों और सीमा सुरक्षा बल तथा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने अपनी उम्मीद जताई कि बांग्लादेश द्वारा पहले की सभी सहमतियों को लागू किया जाएगा और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। भारत ने सीमा पार आपराधिक गतिविधियों, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करके अपराध मुक्त

सीमा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कांटेदार तार की बाड़ लगाना, सीमा पर प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और मवेशियों के लिए बाड़ लगाना सीमा की सुरक्षा के उपाय हैं।

प्रधानमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना के लिए ओडिशा के लोगों को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बीच हुए समझौता ज्ञापन पर ओडिशा के लोगों को बधाई दी है।

मोदी ने कहा कि यह योजना विशेष रूप से ओडिशा की नारी शक्ति और बुजुर्गों के लिए किफायती दरों पर उच्चतम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा एक्स पर पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया, ÷ओडिशा के लोगों को बधाई। यह वास्तव में एक विडंबना थी कि ओडिशा के मेरे बहनों और भाइयों को पिछली सरकार द्वारा आयुष्मान भारत के लाभों से वंचित रखा गया था। यह

योजना सस्ती दरों पर उच्चतम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेगी। यह विशेष रूप से ओडिशा की नारी शक्ति और बुजुर्गों को लाभान्वित करेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा एक्स पर पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया, ÷ओडिशा के लोगों को बधाई। यह वास्तव में एक विडंबना थी कि ओडिशा के मेरे बहनों और भाइयों को पिछली सरकार द्वारा आयुष्मान भारत के लाभों से वंचित रखा गया था। यह योजना सस्ती दरों पर उच्चतम गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेगी। यह विशेष रूप से ओडिशा की नारी शक्ति और बुजुर्गों को लाभान्वित करेगी।इससे पहले ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷ओडिशा के लोगों की ओर से, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, भारत सरकार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और अन्य प्रतिष्ठित अधिकारियों के साथ उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, ÷मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस परिवर्तनकारी योजना में ओडिशा को शामिल करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जो सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर केंद्रित है। ओडिशा में, लाभार्थियों को देश भर के 30,000 से अधिक सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। इस पहल से 1.3 करोड़ परिवारों के लगभग 3 करोड़ व्यक्ति लाभान्वित होंगे। माझी ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लक्ष्य के साथ ओडिशा की प्रत्येक पंचायत में आयुष्मान भारत मंदिर स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक मंदिर में एक प्रशिक्षक मौजूद रहेगा और हम स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ अतिरिक्त सुविधाएं और सेवाएं भी प्रदान करेंगे। ओडिशा सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे 2036 तक विकसित ओडिशा और 2047 तक विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा।

पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कृष्णन विनोद चंद्रन सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कृष्णन विनोद चंद्रन को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया है। यह घोषणा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने की। कॉलेजियम ने इसकी सिफरिश की थी। जस्टिस कृष्णन विनोद चंद्रन की नियुक्ति के साथ ही अब सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या 33 हो जाएगी। कानून मंत्री ने बताया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है, जो उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगा।उल्लेखनीय है कि कॉलेजियम ने अपने प्रस्ताव में कहा था कि जस्टिस चंद्रन ने 11 साल से अधिक समय तक हाई कोर्ट के जज के

रूप में और एक साल से अधिक समय तक एक बड़े हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में काम किया है। हाई कोर्ट के जस्टिस और चीफ जस्टिस के रूप में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून के विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है।जस्टिस चंद्रन 29 मार्च 2023 से पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के पद पर कार्यरत हैं। पटना हाई कोर्ट से पहले उन्होंने केरल हाई कोर्ट के जज के रूप में 10 साल तक काम किया।

जी. किशन रेड्डी के आवास पर संक्रांति समारोह में शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी के आवास पर संक्रांति समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर तेलुगु फिल्म स्टार चिरंजीवी, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और कई केंद्रीय मंत्री भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की संस्कृति और नृत्य को भी देखा। जी किशन रेड्डी के आवास के बाद प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी दिल्ली के नारायणा विहार में आयोजित लोहड़ी समारोह में भी शामिल हुए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट करके कहा कि अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी जी. किशन रेड्डी के निवास पर संक्रांति और पोंगल समारोह में शामिल हुआ। एक बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखा। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में लोग संक्रांति और पोंगल को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। यह कृतज्ञता, प्रचुरता और नवीनीकरण का उत्सव है, जो हमारी संस्कृति की कृषि परंपराओं में गहराई से निहित है।

संक्रांति और पोंगल की मेरी शुभकामनाएं। सभी को खुशहाली, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्ध फसल के मौसम की शुभकामनाएं।

चुनाव आयोग से मिलने के बाद बोले केजरीवाल- अवध ओझा का वोट दिल्ली ट्रांसफर होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने दिल्ली के पटपड़गंज से आम आदमी पार्टी (आआपा) के उम्मीदवार अवध ओझा के मतदाता पहचान पत्र हस्तांतरण के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इसके लिए आयोग का आभार जताया है। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्यसभा सांसद संजय सिंह व राघव चड्ढा और पटपड़गंज विधानसभा से पार्टी के उम्मीदवार अवध ओझा ने चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। केजरीवाल ने

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी की मांग स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पटपड़गंज से हमारे उम्मीदवार शिक्षाविद् अवध ओझा का नाम ग्रेटर नोएडा से शिफ्ट कर दिल्ली में करने का आदेश दे दिया है। इसके लिए मैं चुनाव आयोग का शुक्रिया अदा करता हूं। केजरीवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया कि नई दिल्ली विधानसभा में किस तरीके से भारतीय जनता पार्टी के सांसद मंत्री और पूर्व मंत्री के पति से कई कई वोट बनाने के आवेदन दिए गए हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि किसी भी हालत में एक भी गलत वोट नहीं बनने दिया जाएगा। एक-एक वोट की बहुत जांच करके एक्शन लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा द्वारा नियमों के विपरीत किए जा रहे काम की शिकायत की तो इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि लोकल डीएम की जो रिपोर्ट आई है, उसमें यह कहा गया है कि इस तरह कुछ नहीं हो रहा है।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इससे साफ जाहिर है कि स्थानीय डीएम मिले हुए हैं, और दिन में ट्रकों से चादरें आ रही हैं। हमने चुनाव आयोग से स्थानीय डीएम को सस्पेंड करने की मांग की है। इसके साथ ही गैर कानूनी एक्टिविटी को बंद करने की मांग की है। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव आयोग ने हमें कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हम बचपन से पढ़ते, सुनते आ रहे हैं कि दया धर्म का मूल है। सभी धर्मग्रंथों में दया पर ही अधिक जोर दिया गया है। अगर आप दया नहीं कर सकते हैं तो आपका यह मानव जीवन निरर्थक है। यह तो उसी प्रकार की बात हुई कि जन्म लिया, खाए-पिए, बड़े हुए, विवाह-शादी हुई, वंशवृद्धि की परिवार को आगे बढ़ाया और कालांतर में जीवन यात्रा पूरी कर पहुंच गए भगवान के घर। ऐसा जीवन तो पशु-पक्षी भी जीते हैं। ...तो फिर हम इंसानों व पशु-पक्षियों में क्या अंतर रह जाता है?

ईश्वर के करीब लाता है दया-भाव

बच्चों पर करें दया

छोटे बच्चे, बिलखते बच्चे, भूखे, बीमार बच्चे, वृद्ध-वृद्धा... यह फेहरिस्त काफी लंबी है। हे मनुष्य आत्माओं, तुम इन पर दया करो। तुम्हें भगवान मिलेंगे। सिर्फ पूजा-हवन से भगवान नहीं मिलने वाला है। आपको ईश्वर की प्राप्ति के लिए दयालु बनना होगा। मन में दयाभाव व इंसानों के प्रति करुणा, विनम्रता व सहनशीलता रखनी होगी। मदर टेरेसा, महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, विनोबा भावे तथा ईश्वरचंद्र विद्यासागर आदि ऐसे अनेक नाम हैं जिन्होंने अपनी दया-धर्म के बल पर ही सारे संसार में अपना नाम रोशन किया। जिसकी आभा, दीप्ति से सारा जग-संसार आज भी प्रकाशमान/प्रकाशवान है। ऐसी महान विभूतियों के आदर्शों का अगर हम अनुसरण व अनुकरण करें तो संसार में कोई समस्या ही नहीं रहे। सर्वे भवंतु सुखिन-, सर्वे भवंतु निरामया की भावना से संसार में सर्वत्र हरियाली व खुशहाली जैसा माहौल बन जाएगा। कहा भी गया है कि मानवता (इंसानियत) दुनिया को एकजुट करने वाली ताकत है।

क्या करें दया के लिए

अंकल/ आंटी प्लीज... एक मिनट... यह वाक्य आपने भी कई बार सड़क से गुजरते हुए सुना, देखा होगा। स्कूल या काम पर जाते बच्चे इस तरह की लिफ्ट मांगते हैं और लोग हैं कि इनको नजरअंदाज कर निकल जाते हैं। यह बात विडंबना की ही कही जाएगी। अरे भाई, किसी बच्चे को अगर आप अपने वाहन पर बिठाकर उसके मुकाम या उसके नजदीकी ठिकाने तक ही छोड़ दें तो आपको उसकी जो दुआएं मिलेंगी वो आपका जीवन सार्थक कर देंगी। आपको अपार खुशी तो मिलेगी ही इस बात की कि आज मैंने अपनी जिंदगी में एक अच्छा काम किया। देखिएगा कि भगवान की सिर्फ पूजा-पाठ व हवन-पूजन, जप तथा उसके नाम की माला फेरने-भर से कुछ नहीं होने वाला है। आपको ईश्वर-प्राप्ति की चाह है गर तो आपको अपने आचरण को थोड़ा-सा ही सही, लेकिन सुधारना जरूर होगा।

ऐसे करें सेवा

ठीक है आपके पास समय नहीं है तो आज के मोबाइल, ई-मेल व इंटरनेट के जमाने में भी आप दया को अर्पित कर सकते हैं... वो भी घर बैठे ही! वो कैसे? ठीक है यदि आपके पास अनाथालय (अनाथाश्रम), वृद्धाश्रम, महिला श्राविका आश्रम, महिला उद्धार गृह, कुष्ठ उद्धार गृह आदि जगहों पर जाने का समय नहीं है तो आप इन आश्रमों के फोन, मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर अपनी दान राशि भेंट कर सकते हैं। इन आश्रमों के कर्मचारी आपके घर आकर दान राशि ले जाएंगे तथा आप पुण्य के भागी बन जाएंगे।

रोटी सेवा की जाए

यह लेखक अपने अनुभव आप सबके सामने साझा कर रहा है। बात कोई 2003 की है। इस लेखक को टाइफाइड, पीलिया, मलेरिया, अनिद्रा तथा जबर्दस्त दस्त की शिकायत हो गई थी। तब यह इंदौर क्लॉथ मार्केट अस्पताल में भर्ती था। इस दौरान इन्होंने देखा कि ठीक 4 बजे कुछ लोग पॉलिथीन की एक थैली में रोटी तथा एक थैली में सब्जी लेकर वार्ड-वार्ड में घूम-घूमकर मरीजों को दे रहे थे वो भी मात्र 1 रुपए में। उस समय (2003) में भी इस भोजन-सेवा की कीमत आज के 5 रुपए से कम नहीं रही होगी, पर वे मात्र 1 रुपए में यह सेवा कर रहे थे। जानकारी लेने पर मालूम हुआ था कि कुछ लोगों ने इस सेवा हेतु एक ग्रुप बनाया हुआ है तथा संगठन के सदस्य हर माह अपनी आमदनी में से कुछ पैसा इस संगठन में देते हैं तथा एक बाई (खाना बनाने वाली) को रखकर खाना बनवा कर अस्पताल में सप्लाय कर दिया जाता है। ...तो है न यह सेवा का अनूठा जज्बा!

आत्मसंतुष्टि मिलती है

अगर आप किसी की एक छोटी-सी भी मदद करते हैं तो वह व्यक्ति कृतज्ञ भाव से आपकी ओर देखता है तब आपको जो आत्मसंतोष मिलता है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। कभी आप भूखे बच्चों को रोटी खिलाकर, फटेहाल व ठंड में ठिठुरते लोगों को वस्त्र पहनाकर, किसी सताई हुई नारी को यह दिलासा देते हुए कि बहन चिंता मत कर, तेरा भाई जिंदा है उसके सिर पर अगर आप हाथ रखेंगे तो भावुकतावश आपकी आंखों से भी इस बात को लेकर अश्रुधारा बह निकलेगी कि आज मैंने जिंदगी में अच?छा काम किया है। जब ईश्वर के सामने हम अपने कर्मों का हिसाब-किताब देने हेतु खड़े होंगे तो बिलकुल निश्चिंत होंगे, क्योंकि आपके मन में यह भाव लगा रहेगा कि मैंने अपनी जिंदगी में? किसी आत्मा को कभी कोई कष्ट नहीं पहुंचाया।

न बुरा बोलें व न बुरा करें

एक इंसान होने के नाते हर व्यक्ति को चाहिए कि वह कभी भी किसी को बुरा नहीं बोले और न ही कभी बुरा कर्म ही करें। अगर आप किसी को बुरा बोलते हैं तो उसके वायब्रेशन सारे वायुमंडल में फैल जाते हैं। यह अपने, सामने वाले के साथ ही वातावरण को भी प्रदूषित करते हैं, अत- सदैव मीठा बोलें। यही बात कर्म पर भी लागू होती है। हमारे कर्म जितने अच्छे होंगे, हम ईश्वर के उतने ही करीब होंगे।

रास्ते का पत्थर ही हटा दें

ठीक है आपके पास पैसे नहीं है। तो आप यह काम तो कर ही सकते हैं कि रास्ते में एक पत्थर पड़ा है, जो आते-जाते लोगों को लहूलुहान कर रहा है। कई लोग ठोकर खाकर गिर पड़ते हैं, कई को गंभीर चोट लग भी सकती है या लगती भी है। तो अपने को चाहिए कि वो पत्थर उस जगह से हटा कर एक तरफ रख दें। अपने इस जरा-से कष्ट कई लोगों को सुविधा हो जाएगी। आपका अनजाने व खामोशी से किया गया यह कर्म आपको भी आत्मसंतुष्टि देगा व लोगों की दुआएं भी आपको मिलेंगी।

ये भी कर सकते हैं

कई चौराहों व रास्तों पर देखा गया है कि बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं रास्ता पार करने हेतु ट्रैफिक रुकने का इंतजार कर रहे होते हैं, किंतु ट्रैफिक है कि रुकने का ही नाम नहीं लेता। आप ऐसी स्थि?ति में उनकी मदद के लिहाज से उनका हाथ पकड़कर रास्ता पार करा सकते हैं। यह भी बिना खर्च किए मुफ्त की एक अच्छी मानव-सेवा है।

मानव सेवा, माधव सेवा

मानव की सेवा माधव (भगवान) की सेवा के बराबर मानी गई है। आप चाहें चारों धाम की यात्रा करो, लेकिन एक इंसान की सेवा अगर जरूरत के समय नहीं करते हैं तो चारों धाम की यात्रा का कोई फल नहीं मिलने वाला। खराब वचन और खराब कर्म करने के बाद भगवान को जल, अर्घ्य व एक मन चावल अर्पित करके आप अपने द्वारा किए गए पाप से बरी नहीं हो सकते। कर्मों का फल तो हर व्यक्ति को भुगतना ही पड़ता है। इससे भगवान भी नहीं बच सके हैं तो इंसान की क्या बिसात?

सूर्य-शनि की दृष्टि बढ़ाए वैचारिक मतभेद

सूर्य आत्मा का कारक होकर अग्नि तत्व प्रधान है। सूर्य अत्यधिक प्रभावशाली तेजस्वी गृह है। शनि मंद गति से भ्रमण करने वाला होता है। सूर्य पिता है तो शनि पुत्र है। सूर्य शनि साथ होने पर पिता पुत्र से डरता है। इससे शनि का प्रभाव नहीं पड़ता। पुत्र पिता से अलग रहता है, तो निश्चित ही आपसी मतभेद भी करा देता है। इसके फलस्वरूप पिता से नहीं बनती या पिता का साथ नहीं मिल पाता है। ठीक उसी प्रकार सूर्य शनि समसप्तक हो तो पिता पुत्र में सदैव वैचारिक मतभेद बना रहना स्वाभाविक है। सूर्य शनि का अलग-अलग समसप्तक बनने से मतभेदों में अलग-अलग अंतर होगा। हमने ऐसी हजारों कुंडलियों का निचोड़ 22 वर्षों में जाना है। सूर्य शनि का समसप्तक योग लग्न सप्तम योग कुटुम्ब से वैचारिक मतभेद का कारण बनता है। स्वास्थ्य में भी गड़बड़ रहती है। वाणी में संयम न रख पाने की वजह से कई बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। धन का संग्रह भी नहीं हो पाता है।

तृतीय नवम भाव से बनने वाला समसप्तक योग भाइयों, मित्रों, पार्टनरशिप में हानि का कारण बनता है। निरन्तर भाग्य में भी बाधाएँ आती है। धर्म-कर्म में आस्था नहीं रहती। चतुर्थ भाव व दशमभाव में बनने वाला समसप्तक योग पिता से दूर करा देता है। पिता पुत्र एक साथ नहीं रह पाते। किसी भी कारण से पुत्र की दूरी पिता से बनी रहती है। ऐसे जातक को अपने पिता के साथ नहीं रहना चाहिए, नहीं तो पिता या पुत्र में से कोई एक ही रहता है। पंचम एकादश से बनने वाला समसप्तक योग विद्या में बाधा का कारण बनता है। संतान से वैचारिक मतभेद बने रहते हैं। संतान अलग हो जाती है। आर्थिक मामलों में उतार-चढ़ाव बना रहता है। षष्ट-एकादश से बनने वाला सूर्य शनि का समसप्तक योग से घर ठीक नहीं रहता। नेत्र विकार हो सकते हैं। शत्रु नष्ट होते हैं। कोर्ट कचहरी आदि में सफलता मिलती है। इस प्रकार किसी के गृह योग हों तो उन्हें कुंडली के हिसाब से उपाय कराने पर दोष कम किया जा सकता है।

जानिए दुनिया के आठ प्रॉफेट

दुनियाभर में धर्म का बोलबाला है। कई धर्म हैं, लेकिन उन धर्मों में भी कुछ धर्म ऐसे है, जिनका वर्चस्व कायम है। उन धर्मों के पैगंबरों के विचार आज भी प्रासंगिक माने जाते हैं। उन्हें ही धर्म संस्थापक माना जाता है। आओ, जानते हैं कि वे कौन-कौन से धर्म संस्थापक हैं।

कृष्ण - भगवान कृष्ण हिन्दू धर्म के केंद्र में है। वे ही हिंदुओं के सर्वोपरि धर्म संस्थापक है। उनसे पहले और उनके बाद सभी उनमें समाहित हैं। उन्हें छोड़कर कोई दूसरा धर्म संस्थापक नहीं है। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5122 वर्ष पूर्व) को हुआ। ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्यकाल था।

पैगंबर मूसा - यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। ईसा से लगभग 1500 वर्ष पूर्व हज. इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम पैगंबर मूसा का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है।

भगवान महावीर - भगवान महावीर तीर्थकरों की कड़ी के अंतिम तीर्थंकर है। राजकुमार वर्धमान के माता-पिता श्रमण धर्म के पार्श्वनाथ सम्प्रदाय से थे। महावीर से 250 वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए थे। भगवान महावीर का जन्म 599 ईपू. अर्थात 2609 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडलपुर के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ के यहां हुआ। उनकी माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटकी की पुत्री थीं। भगवान महावीर ने सिद्धार्थ-त्रिशला की तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल की तेरस को जन्म लिया।

जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान महावीर के बारे में अधिक जानकारी के लिए आगे क्लिक करें.....कैवल्य ज्ञान का मार्ग महावीर

गौतम बुद्ध - हिंदुओं के नौवें अवतार भगवान बुद्ध से एक नए धर्म की शुरुआत होती है। गौतम बुद्ध का जन्म ईसा से 563 वर्ष पहले नेपाल के लुम्बिनी वन में हुआ। उनकी माता कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी जब अपने नैहर देवदह जा रही थीं, तो उन्होंने रास्ते में लुम्बिनी वन में बुद्ध को जन्म दिया। कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान के पास उस काल में लुम्बिनी वन हुआ करता था।

जरथुस्त्र - ईसा मसीह से पूर्व प्राचीन फारस (आज का ईरान) जब पूर्वी यूरोप से मध्य एशिया तक फैला एक विशाल साम्राज्य था, तब पैगंबर जरथुस्त्र ने एक ईश्वरवाद का संदेश देते हुए पारसी धर्म की नीव रखी। जरथुस्त्र से ही पारसी धर्म की शुरुआत होती है।

ईसा मसीह - एक यहूदी बढ़ई की पत्नी मरियम (मेरी) के गर्भ से यीशु का जन्म बेथलेहेम में हुआ। ईसा जब बारह वर्ष के हुए, तो यरुशलम में दो दिन रुककर पुजारियों से ज्ञान चर्चा करते रहे। सत्य को खोजने की वृत्ति उनमें बचपन से ही थी। बाइबिल में उनके 13 से 29 वर्षों के बीच का कोई ?जिक्र नहीं मिलता, ऐसा माना जाता है। 30 वर्ष की उम्र में उन्होंने यूहन्ना (जॉन) से दीक्षा ली। दीक्षा के बाद वे लोगों को शिक्षा देने लगे।

हजरत मुहम्मद - विद्वानों के मुताबिक इस्लाम के संस्थापक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब सल्ल. का जन्मदिन हिजरी रबीउल अव्वल महीने की 2 तारीख को मनाया जाता है। 571 ईस्वी को शहर मक्का में पैगंबर साहब हजरत मुहम्मद सल्ल. का जन्म हुआ था। मक्का सऊदी अरब में स्थित है।

गुरु नानक - सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेवजी का जन्म कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन 1469 को राएभोए की तलवंडी नामक स्थान में, कल्याणचंद (मेहता कालू) नामक एक किसान के घर में हुआ था। उनकी माता का नाम तृप्ता था। तलवंडी को ही अब नानक के नाम पर ननकाना साहब कहा जाता है, जो पाकिस्तान में है। गुरु नानकदेवजी के बारे में विस्तार से जानने के लिए आगे क्लिक करें...जगतगुरु गुरुनानक

कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में केनिन को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने आत्मविश्वास के साथ शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल के पहले दौर में हमवतन सोफिया केनिन को हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली हैं। यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने केनिन को 6-3, 6-3 से हराया। मैच के दौरान उन्होंने अपने शक्तिशाली सर्विस से प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को प्रभावित किया। उन्होंने मैच के दौरान 12 ऐस और 28 विनर लगाए। नौ डबल फॉल्ट के बावजूद सर्विस पर उनका दबदबा रहा। दूसरे दौर में गॉफ का मुकाबला ब्रिटेन की जोडी बर्रेज से होगा।

केंद्रीय खेल मंत्री ने खो खो को एशियाई खेलों में शामिल करने के लिए एशियाई ओलंपिक परिषद को लिखा पत्र

नई दिल्ली। भारतीय खेलों की समृद्ध परंपरा के प्रतीक माने जाने वाले स्वदेशी खेल खो-खो को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खो-खो विश्व कप के उद्घाटन समारोह में इस खेल को 2030 के एशियाई खेलों और 2036 के ओलंपिक खेलों में शामिल कराने के प्रयासों की घोषणा की। मांडविया ने कहा, खो-खो भारत की सांस्कृतिक धरोहर है। हमने इसे 2030 एशियाई खेलों का हिस्सा बनाने के लिए एशियाई ओलंपिक परिषद को पत्र लिखा है। इसके अलावा, 2036 में भारत द्वारा ओलंपिक की मेजबानी के तहत इस खेल को ओलंपिक में शामिल करने का भी प्रयास किया जाएगा। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और पूर्व धाविका पीटी ऊषा ने खो-खो की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, खो-खो न केवल भारत की खेल परंपरा का प्रतीक है, बल्कि यह ग्रामीण भारत से निकलकर अब वैश्विक पहचान बना रहा है। विश्व कप का आयोजन खेल प्रेमियों के उत्साह को बढ़ाएगा और स्वदेशी खेलों के प्रति जुनून को पुनर्जीवित करेगा।

डेनमार्क के फुटबॉलर साइमन केर ने लिया संन्यास

कोपेनहेगन। डेनमार्क के फुटबाल खिलाड़ी साइमन केर ने राष्ट्रीय टीम के साथ 132 मैच खेलने के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने एक साक्षात्कार में संन्यास लेने के अपने फैसले का खुलासा किया। एफसी मिडट्जिलैंड से आने के बाद, केरने 2020 में एसी मिलान में शामिल होने से पहले पलेर्मो, रोमा, सेविला के लिए खेला है और 2022 में रॉसोनेरी को स्कुडेटो जीतने में मदद की है। राष्ट्रीय टीम में, केरने 2009 में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और विश्व कप के तीन संस्करणों और तीन यूरोपीय चैंपियनशिप सहित छह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेला। 35 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल गर्मियों में एसी मिलान के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से किसी क्लब के बिना है। पूरा साक्षात्कार इस सप्ताह के अंत में जारी किया जाएगा, लेकिन स्निपेट से पता चला है कि अनुभवी खिलाड़ी लंबे समय से इस निर्णय के बारे में सोच रहे थे। हालांकि उनका करियर बहुत शानदार नहीं रहा, लेकिन 2021 में डेनमार्क और फिनलैंड के बीच यूरोपीय चैंपियनशिप के मुक़ाबले में केरको काफ़ी प्रशंसा मिली। जब क्रिश्चियन एरिक्सन मैदान पर गिर पड़े, तो टीम के कप्तान केरसबसे पहले उनकी स्थिति की जांच करने वाले थे। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों को एरिक्सन के इलाज के लिए बुलाया। केरको मेडिकल टीम के साथ यूईएफए प्रेसिडेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

ट्यूरिन की मेजबानी में विंटर यूनिवर्सियाड 2025 का हुआ आगाज

ट्यूरिन। विश्व शीतकालीन विश्वविद्यालय खेल 2007 के बाद पहली बार ट्यूरिन में वापस आ गए हैं, 2025 टोरिनो शीतकालीन यूनिवर्सियाड का आधिकारिक रूप से शुभारम्भ किया गया। 2025 यूनिवर्सियाड एक नई राह खोलने के लिए तैयार है, क्योंकि यह पैरा छात्र-एथलीटों का स्वागत करेगा जो इस आयोजन के इतिहास में पहली बार अल्पाइन और क्रॉस-कंट्री स्कीइंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे।स्की पर्वतारोहण यूनिवर्सियाड में अपनी शुरुआत कर रहा है, जबकि स्की ओरिएंटियरिंग 2019 में अपनी अंतिम उपस्थिति के बाद वापस आ रहा है। विशेष रूप से, स्की ओरिएंटियरिंग को इटली में 2026 शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भी शामिल किया जाना है। 13 से 23 जनवरी तक ग्यारह दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान, 54 देशों और क्षेत्रों के कुल 1,655 एथलीट 11 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिनमें अल्पाइन स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, फ्रीस्टाइल स्कीइंग, क्रॉस-कंट्री स्कीइंग, बायथलॉन, स्की ओरिएंटियरिंग, आइस हॉकी, स्की पर्वतारोहण, फिगर स्केटिंग, शॉर्ट-ट्रैक स्पीड स्केटिंग और कर्लिंग शामिल हैं।

भारत ने खो खो विश्व कप पहले के रोमांचक मुकाबले में नेपाल को हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने नेपाल को 42-37 से हराकर खो खो विश्व कप 2025 में शानदार शुरुआत की। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गये मैच में टीम के वजीर प्रतीक वाइकर की अगुआई में भारत के हरफनमौला प्रदर्शन ने खो खो विश्वकप का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला जीता।

भारत की शानदार शुरुआत करते हुए मैच के पहले टर्न में मात्र 60 सेकंड में नेपाल के पहले तीन डिफेंडरों को ढेर कर दिया। प्रतीक वाइकर और रामजी कश्यप की शानदार फ्लाइंग जंप की बदौलत भारत ने पहले टर्न में तीन मिनट शेष रहते हुए 14 अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली, जिसमें नेपाल के दो डिफेंडरों को आउट कर दिया। वजीर के रूप में प्रतीक वाइकर की जगह लेने वाले सचिन भार्गो ने रात की सबसे बेहतरीन मूवमेंट दिखाई। उन्होंने शानदार स्काईडाइव करके ब्रेक के समय स्कोर को 24 टच

पॉइंट तक पहुंचाया, जिससे नेपाल की टीम 'ड्रीम रन' हासिल नहीं कर पाई । ड्रीम रन में डिफेंडर मैट से बाहर निकले बिना तीन मिनट तक टिके रहते हैं, जिसके बाद डिफेंडिंग टीम को हर 30 सेकंड में एक पॉइंट मिलता है। नेपाल को टर्न 2 में छह पॉइंट हासिल करने के लिए लगभग दो मिनट लगे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी की।

भारतीय डिफेंडर ड्रीम रन हासिल करने से रोक दिए गए, जिससे नेपाल को अपने टर्न के दौरान 20 पॉइंट हासिल करने का मौका मिल गया। नेपाल के ऑलराउंडर जोगेंद्र राणा मुख्य आक्रामक खिलाड़ी बनकर उभरे, उन्होंने दो डाइव सहित चार पॉइंट हासिल किए, जिससे उनकी टीम मुकाबले में पूरी तरह बनी रही। खो खो विश्व कप 2025 का पहला ड्रीम रन नेपाल के भरत सारू ने हासिल किया, लेकिन यह अपर्याप्त साबित हुआ क्योंकि भारत 24 पॉइंट से 42 पॉइंट पर पहुंच गया, जिससे मेजबान टीम की बढ़त खेल के चौथे टर्न में 21 पॉइंट पर पहुंच गई।

झलक बीके ने टर्न 4 में नेपाल के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम ने एक बार फिर अंतर को पांच पॉइंट तक कम कर दिया। हालांकि, यह देर से मिली बढ़त टीम इंडिया को प्रभावशाली जीत हासिल करने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थी। और इसी के साथ मेजबान देश को खो-खो विश्व कप 2025 के लिए एक शानदार शुरुआत मिली।

स्वियाटेक ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

एजेंसी

मेलबर्न। विश्व की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने पहले दौर के मैच में चेक गणराज्य की खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन में विजयी अभियान की शुरुआत की। आज यहां चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक ने 81 मिनट तक चले मुकाबले में कैटरीना सिनियाकोवा को सीधे सटों में 6-3, 6-4 से हराया। अगले दौर में स्वियाटेक का मुकाबला स्लोवाकिया की रेबेका स्रामकोवा के साथ होगा। मैच के बाद स्वियाटेक ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे यहां हर स्टेडियम में खेलना पसंद है। जॉन कैन में मैंने कई बेहतरीन मैच खेले है।

पूरी दुनिया खो खो का जश्न मना रही : जगदीप धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने खो खो विश्व कप के आयोजन को देश के लिए ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि पूरी दुनिया खो-खो का जश्न मना रही है और यह आयोजन हमारे खेलों के स्वर्णिम इतिहास में दर्ज हो जाएगा। उपराष्ट्रपति ने भारत और नेपाल के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले खो खो फेडरेशन के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को खो खो कहकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा,यह टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत रही है। ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया खो-खो का जश्न मना रही है। आज का यह महत्वपूर्ण अवसर हमारे खेलों के स्वर्णिम इतिहास में दर्ज हो जाएगा।उन्होंने आगे कहा, भारतीय खो खो फेडरेशन के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इतने शानदार कार्यक्रम से मेरी आँखें खोल दी हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में हमारे अपने स्वदेशी खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचेंगे। खो-खो से मेरा पुराना नाता है। यह खेल एक कला है, इसमें चपलता, गति और चतुराई की आवश्यकता होती है। मैं टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी देशों को शुभकामनाएँ देता हूँ। इससे पहले उप राष्ट्रपति ने खेल मामलों और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे के साथ मिलकर मशाल जलाई और विश्व कप का आधिकारिक शुभारंभ किया। खो-खो विश्व कप 2025 का आयोजन 13 से 19 जनवरी तक किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में 23 देशों के खिलाड़ी भाग

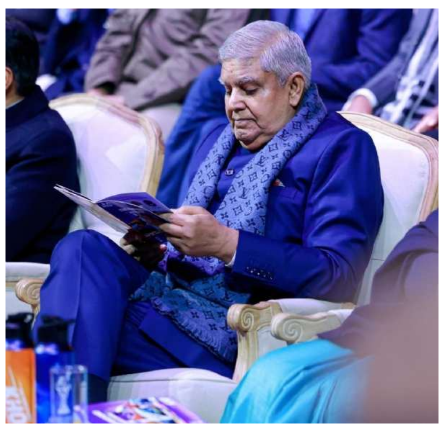

ले रहे हैं। टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए पूरे सप्ताह उत्साह का केंद्र बने रहेंगे।

खेल मंत्री ने वॉलीबॉल टीम से लिया गोल्ड का वादा

एजेंसी

रुद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का जायजा लेने मनोज सरकार स्टेडियम के औचक दौरे पर पहुंची और खिलाड़ियों से बात की। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए यह भी कहा कि अगली बार जब हम मिले तो हरसंभव प्रयास करें कि गले में गोल्ड मेडल हो। इस पर वहां मौजूद खिलाड़ियों ने भी उनकी बात पर हामी भरी। श्रीमती आर्य ने स्टेडियम में अभ्यास कर रहे वालीबॉल और हैंडबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। खेल मंत्री ने कहा कि हमारी टीमें राष्ट्रीय खेलों के महासमर में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गोवा में जो कसर बाकी रह गई थी इस बार उसे पूरा कर देना है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला

बढ़ाते हुए यह भी कहा कि अगली बार जब हम मिले तो हरसंभव प्रयास करें कि गले में गोल्ड मेडल हो। खेल मंत्री ने हैंडबॉल टीम के ओपन ट्रायल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बताया कि हैंडबॉल टीम के चयन के लिए विशेष रूप से उन विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है जो अतीत में राष्ट्रीय टीम का चयन कर चुके हैं। इसके पश्चात् उन्होंने 46वीं वाहिनी पीएसी का दौरा किया और शाटगन इवेंट को लेकर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी तैयारियां जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

खिलाड़ियों को बेहतर प्रोत्साहन देने के लिए कृत संकल्प: सिंह

एजेंसी

शमला/सोलन। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार राज्य में विभिन्न स्थानों पर आवश्यकतानुसार खेल स्टेडियम निर्मित कर रही है ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा तराशने के लिए उचित मंच मिल सके।

श्री सिंह सोलन ज़िला के अर्की उपमण्डल की ग्राम पंचायत कुनिहार के महाराजा पदम सिंह मेमोरियल खेल मैदान में हिम एकादश ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट के सीजन-4 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस प्रतियोगिता का आयोजन एहसास क्लब कुनिहार द्वारा किया गया। लगभग दो माह तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश की 64 टीमों के लगभग 700 खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित बना रही है कि राज्य के खिलाड़ियों को बेहतर प्रोत्साहन मिले ताकि वह अपना शतप्रतिशत प्रदान कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने ओलम्पिक एवं एशियन तथा राष्ट्र मण्डल खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ी न केवल देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं अपितु अन्य के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व में विकास के साथ-साथ उनकी ऊर्जा को उचित दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलों को समुचित प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुनिहार क्षेत्र में सुचारू जलापूर्ति के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुनिहार क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास के लिए बेहतर योजनाओं का समन्वय किया जाएगा ताकि लोगों को उचित आधारभूत सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं को चरणबद्ध तरीके से निपटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विभिन्न सड़कों के रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य भी पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने एहसास क्लब कुनिहार से अन्य खेलों को भी प्रतियोगिता में सम्मिलित करने को कहा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि नशे से सदैव दूर रहें और शिक्षा तथा खेल के माध्यम से अपने जीवन को नई ऊंचाई प्रदान करें। श्री सिंह ने अपनी ऐच्छिक निधि ने एहसास क्लब कुनिहार को 31 हजार रुपए देने की घोषणा की। लोक निर्माण मंत्री ने इस अवसर पर प्रतियोगिता में विजेता टीम कमांडो इलेवन को एक लाख रुपए की राशि, ट्रॉफी तथा रनरअप रही टीम हाट कोट वॉरियर्स को पचास हजार रुपए की राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। श्री सिंह ने इससे पूर्व महाराजा पदम सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश लघु बचत बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रकाश करड़, ग्राम पंचायत कुनिहार के प्रधान राकेश ठाकुर, ग्राम पंचायत कोठी की प्रधान बलविन्द्र कौर, ग्राम पंचायत मान के प्रधान सुरेन्द्र ठाकुर, ग्राम पंचायत बलेरा के प्रधान आशीष कौशल, ग्राम पंचायत बनोह-खरड़हट्टी के प्रधान पी.डी. पाल, ग्राम पंचायत भियूंखरी के प्रधान राजकुमार राणा, हिम एकादश ओपन टूर्नामेंट के प्रधान दलजीत सिंह कवर, कंवर नागेन्द्र सिंह, एहसास क्लब के प्रधान हरजिन्द्र सिंह, प्रधान-उप प्रधान परिषद के अध्यक्ष रुप सिंह ठाकुर, बीडीसी सदस्य हेम राज ठाकुर व कमल ठाकुर, नगर पंचायत अर्की के पार्षद धर्मपाल शर्मा, ग्राम पंचायत डुमैहर के पूर्व प्रधान रणजीत सिंह पाल, संजय ठाकुर, शशीकांत शर्मा, समीक्षा ठाकुर, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा खिलाड़ी उपस्थित थे।

सितसिपास को हराकर एलेक्स मिशेलसन ने किया ऑस्ट्रेलिया ओपन में उलटफेर

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी स्टेफोनोस सितसिपास को हराकर टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर करते हुए अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

आज यहां मिशेलसन ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले मुकाबले में जर्मनी के स्टेफोनोस सितसिपास को 7-5, 6-3, 2-6, 6-4 से हराया। ग्रैंड स्लैम में शीर्ष-20 प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिशेलसन की यह पहली जीत है। उन्होंने मैच के दौरान र्निभिक रणनीति के तहत शक्तिशाली सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक लगाये।। मैच के बाद मिशेलसन ने कहा, मैंने स्वयं को शांत रखने का प्रयास किया। मुझे मालूम था कि यह एक कठिन मुकाबला होगा, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इसे जीत सका। यह

सब आपकी मानसिकता पर निर्भर करता है। मैंने सही मानसिकता के साथ प्रदर्शन किया और अपनी रणनीति पर सही तरीके से अमल किया।

कमिंस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदसयीय टीम की घोषणा की

एजेंसी

सिडनी। दो बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस की कप्तानी में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय की टीम की घोषणा कर दी है।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने 2023 का एकदिवसीय विश्वकप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम में तीन बदलाव करते हुए इस टूर्नामेंट के लिए टीम का चयन किया है। मैट शॉर्ट और आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है तथा तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने भी टीम में जगह बनाई है। हालांकि अभी चोटिल पैट कमिंस के टखने का स्कैन होना है। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पैतृक अवकाश पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बताया कि चोटिल खिलाड़ियों कमिंस और हेजलवुड के स्कैन के परिणामों का इंतजार हैं। अगर आवश्यकता हुई तो वे नियमों के अनुसार अगले चार सप्ताह के भीतर टीम में बदलाव कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि चोटिल खिलाड़ियों के चैंपियंस ट्रॉफी तक उनके फिट होने की पूरी संभावना है।

बेली ने कहा, यह एक बेहद संतुलित टीम है, जिनके मुख्य खिलाड़ी पिछले एकदिवसीय विश्व कप में खेल चुके है। इसके अलावा इस टीम में कई विविधताएं और विकल्प हैं, जिनका परिस्थितियों और विपक्षी टीम के अनुसार इस्तेमाल किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार हैः- पैट कमिंस (कप्तान), ऐलेक्स कैरी, नेथन एलिस, ऐरन हार्डी, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टॉयनिस और एडम जम्पा।

कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में केनिन को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने आत्मविश्वास के साथ शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल के पहले दौर में हमवतन सोफिया केनिन को हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली हैं।

आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने केनिन को 6-3, 6-3 से हराया। मैच के दौरान उन्होंने अपने शक्तिशाली सर्विस से प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को प्रभावित किया। उन्होंने मैच के दौरान 12 ऐस और 28 विनर लगाए। नौ डबल फॉल्ट के बावजूद सर्विस पर उनका दबदबा रहा।दूसरे दौर में गॉफ का मुकाबला ब्रिटेन की जोडी बर्रेज से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में नोर्टजे और एनगिडी की वापसी

एजेंसी

प्रिटोरिया। दक्षिण अफ्रीका ने 19 फरवरी से पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम में तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे और लुंगी एनगिडी को जगह दी हैं। चयनकर्ताओं ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चोट के कारण चार से सात महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने वाले नोर्टजे और एनगिडी को दक्षिण अफ्रीका की टेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। नोर्टजे पैर की अंगुली टूटने तथा एनगिडी कमर की चोट के कारण टीम से बाहर थे। एनगिडी ने पार्ल रॉयल्स के लिए एसए 20 में वापसी की है, जबकि नोर्टजे आने वाले हफ्तों में प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए खेलने वाले हैं। दोनों खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं।

इस टीम में भारत में 2023 एकदिवसीय विश्वकप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले टीम के 10 खिलाड़ी हिस्सा है। वियान मुल्डर, टोनी डी जॉर्जी और रयान रिकेल्टन पहली बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद कोच रॉब वाल्टर ने बताया कि चयन को लेकर एनरिक नोर्टजे और गेराल्ड कोएत्जी के बीच सीधा मुकाबला था। उन्होंने कहा कि एनरिक का चयन अनुभव के आधार पर किया गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका की एकदिवसीय टीम इस प्रकार हैः- टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जॉर्जी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और रासी वैन डेर डुसेन।

भारत ने फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में दर्ज की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने दूसरे लीग मैच में इंग्लैंड पीडी को 29 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कटुनायके के एफ़टीज़ेड क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मैच ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए टीम के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 191 रनों का लक्ष्य रखा। राजेश कन्नूर ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वे पीडी टूर्नामेंट में शतक बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए, उन्होंने नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी में रविंद्र संते ने भी अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 24 गेंदों पर 45 रन जोड़े, जिससे भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। स्कोर का बचाव करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने सटीक प्रदर्शन किया। राधिका और जीतेंद्र की शुरुआती सफलताओं ने इंग्लैंड की गति को पटरी से उतार दिया, जबकि रविंद्र संते ने 24 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जिससे भारत ने मैच पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। हालांकि इंग्लैंड के विल फ्लिन ने 41 गेंदों पर 87 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर शानदार वापसी की, लेकिन टीम 162 रनों पर सिमट गई। टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सफर को डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और स्वयं नामक संगठन का समर्थन प्राप्त है, जो सुलभता और समावेश को बढ़ावा

देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वयं ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि विकलांग खिलाड़ियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं और अवसर मिलें, जिससे वे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

मैच के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए राजेश ने कहा, यह मेरे और टीम के लिए बहुत गर्व का क्षण है। इस तरह के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एक मील का पत्थर हासिल करना विशेष है, लेकिन इसका श्रेय मेरे साथियों के सामूहिक प्रयास और समर्थकों और डीसीसीआई और स्वयं जैसे संगठनों से मिलने वाले प्रोत्साहन को जाता है। उनका समर्थन हमें हर बार मैदान पर कदम रखने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। हमें यह देखकर खुशी हुई कि भारत खेलों में सुलभता के महत्व को पहचान रहा है और हम इस प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। भारतीय कप्तान विक्रांत केनी ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, टीम ने असाधारण प्रदर्शन किया। राजेश के अविश्वसनीय शतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास ने अंतर पैदा किया। विल फ्लिन की पारी सराहनीय थी, लेकिन हमारी हिम्मत बनाए रखने की क्षमता ने जीत सुनिश्चित की। हम अपनी संभावनाओं को लेकर आश्वस्त हैं और इस गति को बनाए रखने के लिए तत्पर हैं। लगातार दो जीत के साथ, भारत ने चैंपियनशिप के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

जहां से तुम्हारे बॉयफ्रेंड ने सीखा...जब प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर खान का सरेआम हुआ झगड़ा

फिल्म इंडस्ट्री में कब दो अच्छे दोस्त दुश्मन बन जाएं और दो दुश्मन अच्छे दोस्त बन जाएं, ये कहना थोड़ा मुश्किल है. लेकिन यहां अक्सर रिश्ते बनते और बिगड़ते रहते हैं. जैसे कि करीना कपूर और प्रियंका चोपड़ा के रिश्तों में भले ही अब सुधार हो गया हो, लेकिन एक वक्त पर दोनों बीच चीजें ठीक नहीं थीं. करीना और प्रियंका ने साथ में फिल्म 'डॉन' और 'एतराज' में काम किया है, लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट का खुलासा करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में हुआ था.करीना के बारे में कई बार ऐसा सुनने को मिला है कि उन्होंने अपनी को-एक्ट्रेस पर तंज कसा है. कुछ ऐसा ही हुआ था, जब करीना कपूर 'कॉफी विद करण' में पहुंचीं और उन्होंने प्रियंका चोपड़ा के अमेरिकन एक्सेंट पर टॉन्ट कसा. प्रियंका भी चुप नहीं बैठीं, उन्होंने भी बेबो के कमेंट का सरेआम खुलकर जवाब दिया था.

करीना ने प्रियंका पर कसा का तंज

करीना और प्रियंका भले ही अब साथ नजर नहीं आती हैं, लेकिन दोनों ने साथ में स्क्रीन शेयर किया है. दरअसल कुछ साल पहले जब बेबो 'कॉफी विद करण' में आईं तो वो हर सवाल का बेबाकी से जवाब दे रही थीं. इसी दौरान उनसे सवाल किया गया कि अगर उन्हें प्रियंका चोपड़ा से कुछ पूछने का मौका मिले तो वो क्या जानना चाहेंगी. इसपर करीना ने देसी गर्ल पर तंज कसते हुए कहा था कि वो पूछना चाहती हैं कि उन्होंने अमेरिकन एक्सेंट कहां से सीखा है.

देसी गर्ल ने ऐसे बंद कर दिया था मुंह

दरअसल ये उस दौर की बात है जब प्रियंका हॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने जा रही थीं. अब करीना के इस कमेंट पर देसी गर्ल कहां चुप बैठने वाली थीं. कुछ वक्त के बाद वो भी 'कॉफी विद करण' में पहुंचीं. इस दौरान करण जौहर ने उनसे बेबो की इस बात पर रिएक्शन जानना चाहा. जवाब में प्रियंका ने कहा था, मैंने ये एक्सेंट वहीं से सीखा है, जहां से उनके बॉयफ्रेंड ने सीखा है. उस वक्त करीना कपूर और सैफ अली खान की शादी नहीं हुई थी और दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे थे. तभी प्रियंका ने उनके बॉयफ्रेंड को लेकर एक्ट्रेस पर सरेआम तंज कसा था.

अल्लाह हमें माफ करे और... साहिल खान की पत्नी मिलेना ने अपनाया इस्लाम

बॉलीवुड एक्टर साहिल खान भले ही अब फिल्मी दुनिया से दूरी बना चुके हैं, लेकिन वो अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बने रहते हैं. एक्टर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और आए दिन अपनी फिटनेस वीडियो फैन्स के लिए पोस्ट करते रहते हैं. बड़े पर्दे से ब्रेक लेने के बाद साहिल खान एक बड़े बिजनेसमैन भी बन चुके हैं. पिछली बार साहिल का नाम तब चर्चा में आया था जब उन्होंने अपनी 21 साल की गर्लफ्रेंड मिलेना एलेक्जेंड्रा संग सगाई की थी. वहीं कुछ वक्त बाद उन्होंने कानून के मुताबिक उनसे शादी भी कर ली थी. अब साहिल ने इस बात का खुलासा किया है कि उनकी पत्नी ने इस्लाम अपनाने का फैसला किया है.साहिल खान ने अपनी दूसरी पत्नी मिलेना के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और खुद इस बात की जानकारी सभी के साथ शेयर की है. इस खबर के सामने आने के बाद काफी लोग हैरान भी हैं.

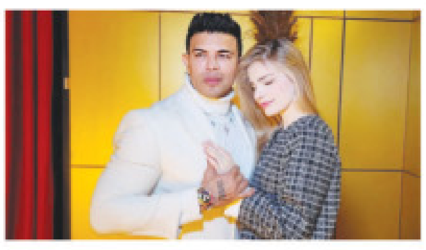

जब साहिल खान ने अचानक से अपनी सगाई की खबर सबको दी थी, तब भी सभी हैरान रह गए थी. फिर अचानक से उन्होंने अपनी शादी की खबर भी सभी के साथ शेयर कर दी थी. अब उन्होंने इस बात का ऐलान भी कर दिया कि पत्नी मिलेना इस्लाम अपनाने जा रही हैं. मिलेना उम्र में साहिल से काफी छोटी हैं.

साहिल खान ने पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

साहिल खान ने अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी पत्नी मिलेना एलेक्जेंड्रा ने इस्लाम धर्म अपनाने का फैसला किया है. इस खूबसूरत सफर के लिए अल्हम्दुलिल्लाह ! अल्लाह हमें माफ़ करे और हमारी दुआएं कबूल करे आमीन. शेयर की गई तस्वीरों में मिलेना अपने पति साहिल के सीने पर हाथ रखे नजर आ रही हैं. वहीं एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें मिलेना के सामने गुलाब के ढेर सारे फूल नजर आ रहे हैं.

क्या पहना है ये...? बेटे जुनैद के कपड़ों को देखकर आमिर खान ने सरेआम कह दी ऐसी बात

आमिर खान इन दिनों अपने बेटे जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा को प्रमोट करते हुए नजर आ रहे हैं. जुनैद खान ने अपनी फिल्म से लोगों को काफी इंप्रेस किया था. अब ये उनरी दूसरी फिल्म है, जो बड़े पर्दे पर 7 फरवरी को रिलीज के लिए तैयार है. इस फिल्म से जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं. हालांकि उनका भी ये दूसरा एक्टिंग प्रोजेक्ट हैं. सोशल मीडिया पर इस वक्त एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में आमिर अपने बेटे जुनैद के कपड़ों को देखर उनपर तंज कसते हुए नजर आ रहे हैं.वायरल हो रहे वीडियो में आमिर खान, जुनैद खान और खुशी कपूर को देखा जा सकता है. तीनों ही लवयापा के प्रमोशन इवेंट से बाहर आ रहे होते हैं. इस दौरान खुशी कपूर आगे की तरफ चल रही होती हैं. आमिर की नजर खुशी के आउटफिट पर पड़ती है, तो वो उन्हें देखते हैं और फिर वो अपने बेटे के कपड़ों की ओर देखते हैं. चलते हुए आमिर अपने बेटे से कहते हैं देखो इसे.वो कितने अच्छे से तैयार हुई है. खुद को देखाजफिर आमिर की तरफ खुशी देखती हैं, तो वो उनसे भी कहते हैं, इसने ये क्या पहना है ?

खुशी के कपड़ों की आमिर ने की तारीफ

वहीं जुनैद खान हंसते हुए कहते हैं कि मैंने और पापा ने सेम टी-शर्ट पहनी है. खुशी के आउटफिट की बात करें तो उन्होंने लाल रंग का खूबसूरत गाउन पहना हुआ है. जिसमें वो बेहद हसीन नजर आ रही हैं. वहीं आमिर और जुनैद ब्लैक कलर की प्लेन टी-शर्ट में नजर आते हैं. हालांकि जुनैद ने टी-शर्ट के ऊपर शर्ट भी कैरी की है और दोनों बाप-बेटों ने डेनिम-जींस भी पहनी है. सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो पर काफी कमेंट कर रहे हैं.

एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि जुनैद खान बिल्कुल सिद्धार्थ शुक्ला की तरह लग रहे हैं. जुनैद खान इससे पहले फिल्म महाराज में नजर आए थे. ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की गई थी. दर्शकों से इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था. वहीं आमिर को जुनैद की पहली फिल्म पसंद आई थी, लेकिन उनका कहना है कि वो कुछ सीन्स में बेहतर काम कर सकते थे. वो कई सीन्स में थोड़े कच्चे नजर आ रहे थे.

खतरनाक एक्सीडेंट के बाद भी नहीं रुके अजित कुमार, कार रेसिंग में मारी बाजी, आर माधवन बोले- 'क्या आदमी है...'

फिल्मों में धमाकेदार एक्शन करने वाले अजित कुमार को रियल लाइफ में कार रेसिंग का काफी शौक है. हाल ही में उनका एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया था. दरअसल, अजित कुमार दुबई में 24 II कार रेसिंग के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे. उसी दौरान ब्रेक फेल होने की वजह से उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया था. ऐसा लग रहा था कि एक्सीडेंट के बाद अजित इस रेसिंग में हिस्सा नहीं लेंगे. हालांकि, वो कॉम्पिटिशन में शामिल हुए और जीत भी हासिल की.अजित इस रेस में तीसरे नंबर पर रहे हैं. अब हर तरफ से उन्हें इस जीत के लिए बधाई मिल रही है. इंस्टाग्राम अकाउंट अजित कुमार रेसिंग टीम की तरफ से उनकी जीत की जानकारी शेयर की गई है. टीम ने उनकी कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, अजित को दो-दो सफलता. 991 केटेगरी में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया है और जीटी4 केटेगरी में वो स्पिरिट ऑफ द रेस रहे. ब्रेक फेल होने की वजह से जो एक्सीडेंट हुआ, उसके बाद क्या शानदार कमबैक किया है.

अजित ने ऐसे मनाया जीत का जश्न

अजित का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वो तिरंगा

लहराते हुए अपनी जीत का जश्न मनाते नजर आ रहे हैं. उनके साथ आर माधवन भी दिख रहे हैं. इस यादगार पल को दोनों एक साथ सेलिब्रेट कर रहे हैं. जीत की खुशी दोनों के चेहरे पर साफ झलक रही है. आर माधवन ने अजित को बधाई देते हुए पोस्ट भी किया है.

आर माधवन ने क्या कहा ?

माधवन ने उसी दौरान का वीडियो शेयर किया, जिस दौरान अजित झंडा लहराते हुए जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं. अजित को बधाई देते हुए माधवन ने लिखा, बहुत गर्व है. क्या आदमी है. सिर्फ और सिर्फ अजित कुमार.

एक दूसरे पोस्ट में माधवन ने लिखा, क्या आदमी है. जैसा कि वो कहते हा कि 'सपने सच होते हैं'. एक शानदार असली हीरो. अजित अब सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. फैंस भी उन्हें इस जीत के लिए बधाई दे रहे हैं.